Teacher's Manual

ADHERES TO
National Education Policy (NEP)
MIDDLE STAGE

ज्ञान भारती

हिंदी भाषा की पाठ्यपुस्तक

कक्षा—6	...	2
कक्षा—7	...	45
कक्षा—8	...	93

Fiesta Learning
Big Ideas Simply Explained

अनुभवी हिंदी लेखकों द्वारा तैयार की गई

संजय आत्रेय
उमा शर्मा

1. वीरों की पूजा

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. पूजा-घर में जाने वालों के तन पर राम नाम का पीतांबर था।

2. कविता में प्रयाग, गंगा-सागर, पुष्कर, रामेश्वर और काशी प्राचीन तीर्थों के नाम आए हैं।

3. शत्रुओं का मुकाबला करने के लिए जवानों की टोली निकल पड़ी।

4. जब युद्ध में जीत की आशा न होने पर राजपूत वीरांगनाएँ अपने सतीत्व की रक्षा के लिए अग्नि में भस्म हो जाती थी अर्थात् 'जौहर व्रत' का पालन करती थीं। रानी पद्मिनी ने जौहर व्रत किया था।

लिखित प्रश्न

(ख) कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

उत्तर– 1. इधर प्रयाग, न गंगा-सागर,
इधर न रामेश्वर-काशी
यहाँ कहाँ है तीर्थ तुम्हारा,
कहाँ चले तुम संन्यासी

2. जहाँ आन पर माँ-बहनों की,
जला-जला पावन होली
वीर मंडली गर्वित स्वर से,
जय माँ की जय-जय बोली

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (d) श्यामनारायण पांडेय
2. (a) संन्यासी
3. (b) तीर्थ स्थल
4. (c) तीर्थराज

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– भाव– 1. कवि कहता है कि संन्यासी ने कहा है कि उसी के दर्शनों के लिए मेरी आँखें लालायित है। वह तीर्थराज चित्तौड़ ऐसा है, जो अपने अचल दुर्ग पर शत्रुओं की बोली या आक्रमण की आवाजें सुनकर जोश से भर गया था, जहाँ से शत्रुओं का मुकाबला करने के लिए जवानों की टोली तलवारें लेकर निकल पड़ी थी।

2. कवि के वर्णनानुसार वह संन्यासी कहने लगा कि वह तीर्थराज चित्तौड ऐसा गौरवशाली है कि वहाँ की सुंदर स्त्रियों ने देश की भलाई की खातिर अपने सतीत्व की रक्षा के लिए आग की लपटों में जीवन मिटा देने या जौहर व्रत करना सीखा। जहाँ के बच्चों ने मातृभूमि की स्वतंत्रता की खातिर सहर्ष प्राण त्याग दिए अथवा मरण-महोत्सव करना सीखा।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. कवि ने पूजा करने जाने वाले संन्यासियों से ऐसा प्रश्न इसलिए किया क्योंकि वे किसी तीर्थस्थल की तरफ न जाकर उधर जा रहे थे जिधर कोई तीर्थ नहीं था।

2. क्योंकि वहाँ वीरों ने अपने देश के लिए अपने आप को बलिदान कर दिया था और वीरांगनाओं ने जौहर व्रत अर्थात् अपने सतीत्व की रक्षा के लिए अपने आप को अग्नि में भस्म कर दिया था।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए–

उत्तर–

कर	=	**हाथ, पाणि**	स्वर्ण	=	**सोना, कंचन**
पर	=	**पंख, पग**	स्वतंत्र	=	**आजादी, स्वाधीन**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

प्रात:	=	**सायं**	स्वतंत्र	=	**गुलाम**	पवित्र	=	**अपवित्र**
अचल	=	**चल**	वीर	=	**कायर**	बच्चा	=	**बूढ़ा**
शत्रु	=	**मित्र**	फूल	=	**काँटा**			

(ग) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए–

उत्तर–

पुजारी	=	**पुजारिन**	माली	=	**मालिन**	पड़ोसी	=	**पड़ोसन**
सेवक	=	**सेविका**	नौकर	=	**नौकरानी**	पालक	=	**पालिका**
गुणवान	=	**गुणवती**	लेखक	=	**लेखिका**			

(घ) निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखकर उनका अपने शब्दों में वाक्य प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

संन्यासी = **संन्यास का व्रत धारण करने वाला**
सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर संन्यासी प्रभु का निरंतर स्मरण करते हैं।

तीर्थराज = पवित्र जगह
वीरों की पूजा कविता में कवि ने चित्तौड़ को तीर्थराज कहा है।

पावन = **पवित्र**
दीपावली के पावन अवसर पर आपका मेरे घर हार्दिक स्वागत है।

गर्वित = गर्व होना
हमें भारतवासी होने पर गर्व है।

पग-धूल = **पैरों की धूल**
सुनील ने वीर सैनिकों के पैरों की धूल को माथे से लगा लिया।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

प्रात:	=	**प्रभात**	**सवेरा**	**भोर**
तन	=	**देह**	**शरीर**	**काया**
नदी	=	**सरिता**	**तरंगिणी**	**तटिनी**

फूल	=	**पुष्प**	**कुसुम**	**प्रसून**
आँख	=	**दृष्टि**	**नयन**	**नेत्र**
शत्रु	=	**दुश्मन**	**विपक्षी**	**बैरी**

(च) निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– 1. घर का भेदी लंका ढहाए = रवि ने अपने दोस्त राजू के खिलाफ गवाही दे दी, इसे कहते हैं **घर का भेदी लंका ढाए**।

2. दूर के ढोल सुहावने = बुआ जी कोमल से बार-बार घर आने को कहती थी जब कोमल आयी तो, उन्होंने सीधे मुँह बात नहीं की। इसे कहते हैं **दूर के ढोल सुहावने**।

3. पीठ दिखाना = नेहा ने शिखा से कुछ पैसों की मदद माँगी, परंतु शिखा ने नेहा को मना करके **पीठ दिखा दी**।

4. कमर कसना = अनमोल आने वाले कठिन समय के लिए सदैव अपनी **कमर कसकर** रखता है।

5. टस से मस न होना = पुलिस ने रमेश को इतना मारा पर वो अपने ब्यान से **टस से मस नहीं** हुआ।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीरों की सूची बनाइए और उनके चित्रों का संग्रह कीजिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **राजस्थान के दिए गए रेखामानचित्र में चित्तौड़गढ़ को पहचानिए और उसमें नीला रंग भरिए–**

खोजें-जाने

अध्यापक से 'जौहर व्रत' के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए।

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **दिए गए चित्रों को पहचानकर उनके नाम लिखिए–**

उत्तर–

महाराणा प्रताप

झाँसी की रानी

शिवाजी

हमीर देव चौहान

2. ध्रुव जननी सुनीति

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. संपूर्ण रूप से राजमहल को अपने कब्जे में रखने के सपने देखती थी।

2. राजा उत्तानपाद ने सुनीति को महल से सुरुचि के बहकावे में आकर निकाल दिया।

3. सुरुचि ने बालक ध्रुव को राजा की गोद से नीचे इसलिए उतार दिया क्योंकि वह ध्रुव से ईर्ष्या करती थी और वह नहीं चाहती थी कि ध्रुव राजा के समीप भी आए।

4. ध्रुव पाँच वर्ष की आयु में ध्रुवलोक का अधिपति बन गया।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. किंतु सुरुचि उसकी तुलना में अत्यधिक **सुंदर** तथा **चतुर** थी।

2. सुरुचि बड़ी रानी सुनीति से **द्वेष** रखती थी।

3. कठोर नेत्रों से उसने अपनी **विमाता** की ओर देखा।

4. ''जाओ पुत्र, उस **जगत पिता** को प्रसन्न करो।''

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) दो 2. (c) ध्रुव 3. (a) ध्रुव

4. (b) क्योंकि ध्रुव अपने पिता की गोद में बैठा था।

(घ) निम्नलिखित कथनों के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए–

उत्तर– 1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. सुनीति राजमहिषी थी और यज्ञादि कार्यों तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में राजा के साथ रहते हुए प्रधान रानी की भूमिका निभाती थी।

2. विमाता के व्यंग्य बाणों से आहत होने के कारण ध्रुव के नेत्रों से क्रोधाग्नि प्रकट हो रही थी।

3. ध्रुव को समझाते हुए सुनीति ने कहा, ''बेटा, तुम्हारी विमाता ने जो कहा है, वह सत्य है। उसी में तुम्हारा कल्याण है। भगवान की तपस्या कर तुम संसार में सबसे श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर सकते हो। तुम्हारे पिता की गोद में तुम्हारे लिए चाहे स्थान न हो, किंतु परमपिता परमेश्वर की गोद में बैठकर तुम निश्चिंत हो सकते हो। वहाँ से तुम्हारी विमाता तुम्हें कभी नहीं उतार सकती।''

4. ध्रुव को उसके लक्ष्य तक पहुँचाने में उसकी माता सुनीति ने अपने जीवन भर की खुशियों को तिलांजलि देकर पुत्र की मंगलकामना हेतु जो त्याग किया, वह बेमिसाल है। पाँच वर्ष के नन्हें बालक को ध्रुवलोक का अधिपति बनाने में उसकी जननी की मुख्य भूमिका थी।
5. माता के महान त्याग के फलस्वरूप ही ध्रुव नित्यलोक का वरदान प्राप्त कर ध्रुवतारा बन सका।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

धार्मिक = **अधार्मिक**	नीचा = **ऊँचा**	आशा = **निराशा**
समीप = **दूर**	पसंद = **नापसंद**	शिशु = **वृद्ध**
समस्या = **समाधान**	दृश्य = **अदृश्य**	दिन = **रात**
सुंदर = **कुरूप**		

(ख) निम्नलिखित विशेषणों से संज्ञा बनाइए–

उत्तर–

तेजस्वी = **तेज**	सात्विक = **सत्**	तिरस्कृत = **तिरस्कार**
व्यथित = **व्यथा**	परित्यक्ता = **परित्याग**	धार्मिक = **धर्म**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए–

उत्तर–

परित्यक्त = **परित्यक्ता**	परमेश्वर = **परमेश्वरी**
अभागा = **अभागी**	तपस्वी = **तपस्विनी**
गुणवान = **गुणवती**	उत्तराधिकारी = **उत्तराधिकारिणी**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के उचित अर्थ लिखिए–

उत्तर–

द्वेष = **ईर्ष्या**	उत्कंठा = **जिज्ञासा**
तिरस्कार = **अपमान**	सांत्वना = **तसल्ली देना**
विवेक = **बुद्धि**	क्रोधाग्नि = **क्रोध/गुस्सा आँखों से प्रकट होना**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के वचन लिखिए–

उत्तर–

रानियाँ = **बहुवचन**	पटरानी = **एकवचन**	राजमहल = **एकवचन**
कार्यों = **बहुवचन**	अनुष्ठानों = **बहुवचन**	महर्षि = **एकवचन**
तपस्विनी = **एकवचन**	सद्गुणों = **बहुवचन**	

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **सुनीति, सुरुचि और ध्रुव में से आप किसके गुणों से प्रभावित हुए और क्यों? कुछ पंक्तियाँ में लिखिए–**

उत्तर– हम सुनीति के गुणों से प्रभावित हुए क्योंकि उसने अपने पाँच वर्ष के नन्हें से बालक ध्रुव को उच्च स्थान पाने के लिए प्रोत्साहित किया। उसका त्याग करके इस कार्य में उसका सहयोग किया। जिससे कि वह अपने पिता की गोद की जगह उस परमपिता परमात्मा की गोद में बैठकर वह निश्चिंत हो जाए।

कल्पना की उड़ान

- **बालक ध्रुव के स्थान पर यदि आप होते, तो संसार में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने के लिए क्या करते, बताइए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **गोले में लिखे वर्णों से शब्द बनाइए–**

उत्तर–

म न मो ह क

ह ल का न

ना ह क

क म ल

न ल

ब ल

म नो का म ना

म नो ब ल

म ह ल

मो ह न

क ल

ह ल

3. शहीद बकरी

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर–

1. चरवाहे ने भेड़िए की धूर्तता से तंग आकर हरे-भरे पहाड़ पर बकरियाँ चराना बंद कर दिया था।
2. मूर्ख शुतुरमुर्ग शिकारी के भय से रेत में गर्दन छुपा लेता है।
3. बकरी द्वारा हुए अचानक प्रहार से भेड़िया किंकर्तव्यविमूढ़ हो गया।
4. यदि बकरी की साथियों ने बकरी का साथ देकर भेड़िए पर मिलकर एक साथ हमला किया होता, तो वे बाड़े में कैदी का जीवन व्यतीत करने की बजाए पहाड़ पर नि:शंक और स्वच्छंद विचर सकती थीं।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर–

1. भेड़िये की **धूर्तता** के कारण चरवाहे ने पहाड़ पर बकरियाँ चराना बंद कर दिया।
2. युवा बकरी देखना चाहती थी कि वह किस तरह **छटपटाता** है।
3. भेड़िये का सिर दरख्त से टकराकर **लहूलुहान** हो गया।
4. ''भेड़िये से भिड़कर भला बकरी को क्या **मिला**।''

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर–

1. (a) भेड़िये के
2. (b) युवा बकरी को
3. (b) तोता-मैना
4. (d) बकरी

(घ) निम्नलिखित कथनों के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए–

उत्तर– 1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. सत्य 5. सत्य

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– भाव– 1. इस संसार में हर प्राणी को भोग्य भोगना ही पड़ता है। भोग्य सदैव भोगने के लिए ही उत्पन्न होते हैं।

2. यदि सभी बकरियाँ आलस न कर निडर बन एक साथ भेड़िये का सामना करतीं तो वे स्वतंत्र जीवन व्यतीत करती। परन्तु अकेले युवा बकरी ने ही उस भेड़िए का सामना अपनी समस्त शक्ति अनुसार किया, परन्तु साथियों की अकर्मण्यता पर तरस खाती हुई भेड़िये द्वारा मारी गई।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. भेड़िए की इस धूर्तता से तंग आकर चरवाहे ने बकरियाँ चराना बंद कर दिया था।

2. पर्वत को देखते हुए युवा बकरी सोचती रहती थी कि अत्याचारी से यों कब तक प्राणों की रक्षा की जा सकेगी? वह पहाड़ से उतर कर किसी रोज़ बाड़े में भी कूद सकता है। शिकारी के भय से मूर्ख शुतुरमुर्ग रेत में गर्दन छुपा लेता है तब क्या शिकारी उसे बख्श देता है?

3. युवा बकरी भेड़िए के मुँह में लगे खून को देखना चाहती थी। वह किस तरह छटपटाता है, यह करतब देखने की उसकी लालसा बलवती होती गई। एक दिन मौका पाकर वह बाड़े से निकल भागी और पर्वत पर चढ़कर स्वच्छंद विचरती, कूदती, फाँदती, दिनभर पहाड़ पर चरती रही। मनमानी कुलेलें करती रही।

4. बकरी के द्वारा अचानक टक्कर मारे जाने के कारण भेड़िया किंकर्तव्यविमूढ़ हो गया था।

5. मैना ने तोते की बात का सगर्व उत्तर देते हुए कहा कि, ''वही जो अत्याचारी का सामना करने पर पीड़ितों को मिलता है। बकरी मर ज़रूर गई है, परंतु भेड़िए को घायल करके मरी है। वह भी अब दूसरों पर अत्याचार करने के लिए जीवित नहीं रह सकेगा। सीने और मस्तक के घाव उसे सड़-सड़कर मरने को बाध्य करेंगे। काश! बकरी के अन्य साथियों ने उसकी भावनाओं को समझा होता। छिपने की बजाय एक साथ वार किया होता तो वे आज बाड़े में कैदी जीवन व्यतीत करने की बजाय पहाड़ पर नि:शंक और स्वच्छंद विचरती होती।''

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–	कम	**ज्यादा**	बंधन	**मुक्ति**	कैद	**आजाद**
	पसंद	**नापसंद**	भय	**निर्भय**	मूर्ख	**ज्ञानी**
	साथियों	**शत्रुओं**	असावधान	**सावधान**	नीचे	**ऊपर।**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–	पहाड़	**पर्वत**	मौत	**मृत्यु**	कैद	**बंधन**

आँखों	**नेत्रों**	मन	**चित्त**	खून	**रक्त**
लालसा	**इच्छा**	सैर करना	**घूमना**	तनिक	**थोड़ा**
साहस	**हिम्मत**	अकर्मण्यता	**आलस्य**	मस्तक	**माथा**

(ग) इसी प्रकार 'इन' प्रत्यय जोड़कर पाँच पुल्लिग शब्दों से स्त्रीलिंग शब्द बनाइए–

उत्तर–

ग्वाल	+ इन =	**ग्वालिन**		पंजाबी	+ इन =	**पंजाबिन**
कुम्हार	+ इन =	**कुम्हारिन**		नाग	+ इन =	**नागिन**
जाट	+ इन =	**जाटिन**				

(घ) इन क्रिया-रूपों में 'आहट' प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए–

उत्तर–

छटपटाना	=	**छटपटाहट**	मुस्कुराना	=	**मुस्कुराहट**
खड़खड़ाना	=	**खड़खड़ाहट**	घबराना	=	**घबराहट**
लपलपाना	=	**लपलपाहट**	गुर्राना	=	**गुर्राहट**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों में 'उपसर्ग' जोड़िए व शब्द पूरा कीजिए–

उत्तर–

जय	=	**पराजय**	संदेह	=	**निस्संदेह**
संभव	=	**असंभव**	जीवन	=	**आजीवन**

(च) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

उत्तर– 1. निपुण 2. जीवन-पर्यंत 3. सारथि 4. सेनापति

(छ) निम्नलिखित शब्दों में अन्य शब्द जोड़कर नए शब्द बनाइए–

उत्तर–

प्राण	=	**प्राणवायु**	वेद	=	**वेदव्यास**
महा	=	**महाभारत**	सत्य	=	**सत्यवादी**

(ज) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

युद्धष्ठिर	=	**युधिष्ठिर**	भीष्म	=	**भीष्म**
परुशराम	=	**परशुराम**	शइया	=	**शैया**

(झ) निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

उत्तर–

हरे-भरे	=	**हरे-भरे** बाग में पीपल का विशाल वृक्ष भी था।
धूर्तता	=	भेड़िए की **धूर्तता** के कारण चरवाहा बकरी चराने नहीं गया।
सदैव	=	**सदैव** सत्य बोलना चाहिए।
प्रयत्न	=	निरंतर **प्रयत्न** करने से सफलता अवश्य मिलती है।
पर्वत	=	हिमालय **पर्वत** भारत के उत्तर में स्थित है।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **पाठ में आए ये पात्र किस प्रकार के मानव चरित्रों को अभिव्यक्त करते हैं? उनके लिए उपयुक्त शब्द चुनकर उनके सामने लिखिए–**

उत्तर–

बकरी	**शोषित**	भेड़िया	**शोषक**
तोता	**अत्याचारी का प्रशंसक**	मैना	**अत्याचारी का विरोधी**

कल्पना की उड़ान

- **बकरी ने जो कुछ किया, वह उचित था या अनुचित? विचार कीजिए तथा अपने शब्दों में लिखिए–**

उत्तर– बकरी ने वीरता के साथ भेड़िये का सामना किया। युवा बकरी मरने के भय से बाड़े में कैद होना स्वीकार नहीं करती है। बल्कि वह हत्यारे और निरीह बकरियों का खून करने वाले भेड़िये को घायल, पीड़ा और दर्द से छटपटाते हुए देखना चाहती है। युवा बकरी ने भेडिये को घायल और घावों के सड़न से मरने को बाध्य कर दिया। अत: यह कहा जा सकता है कि बकरी ने जो किया वह उचित था।

खेलकर सीखें

- **पाँच जंगली जानवरों के चित्र चिपकाकर उनके नाम लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

4. पश्चाताप

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. जगतसिंह को विद्यालय जाना अप्रिय लगता था।
2. जगतसिंह दो वर्ष बंबई में भटकता रहा।
3. जगतसिंह के पिता को गबन के अभियोग में सात वर्ष की सजा हो गई।
4. नैनी जेल के द्वार पर कैदियों के घरवाले उन्हें लिवाने आए थे। इस कारण वहाँ भीड़ लगी हुई थी।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. जगतसिंह सैलानी **आवारा, घुमक्कड़** युवक था।
2. जगतसिंह की **शरारतों** से घर के सभी लोग तंग आ गए थे।
3. कैप्टन जगतसिंह-सा **योद्धा** उस रेजीमेंट में नहीं है।
4. **नैनी** जेल के द्वार पर भीड़ लगी हुई है।
5. जगतसिंह रोता हुआ **पिता** के पैरों पर गिर पड़ा।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (c) कस्बे के 2. (b) जवान
3. (b) क्योंकि लड़ाई छिड़ चुकी थी 4. (a) अपने पिता के

(घ) निम्नलिखित वाक्यों के सामने सत्य या असत्य लिखिए–

उत्तर– 1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. असत्य 5. सत्य।

(ङ) सही मिलान कीजिए–

उत्तर– 1. (iv) 2. (iii)
3. (v) 4. (i)
5. (ii)

(च) निम्नलिखित पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए–

''उसकी दशा उस शिकारी की-सी हो गई, जो चिड़ियों का शिकार करने जाए और अनजाने में किसी आदमी पर निशाना लगा दे।''

उत्तर– भाव– जब जगतसिंह ने बीमा रजिस्ट्री के रुपये चुराए तब उसकी स्थिति ऐसी हो रही थी कि मानो किसी शिकारी ने पक्षी के स्थान पर किसी मानव को अपना निशाना बना लिया हो और अब उसे उसके किए की भयंकर सजा मिलेगी।

(छ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. बचपन में जगतसिंह को स्कूल जाना कुनैन खाने या मछली का तेल पीने से कम अप्रिय न था। वह सैलानी, आवारा, घुमक्कड़ युवक था। कभी अमरूद के बागों की ओर निकल जाता और अमरूदों के साथ माली की गालियाँ बड़े शौक से खाता। कभी दरिया की सैर करता और मल्लाहों की डोंगियों में बैठकर उस पार के देहातों में निकल जाता। सवार घोड़े के पीछे ताली बजाना, इक्के को पीछे से पकड़कर अपनी ओर खींचना, बुड्ढों की चाल की नकल करना, ये उसके मनोरंजन के विषय थे।

2. जगतसिंह का स्वभाव चंचल था उसकी शरारतों से घर के सभी लोग परेशान थे। वह अपने शौक पूरे करने के लिए दिन-रात रुपये चुराने की ताक-झाँक में रहता था परंतु वह हिम्मत का भी धनी था।

3. जगतसिंह द्वारा बीमा रजिस्ट्री के रुपये चुराए जाने पर भगतसिंह पर गबन का मुकदमा चलाया गया और उन्हें 7 (सात) वर्ष की सजा जेल में काटनी पड़ी।

4. कप्तान ने देखा युवक हाजिर-जवाब है। मनचला, हिम्मत का धनी जवान है, इसलिए उसे तुरंत फौज में भरती कर लिया।

5. कैप्टन जगतसिंह-सा योद्धा उस रेजिमेंट में नहीं था। कठिन अवस्थाओं में उसका साहस और भी बढ़ जाता था। जिस मुहिम में सबकी हिम्मत जवाब दे जाती थी, उसे करना उसी का काम होता था। हमले में वह सदैव आगे रहता था। वह इतना विनम्र, इतना गंभीर, इतना प्रसन्नचित्त था कि सारे अफसर और मातहत उसकी बड़ाई करते थे। उस पर अफसरों का इतना विश्वास था कि वे प्रत्येक विषय में उससे परामर्श करते थे।

6. इस कहानी का शीर्षक 'पश्चाताप' सत्य है क्योंकि कहानी के अंत तक कहानी का नायक अपने द्वारा किए गए दुष्कर्मों के परिणाम पर परिवार जनों से क्षमा याचना करना चाहता है और पश्चाताप की अग्नि में जलता रहता है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

कम	=	**अधिक**	अप्रिय	=	**प्रिय**	युवक	=	**वृद्ध**
गाँव	=	**शहर**	धूप	=	**छाया**	उलटा	=	**सीधा**
हानि	=	**लाभ**	कुछ	=	**प्रत्येक**	बंद	=	**खुला**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

भूमि	=	**जमीन**	ठंडी	=	**शीतल**	नजर	=	**दृष्टि**
आज	=	**अद्य**	तट	=	**किनारा**	क्रोध	=	**गुस्सा**
पिता	=	**जनक**	मुग्ध	=	**आकर्षित**	पुरानी	=	**प्राचीन**

(ग) निम्न शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

प्रतीक्षा = जगतसिंह को पत्र आने की **प्रतीक्षा** थी।

वृक्ष = आम के **वृक्ष** पर कोयल का बसेरा था।

चपरासी = दफ्तर का **चपरासी** पत्र लेकर आया।

छुट्टी = भगतसिंह को जेल से **छुट्टी** मिल रही थी।

(घ) निम्नलिखित मुहावरों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर–

1. तुम इस पद के योग्य तो न थे। वह तो **बिल्ली के भागों छींका टूट गया**।
2. घर की याद आने पर वह **ठंडी साँस लेने लगा**।
3. चूहे पकड़ने के लिए बिल्ली काफी देर तक **ताक-झाँक करती** रही।
4. बड़े खुश हो, लगता है कोई बड़ी **मुहिम सर कर** आए हो।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

शुरु	=	**शुरू**	अनुरुप	=	**अनुरूप**	रुप	=	**रूप**
रूपया	=	**रुपया**	रुठना	=	**रूठना**	रूचि	=	**रुचि**
रुसी	=	**रूसी**	गुरू	=	**गुरु**	शूरूआत	=	**शुरुआत**
अथार्त	=	**अर्थात्**	अनुगृह	=	**अनुग्रह**	परिशरम	=	**परिश्रम**

(च) निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ में आए बदलाव को स्पष्ट कीजिए–

उत्तर–

1. इस वाक्य में भी लगाकर कार्यालय जाने की अनिवार्यता पर बल दिया गया है।
2. इस वाक्य में भी लगाकर मेरे द्वारा जाने की अनिवार्यता पर बल दिया गया है।
3. इस वाक्य में कार्यालय जाने और भाग लेने की अनिवार्यता पर बल दिया गया है।

(छ) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर–

अप्रिय	**नापसंद**	हिम्मत	**ताकत**	प्रतीक्षा	**इंतजार**
क्रोध	**गुस्सा**	क्षमा	**माफी**	परामर्श	**सलाह**
शोक	**दुख**	रात्रि	**रात**		

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **दूसरे शहर में रहने वाले अपने मित्र को पत्र लिखकर उसे अपनी पढ़ाई के विषय में जानकारी दीजिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **यदि आप जगतसिंह के स्थान पर होते, तो आपके द्वारा लिफाफा फटने पर आप क्या करते? बताइए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **पत्र-पेटी (लैटर बॉक्स) के चित्र में रंग भरिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

5. कितनी ज़मीन

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. कोलों की बस्ती में जमीन बहुत सस्ती थी।
2. कोलों के सरदार ने दीना को जमीन की एक दिन की दर एक हजार रुपये बताई।
3. कोलों के सरदार ने कहा कि तुम्हें उसी दिन वहाँ आना होगा जहाँ से जमीन नापनी शुरू की है। वरना तुम्हारी कीमत जब्त कर ली जाएगी।
4. दीना की मृत्यु का कारण लालच था।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. बड़ी बहन का विवाह कस्बे में एक **सौदागर** से हुआ था।
2. **दरिया** के पास ज़मीन-ही-ज़मीन थी।
3. दुभाषिये ने कहा कि यही हमारे **सरदार** हैं।
4. दीना ने भी रुपये निकाले और **टोपी** पर गिनकर रख दिए।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) व्यापारी से 2. (c) कोलों की 3. (d) एक हजार 4. (d) (a) व (b)

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. दीना दरिया किनारे बसने की बात इसलिए सोचने लगा क्योंकि वहाँ की जमीन अच्छी थी और दीना यह चाहता था, कि अपना जीवन नए सिरे से नए स्थान से प्रारम्भ करें।

2. यात्रा शुरू करने से पहले दीना ने अपनी बीबी को घर की देखभाल करने के लिए बताया और एक नौकर को साथ लेकर यात्रा के लिए निकल पड़ा। उसने कोलों के लिए कुछ उपहार भी लिए थे।
3. रह-रह कर वह रात भर जमीन के बारे में ही सोच रहा था इसलिए उसे रात भर नींद नहीं आयी।
4. लालच के कारण दीना अपनी जान गँवा बैठा था और अपने लिए मात्र छह फुट जमीन ही कब्र के रूप में ले पाया था। दीना के इस लालच को देखकर सरदार पेट पकड़कर हँस रहा था।
5. साधारण तंग और सँकरी सी जगह दीना को तब तक सोचने पर मजबूर नहीं करती थी जब तक उसने औरतों की बातें न सुनी थीं। परंतु दरिया किनारे की उम्दा जमीन का लालच उसे दरिया किनारे ले आता है। अपने इस लालच से भरे मूर्खतापूर्ण विचार के कारण वह अपनी जान और दिया गया धन दोनों ही गँवा देता है। किसी भी प्रकार का लालच मानव के मानवीय गुणों का हनन कर देती है। यदि दीना भी अपनी उसी तंग और संकरी जमीन पर रहकर खेती करता तो सुखपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकता था।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

किसान	=	**हलवाहा, कृषक**	घर	=	**गृह, भवन**
नदी	=	**सरिता, सरि**	सवेरा	=	**सुबह, प्रातः**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

तेज़	=	**धीरे**	साफ़	=	**गन्दा**
बाईं	=	**दाईं**	ज़्यादा	=	**कम**

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में कारक-चिह्नों को शुद्ध करके वाक्यों को पुनः लिखिए–

उत्तर–
1. आओ, तुम्हें किताब दूँ।
2. पुल पर दो गाड़ियों में टक्कर हो गई।
3. राम के तीन भाई थे।
4. देवदत्त ने तीर चलाया।
5. व्यवसाय से दोनों ही चिकित्सक थे।

(घ) निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय छाँटकर उनके सामने लिखिए–

उत्तर–

सामाजिक	=	**समाज**	+	**इक**	पठित	=	**पठ**	+	**इत**
कार्यालय	=	**कार्य**	+	**आलय**	शुद्धता	=	**शुद्ध**	+	**ता**
समरसता	=	**समरस**	+	**ता**	पठनीय	=	**पठन**	+	**ईय**
शोचनीय	=	**शोचन**	+	**ईय**	व्यक्तित्व	=	**व्यक्ति**	+	**त्व**

(ङ) विशेषण शब्दों में 'ता' प्रत्यय शब्द जोड़कर भाववाचक संज्ञा बनाइए–

उत्तर– विशेष = **विशेषता** कर्कश = **कर्कशता** कटु = **कटुता**
विविध = **विविधता** सज्जन = **सज्जनता** शिष्ट = **शिष्टता**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **'लालच बुरी बला है' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए–**

उत्तर– लालच बुरी बला होती है। एक इंसान यदि लालच करता है तो उसको परिणाम भी बुरा ही मिलता है। कोई भी लालच ज्यादा समय तक नहीं टिक पाता। एक ना एक दिन उस लालच का दुष्परिणाम सामने आ ही जाता है। इसलिए हमें सदैव लालच करने से बचना चाहिए। यदि हम किसी लालच के जाल में फँस भी गए हैं, तो समय रहते उससे बाहर आ जाएँ। अगर हम समय रहते लालच की प्रवृत्ति को त्याग देंगे तो शायद हम लालच के दुष्परिणाम से बच सकते हैं।

कल्पना की उड़ान

- **यदि दीना अधिक जमीन का लालच न करता, तो क्या होता? बताइए।**

उत्तर– यदि दीना अधिक जमीन का लालच न करता तो उसे अपनी जान से हाथ न धोना पड़ता बल्कि वह जीवित होता।

खेलकर सीखें

- **खेती में प्रयोग किए जाने वाले मुख्य उपकरणों व मशीनों के चित्र चिपकाकर उनके नाम लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

6. गणेश शंकर विद्यार्थी

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकार और संपादक के अतिरिक्त एक सेनानी थे।
2. विद्यार्थी जी को संयुक्त प्रांत का प्रथम अधिनायक मनोनीत किया गया।
3. विद्यार्थी जी पर राजद्रोह का आरोप लगा।
4. विद्यार्थी जी पाँच बार जेल गए।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. गणेश शंकर विद्यार्थी जी ने **धर्मांधता** कभी स्वीकार नहीं की।
2. उन्होंने **कर्मयोगी** पत्र के लिए लेख और **टिप्पणियाँ** लिखीं।

3. वे स्वतंत्रता-संग्राम के **कर्मठ** तथा **जुझारू** सेनानी भी थे।
4. उनकी 'ग्राम सुधार योजना' की परिधि में **200 गाँव** आ गए।
5. गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे लोग **बिरले** ही होते हैं।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) राष्ट्र 2. (b) कर्मयोगी
3. (c) 200 4. (d) 25 मार्च, 1931

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– 1. कबीर ब्रह्म को पाना चाहते थे उनके चिन्तन का मूल स्त्रोत ब्रह्म को प्राप्त करना था। विद्यार्थी जी को भी व्यक्तित्व से कबीर जैसा ही माना जाता था। उनके चिन्तन का मूल देश/राष्ट्र था। राष्ट्र के निर्माण कार्य में वे सभी की भूमिका महत्वपूर्ण मानते थे।

2. गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे लोग बिरले ही होते हैं जो अपने प्राणों की भी परवाह नहीं करते और देश हित के लिए हँसते-हँसते अपने प्राणों का बलिदान कर देते हैं। ऐसे लोगों के जन्म के लिए किसी भी राष्ट्र को हजारों वर्ष तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. गणेश शंकर विद्यार्थी जी का जन्म 26 अक्टूबर, 1890 में इलाहाबाद के अतरसुइया मोहल्ले में हुआ था।

2. पत्रकारिता के क्षेत्र में विद्यार्थी जी का बड़ा योगदान था। उन्होंने 'कर्मयोगी' पत्र के लिए लेख और टिप्पणियाँ लिखकर अपने पत्रकार जीवन की शुरुआत की। उन्होंने संपादक पंडित महावीर प्रसाद द्विवेदी के सहायक रूप में संपादन कार्य किया। अपने साप्ताहिक पत्र 'प्रभात' का प्रकाशन भी आरंभ किया यही पत्र उनकी बहुमुखी व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति का आधार था। कुछ ही समय पश्चात् यह साप्ताहिक पत्र दैनिक बन गया तथा लोकप्रिय हो गया। अनेक पत्रों ने इस पत्र को अपना आदर्श माना और इसके सम्पादन से प्रेरणा ली। अत: स्पष्ट है कि गणेश शंकर विद्यार्थी एक कुशल पत्रकार थे।

3. 9 नवंबर, 1913 से साप्ताहिक पत्र 'प्रताप' का प्रकाशन आरंभ किया। यही पत्र उनके बहुमुखी व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति का आधार बना। इस पत्र को उन्होंने अपने खून-पसीने से सींचा। उन्होंने इसे अंग्रेज़ी सरकार के दमन, अन्याय और शोषण के विरुद्ध एक कारगर हथियार के रूप में प्रयुक्त किया। एक समय ऐसा भी आया जब उनका यह पत्र स्वतंत्रता संग्राम का पर्याय ही बन गया। अंग्रेजी सरकार बार-बार इसे बंद करने की धमकी देती रही। किंतु अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, गहरी सूझबूझ, निर्भीकता, विलक्षण प्रतिभा और निष्पक्षता के बल पर गणेश शंकर विद्यार्थी ने अपने जीवन-काल में 'प्रताप' के प्रताप को कभी मंद नहीं पड़ने दिया।

4. सरदार भगतसिंह पर लाहौर में जब विवाह करने के लिए उनकी दादी का

दबाव बढ़ा तो वे मार्गदर्शन के लिए गणेश शंकर विद्यार्थी के पास कानपुर आए थे।

5. विद्यार्थी जी सांप्रदायिकता के प्रबल विरोधी थे। 24 मार्च, 1931 की बात है। कानपुर में अचानक दंगा भड़क उठा। लोग एक-दूसरे के खून के प्यासे हो उठे। मारकाट और अग्निकांड की खबरें आने लगीं। विद्यार्थी जी इस स्थिति में मूकदर्शक बनकर बैठे नहीं रह सकते थे। वे निकल पड़े लोगों को बचाने और समझाने के लिए। वे स्वयं को बचा नहीं पाए और दंगे का शिकार हो गए।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

एक	= **अनेक**	सच्चे	= **झूठे**	देशभक्त	= **देशद्रोह**
बुराइयों	= **अच्छाइयों**	स्वीकार	= **अस्वीकार**	जन्म	= **मृत्यु**
उच्च	= **निम्न**	हँसते	= **रोते**	आरंभ	= **अंत**

(ख) उपसर्ग और प्रत्यय अलग करके लिखिए–

उत्तर–

समास		**उपसर्ग**	**प्रत्यय**
सांप्रदायिकता	=	**सम्**	**ता**
सामाजिकता	=	—	**ता**
निर्भीकता	=	—	**ता**
क्रांतिकारी	=	—	**कारी**
दुर्व्यवहार	=	**दुर्**	—

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर– 1. उन्होंने 2. वे 3. उन्हें 4. उसी, उस 5. वे।

(घ) अब निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए–

उत्तर–

		विग्रह	**समास का नाम**
घनश्याम	=	**घन के समान श्याम**	**कर्मधारय समास**
यथासंभव	=	**जैसा संभव हो**	**अव्ययी भाव समास**
वनवास	=	**वन में वास**	**अधिकरण तत्पुरुष**
नीलगाय	=	**नीली है जो गाय**	**कर्मधारय समास**
देहलता	=	**देह रूपी लता**	**कर्मधारय समास**
त्रिभुज	=	**तीन भुजाओं का द्विगु**	**समास**
चतुर्भुज	=	**चार भुजाएँ हैं जिसकी (विष्णु)**	**बहुब्रीही समास**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **कांग्रेस के संस्थापक के विषय में जानकारी प्राप्त करके लिखिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **हम राष्ट्र की सच्ची सेवा किस प्रकार कर सकते हैं?**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

दी गई वर्ग-पहेली में से आठ स्वतंत्रता सेनानियों के नाम ढूँढ़कर लिखिए–

उत्तर– सुभाषचंद्र बोस
बाल गंगाधर तिलक
चंद्रशेखर आजाद
लाल बहादुर शासत्री
सुखदेव
भगत सिंह
महात्मा गांधी
राजेंद्र प्रसाद

सु	चं	आ	सु	ख	दे	व	बा	ला
भा	द्र	वि	रा	पो	स्ता	मि	ल	ल
ष	शे	म	हा	त्मा	गां	धी	गं	ब
चं	ख	लु	रा	ज	गु	रु	गा	हा
द्र	र	द	धि	खै	रो	ढ़	ध	दु
बो	आ	तु	ना	वि		ला	र	र
स	जा	भ	ग	त	सिं	ह	ति	शा
न	द	खा	म	शा	प्रे	रू	ल	स्त्री
ला	रा	जें	द्र	प्र	सा	द	क	मा

7. कबीर के दोहे

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. मीठी वाणी बोलने से दूसरों को तो सुख मिलता ही है। अपना हृदय भी आनंदित हो जाता है।
2. साधु लोग परोपकारी कार्य करते हैं।
3. मृग कस्तूरी को वन में ढूँढ़ता है।

लिखित प्रश्न

(ख) निम्नलिखित पद्य भाव से संबंधित दोहे लिखिए–

उत्तर– 1. ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करे, आपहु सीतल होय।।
2. बृच्छ कबहुँ नहीं फल भखै, नदी न संचै नीर।
परमारथ के कारनै, साधुन धरा शरीर।।
3. बड़ा भया तो क्या भया, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर।।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) गोविंद
2. (b) आम
3. (c) फल लागै अति दूर
4. (d) साधुन

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर–

1. शिष्य को ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग गुरु ने ही दिखाया है। इसी कारण शिष्य का गुरु के प्रति समर्पण का भाव है।
2. यदि सुख में भी ईश्वर का स्मरण किया जाए तो दुख कभी नहीं आता है।
3. वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाता है इसी प्रकार नदी भी अपना जल स्वयं नहीं पीती है। दोनों ही जीव जगत का पोषण करते हैं। अत: दोनों का ही स्वभाव परोपकारी है।
4. ईश्वर सदा सच्चे हृदय में बसते हैं।
5. दुर्बल को कभी नहीं सताना चाहिए क्योंकि उसके मन से निकली हुई हाय (बद्दुआ) उसी प्रकार से सब कुछ नष्ट कर देने वाली होती है जैसे लौहार की धोंकनी का चमड़ा निर्जीव होते हुए भी लोहे को भस्म कर देता है।
6. मनुष्य को ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जो सुनने वाले को शीतलता प्रदान करे जिससे अपना भी मन प्रसन्न हो और सुनने वाले का मन भी प्रसन्न हो जाए।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

दु:ख	**सुख**	परमार्थ	**स्वार्थ**	शीतल	**ऊष्ण**
बुरा	**भला**	सत्य	**असत्य**	जीवित	**मृत**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताइए–

उत्तर–

साहब	**पुल्लिग**	खाल	**स्त्रीलिंग**	राई	**स्त्रीलिंग**
वाणी	**स्त्रीलिंग**	खजूर	**पुल्लिग**	हृदय	**पुल्लिग**
वृक्ष	**पुल्लिग**	हंस	**पुल्लिग**	पर्वत	**पुल्लिग**
गुरु	**पुल्लिग**	गोविंद	**पुल्लिग**	शरीर	**पुल्लिग**
मृग	**पुल्लिग**	नीति	**स्त्रीलिंग**		

(ग) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

जल	– **पानी, नीर**		पर्वत	– **पहाड़, नग**	
वृक्ष	– **पेड़, तरु**		नीर	– **जल, अंबु**	
ईश्वर	– **प्रभु, भगवान**		गोविंद	– **ईश्वर, भगवान**	

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार लिखिए–

उत्तर–

i. कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय।
या खाए बौराय जग, वा पाए बौराय।। **यमक अलंकार**

ii. तट तमाल तरुवर बहु छाए। **अनुप्रास अलंकार**

iii. मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों। **रूपक अलंकार**

iv. चारू चंद्र की चंचल किरणें। **अनुप्रास अलंकार**

(ङ) अनुप्रास, यमक तथा श्लेष अलंकारों में उदाहरण देकर अंतर स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– अनुप्रास अलंकार में एक वर्ण बार-बार आता है। जैसे—

रघुपतिराघव राजा राम यहाँ 'र' वर्ण बार-बार आया है अत: अनुप्रास अलंकार है।
यमक अलंकार में एक शब्द बार-बार आता है और हर बार उसका अर्थ भी अलग-अलग होता है। वहाँ यमक अलंकार होता है। जैसे—काली घटा का घमंड घटा। यहाँ इस पंक्ति में घटा शब्द दो बार आया है और दोनों शब्दों के अर्थ भी अलग-अलग हैं।

1. घटा बदलों की घटा
2. घटा कम होना अत: यहाँ यमक अलंकार है।

जब एक शब्द एक ही बार प्रयुक्त होता है। परंतु उसके अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं वहाँ श्लेषालंकार होता है। जैसे— भिखारी को देख पट देत बार-बार।
यहाँ पर पट शब्द के दो अर्थ हैं—

1. वस्त्र 2. दरवाजा,

अत: यहाँ श्लेषालंकार है।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **मनुष्य द्वारा किए जाने वाले पाँच ऐसे कार्य लिखिए, जिससे उसका चरित्र उत्तम बनता हो–**

उत्तर–

1. सत्यनिष्ठा और सदाचार उत्तम चरित्र का निर्माण करते हैं।
2. नैतिक चरित्र का निर्माण व्यक्ति के कर्मों से होता है।
3. नैतिक रूप से अच्छे दीक्षांत समारोह से कार्य करने चाहिए।
4. सद्गुणों के विकास के माध्यम से अच्छे की ओर प्रवृत्त होना चाहिए।
5. अच्छे चरित्र वाले व्यक्ति की आदतें, कार्य और व्यवहार संबंधी सभी समानताएँ होती हैं।

कल्पना की उड़ान

- **हमें गरीबों व असहायों की सहायता क्यों करनी चाहिए? बताइए।**

उत्तर– हमें गरीबों व असहायों की मदद करनी चाहिए। गरीब लोगों की मदद करके हम उन्हें विलासितापूर्ण नहीं बना सकते हैं। लेकिन कम-से-कम उनके जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं ताकि वे एक समृद्ध जीवन जी सके। दूसरों की मदद करना एक नेकी है। जो धर्म की स्थापना में भी मदद करता है। गरीबों की मदद करने से खुद के मन को भी संतुष्टि मिलती है। अपनेपन की भावना आती है और आपका आत्मविश्वास बढ़ता है।

खेलकर सीखें

- **भारत के निम्नांकित कवियों व कवयित्रियों के चित्रों को पहचानकर इनके नाम लिखिए–**

उत्तर–

जवाहरलाल नेहरू

महादेवी वर्मा

रवींद्रनाथ टैगोर

मीराबाई

8. मधुर भाषण (लेख)

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. भाषा के द्वारा हमारे ज्ञान और अनुभव की रक्षा होती है।
2. मनुष्य आदर का पात्र अपनी मधुर वाणी से बनाता है।
3. लोग अशिष्टाचारी लोगों से हृदय खोलकर बात करने से डरते हैं।
4. व्यापारिक बातचीत शिष्ट होनी चाहिए।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. **भाषा** मनुष्य का विशेष अधिकार है।
2. वचनों का माधुर्य **हृदय-द्वार** खोलने की कुंजी है।
3. वार्तालाप की **शिष्टता** मनुष्य को **आदर** का पात्र बनाती है।
4. शिष्टाचार **वाणी** का भी होता है और **व्यवहार** का भी।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) पंच-महाभूत को 2. (a) मान
3. (b) सज्जनोति व्यवहार 4. (d) लेखक

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– **1. वचनों का माधुर्य हृदय-द्वार खोलने की कुंजी है।**

वचनों की मधुरता ही हमारे वचनों को दूसरों के हृदय तक पहुँचाती है कटु वचन को सुनकर भी कोई सुनना पसंद नहीं करता परंतु मधुर वचन किसी के भी हृदय में अपना स्थान बना लेते हैं।

2. भाव को प्रभावशाली भाषा में व्यक्त कर देना ही साहित्य है।

अपनी भावना को दूसरों को प्रभावित कर देने वाली भाषा में लिखना या व्यक्त करना ही साहित्य है जिसे पढ़कर पाठक लिखने वाले की भावना को समझ लेता है। वही सच्चा साहित्य होता है।

3. वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का पात्र बनाती है।

यदि किसी भी मनुष्य के वचनों में शिष्टता और मधुरता होगी तो वह समाज में आदर का पात्र स्वयं ही बन जाता है। वह दूसरों से अपनी शिष्टता के कारण समाज में आदर, सम्मान प्राप्त करता है।

4. शब्दों का जादू बड़ा जबरदस्त होता है।

कहा जाता है कि शब्दों का जादू बड़ा जबरदस्त होता है यह वाक्य सत्य भी है क्योंकि बातों से ही हम सबके मित्र बन जाते हैं और बातों से ही हम बड़े से बड़े शत्रु भी बन जाते हैं। एक ही शब्द यदि कटु वाणी में बोला जाए तो वह

अप्रिय बना देता है, और वही शब्द यदि मधुर वाणी में बोला जाए तो सभी का प्रिय बना देता है।

(ङ) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

कोयल ..... लेत।।

उत्तर– भाव– प्रस्तुत पंक्तियों में तुलसीदास जी कहते हैं कि कोयल किसी को कुछ भी नहीं देती है और कौआ किसी से कुछ भी नहीं लेता है, परंतु कोयल अपनी मीठी वाणी से सभी को अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। जबकि कौए की कटु वाणी को कोई भी सुनना पसंद नहीं करता है।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर–

1. भाषा के कारण ही मनुष्य अन्य जीवों की अपेक्षा उत्तरोत्तर उन्नति करता चला जा रहा है वह अपनी बुद्धि और भाषा के सहारे ही अधिक सबल बन गया है। उसने पंच-महाभूत को अपने वश में कर लिया है यह सब भाषा द्वारा सहकारिता के बल पर ही हो सका है। भाषा द्वारा हमारे ज्ञान और अनुभव की रक्षा होती है। भाषा के द्वारा ही मनुष्य की सामाजिकता कायम है अत: भाषा का मनुष्य के जीवन में बहुत महत्व है।
2. एक ही बात को हम कर्णकटु और मधुर दोनों ही रूपों में कह सकते हैं।
3. वचनों का माधुर्य हृदय-द्वार खोलने की कुंजी है।
4. भाव को प्रभावशाली भाषा में व्यक्त कर देना ही साहित्य है।
5. जो मनुष्य किसी गलतफहमी को दूर कर रूठे हुए मित्र को मना लेता है वही सच्चा साहित्यिक है।
6. किसी मनुष्य को समाज में सफल बनने के लिए वार्तालाप की शिष्टता की सबसे अधिक आवश्यकता होती है।
7. किसी बात या काम के लिए इनकार करते समय शिष्टता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, इनकार करने में अधिकार और अभिमान की गंध नहीं आनी चाहिए परायेपन का भाव नहीं आने देना चाहिए। इनकार करते समय खेद प्रकट करना शिष्टाचार की माँग है। अत: इनकार करते समय खेद अवश्य ही प्रकट करना चाहिए।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्न तालिका को प्रत्ययों तथा उपसर्गों द्वारा पूर्ण कीजिए–

उत्तर–

शब्द	**उपसर्ग**	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
उदारता	—	**उदार**	**ता**
मलिनता	—	**मलिन**	**ता**
आत्मीय	—	**आत्म**	**ईय**
द्रवित	—	**द्रव**	**इत**
अभिमान	**अभि**	**मान**	—
सबल	**स**	**बल**	—

मधुरता	—	**मधुर**	**ता**
शिष्टता	—	**शिष्ट**	**ता**

(ख) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए–

उत्तर– 1. शब्दों में जादू नहीं होता। (विधानवाचक वाक्य)

शब्दों में जादू होता है।

2. रवि पुस्तक पढ़ता है। (आज्ञावाचक वाक्य)

रवि पुस्तक पढ़ो।

3. शिष्टता मनुष्य को आदर का पात्र बनाती है। (प्रश्नवाचक वाक्य)

क्या शिष्टता मनुष्य को आदर का पात्र बनाती है?

(ग) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर–

सूर्योदय	=	**सूर्य**	+	**उदय**
भाग्योदय	=	**भाग्य**	+	**उदय**
सज्जनोचित	=	**सज्जन**	+	**उचित**
सिंहासन	=	**सिंह**	+	**आसन**
पर्वतारोहण	=	**पर्वत**	+	**आरोहण**
वार्तालाप	=	**वार्ता**	+	**अलाप**

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से समुच्चयबोधक शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर– 1. और 2. किंतु

3. या 4. क्योंकि

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारक बताइए–

उत्तर– 1. के 2. का 3. पर 4. से

(च) निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

उत्तर–

निर्भीक	**निर्भीकता**	वीर	**वीरता**	स्वामी	**स्वामित्व**
दुष्ट	**दुष्टता**	कटु	**कटुता**	मृदु	**मृदुता**

(छ) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

शिविर	सभी बच्चे अपने **शिविर** में चले गए।
नरभक्षी	शेर एक **नरभक्षी** जानवर है।
पगडंडी	ये **पगडंडी** सीधी नहीं है।
हाँका	किसान ने बैलगाड़ी में बैलों को **हाँका**।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **भारत की राजभाषा 'हिंदी' के महत्व पर कुछ पंक्तियाँ लिखिए–**

उत्तर– एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषण और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ-साथ विश्व की संभवत: सबसे

वैज्ञानिक भाषा है जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं।

कल्पना की उड़ान

- **नीचे कुछ अक्षर दिए गए हैं। उन्हें उलट-फेर कर देखें आप कितने शब्द बना सकते हैं। ध्यान रखिए कि आपको चार, तीन और दो अक्षरों के शब्द बनाने हैं।**

उत्तर–

वि	रा	ई
म	वा	न
आ	तु	क
च	ज्ञा	त

विरान ईरान चतुराई

आज्ञा आराम आवाम

ज्ञान आम

खेलकर सीखें

पक्षियों के निम्नांकित चित्रों को देखिए और बताइए कि इनमें से कौन-सा चित्र कोयल का है? यह भी बताइए कि यदि आप पक्षी होते तो उड़कर कहाँ जाना पसंद करते?

उत्तर–

कोयल

शेष विद्यार्थी स्वयं करें।

9. वस्तु का मूल्य

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर–

1. राजा जौनपुर मे रहता था और वह धनवान था।
2. राजा के पास सबसे पहले दूसरे राज्य का मंत्री आया तब राजा ने सोचा—''महज एक मंत्री के लिए स्वर्ण पात्र क्यों निकालूँ? किसी बड़े आदमी के सामने निकालूँगा।''
3. राजा के बेटे ने स्वर्ण पात्र नौकरों को और सामान रखने के लिए दे दिया।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर–

1. **जौनपुर** में एक धनवान राजा रहता था।
2. भिखारी को दान देने के लिए मैं **स्वर्णपात्र** निकाल लेता हूँ।
3. वर्षों से पड़े रहने के कारण वह **गंदा** हो गया।
4. हमें **मूल्य** या **महत्व** की दृष्टि से मूल्यवान चीज़ों का यथा अवसर उपयोग कर लेना चाहिए।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (c) धनवान व्यक्ति का 2. (a) प्राचीन स्वर्ण पात्र को
3. (a) कृपया मुझे कुछ दान दें 4. (d) अपनी बेटी की

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. राजा ने प्राचीन स्वर्ण पात्र को संभाल कर रखा हुआ था। वह सोचता था कि जब उचित समय आएगा या कोई बड़ा आदमी आएगा तब उसे निकालूँगा।
2. राजा ने स्वर्ण पात्र किसी को भी नहीं दिया।
3. राजा ने अपने गले से एक कीमती मोतियों की माला और एक अँगूठी उस भिखारी को दान में दे दी।
4. राजा की मृत्यु के बाद महल की साफ-सफाई की गई और उस कमरे को भी साफ किया गया जहाँ वो स्वर्ण पात्र रखा हुआ था। सफाई के बाद राजा के बेटे ने उसमें से काम की चीजें निकालकर रख ली और वह पात्र व अन्य सामान नौकरों को रखने के लिए दे दिया।
5. इस पाठ से यह शिक्षा मिलती है कि मूल्य या महत्व की दृष्टि से मूल्यवान चीजों का यथा अवसर उपयोग कर लेना चाहिए। उन्हें बचाए रखने का लोभ व्यक्ति को उसके उपयोग से वंचित कर देता है। इतना ही नहीं उन चीजों के गलत हाथों में जाने की आशंका भी रहती है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों में से समानार्थक शब्दों के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–

पुरस्कार	—	**इनाम ✓**	ईमान	इलाज
रात	—	**निशा ✓**	निशी	निद्रा
पात्र	—	**बरतन ✓**	पत्र	पत्ता
कहानी	—	कविता	**कथा ✓**	साहित्य
उम्मीद	—	निराशा	उपेक्षा	**आशा ✓**
छात्र	—	**विद्यार्थी ✓**	लड़का	खिलाड़ी
पुत्र	—	बेटी	**बेटा ✓**	पोता

(ख) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

उत्तर–

धनवान	**धनवानों**	पात्र	**पात्रों**
संत	**संतों**	राज्य	**राज्यों**
दिनों	**दिन**	आभूषणों	**आभूषण**

(ग) उचित क्रियाविशेषण से वाक्य पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. राजा के चेहरे पर **अब** घबराहट थी।
2. कहानी पढ़ते ही राजा **खुशी से** उछल पड़ा।
3. राजा **दिन-रात** मेहनत करता था।
4. अपना काम कभी **कल** पर नहीं छोड़ना चाहिए।

(घ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम-शब्द लिखिए–

उत्तर–

स्वर्ण	**रजत**	बेटा	**बेटी**
धनवान	**निर्धन**	संस्कार	**कुसंस्कार**
संत	**गृहस्थ**	सफाई	**गंदगी**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों को लिंग के अनुसार अलग-अलग करके लिखिए–

उत्तर– पुल्लिंग — **राजा, मंत्री, भिखारी, पात्र, मोतियों, संस्कार**

स्त्रीलिंग — **बेटी, नौकरानी, अँगूठी, शादी, सफाई, रानी**

(च) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

राजा	=	**नृप,**	**नरेश**	आदमी	=	**नर,**	**मानव**
संत	=	**योगी,**	**महात्मा**	धन	=	**लक्ष्मी,**	**दौलत**
भोजन	=	**आहार,**	**खाना**	शरीर	=	**देह,**	**काया**
बेटी	=	**सुता,**	**कन्या**	आनंद	=	**प्रसन्नता,**	**खुशी**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **अपने अध्यापक/माता-पिता की सहायता से सोने के विभिन्न आभूषणों के नाम की सूची बनाइए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **नीचे दिए गए संकेतों के आधार पर वर्ग-पहेली हल कीजिए—**

1. आ	स्ति	2. क		3. स	4. चि	वा	ल	5. य
म		थ		फ	र			की
6. र	ज	नी	7. च	र		8. उ	9. हा	न
ण			म		10. भ	च	थी	
	11. व्य		त्का		गि	च		12. सि
13. यु	क्ति		14. र	15. ज	नी		16. छा	ता
		17. त		न		18. मी	ता	र
		ड़ि		तं		रा		
19. ज	ग	त		20. त्र	स्त		21. त	म

खेलकर सीखें

- **निम्नलिखित शब्दों के वर्णों को सही क्रम में रखकर धातुओं के नाम लिखिए–**

उत्तर–

नासो	लतपी	नमप्लैटि	स्ताज	यमनिमिऐल्यु
सोना	**पीतल**	**प्लैटिनम**	**जस्ता**	**ऐल्युमीनियम**

10. हमारी सभ्यता और संस्कृति

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर–

1. सभ्यता वह गुण है, जिससे मनुष्य अपनी बाहरी तरक्की करता है। संस्कृति वह गुण है जिससे मनुष्य अपनी भीतरी उन्नति करता है।
2. जब मनुष्य खेती करने लगा, मकान बनाने लगा, वस्त्र पहनने लगा, तब वह असभ्यता से निकलकर सभ्यता में आया।
3. सभ्य व्यक्ति की संस्कृति ऊँची समझी जाती है।
4. हमारी संस्कृति बहुत विशाल और उदार हो गई है।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर–

1. **संस्कृति** और **सभ्यता** ये दोनों दो शब्द हैं और इनके मायने भी अलग-अलग हैं।
2. इस हालत को मनुष्य की **असभ्यता** की हालत कहते हैं।
3. **संस्कृति** वह गुण है जो हममें छिपा हुआ है।
4. संस्कृति का काम आदमी के **दोष** को कम करना है।
5. संस्कृति का स्वभाव है कि वह **आदान-प्रदान** से बढ़ती है।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर–

1. (b) सभ्यता
2. (c) छह
3. (a) व्यक्ति के दोष कम करना
4. (d) महात्मा बुद्ध व महावीर

(घ) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर–

1. संस्कृति का काम आदमी के दोष को कम करना और उसके गुणों को बढ़ाना है।
2. आदमी भी एक तरह से जानवर ही है।
3. पशुत्व को छोड़कर वह जितना आगे बढ़ता है, उसकी संस्कृति भी उतनी ही अच्छी होती जाती है।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर–

1. असभ्यता की हालत में मानव को घर बनाना नहीं आता था; वह पेड़ की छाया या पहाड़ की खोह में वास करता था; उसे खेती करना भी नहीं आता था और वह कंद-मूल या जंगली जीवों का गोश्त खाकर गुजारा करता था; उसे कपड़ा बुनना भी नहीं आता था; वह या तो नंगा रहता था या पेड़ों की छाल या जानवरों की खाल पहनकर अपनी लाज छिपाता था।
2. सभ्यता मनुष्य का वह गुण है, जिससे वह अपनी बाहरी तरक्की करता है। आज रेलगाड़ी, मोटर और हवाई जहाज, लंबी-चौड़ी सडकें और बड़े-बड़े मकान अच्छा भोजन और अच्छी पोशाक, ये सभ्यता की पहचान हैं और जिस देश में इनकी जितनी ही अधिकता है उस देश को हम उतना ही सभ्य मानते हैं।

3. संस्कृति वह गुण है जो हममें छिपा हुआ है। संस्कृति का काम मानव के दोषों को कम करना है और उसके गुणों को बढ़ाना है संस्कृति बहुत ही सूक्ष्म और महीन है जो हमारी प्रत्येक पसंद और आदत में छिपी हुई है। प्रत्येक सभ्य मानव सुसंस्कृत कहलाता है। संस्कृति धन नहीं गुण है संस्कृति कोई ठाट-बाट नहीं है। वह तो विनय और विनम्रता है। हमारे रहन-सहन की कला ही हमारी संस्कृति है।
4. आदमी के अंदर छिपे विकार प्रकृति ने दिए हैं। ये विकार अगर बेरोक छोड़ दिए जाएँ तो आदमी इतना गिर जाएगा कि उसमें और जानवर में कोई भेद नहीं रह जाएगा। इसलिए आदमी इन विकारों पर रोक लगाता है और कोशिश करता है कि उसमें विकारों को बढ़ना नहीं, घटना चाहिए।
5. संस्कृति का स्वभाव है कि वह आदान-प्रदान से बढ़ती है। जब दो देशों या जातियों के लोग आपस में मिलते हैं तब उन दोनों की संस्कृतियाँ एक-दूसरे को प्रभावित करती हैं। एक जाति का धार्मिक रिवाज दूसरी जाति का रिवाज बन जाता है और एक देश की आदत दूसरे देश के लोगों की आदत में समा जाती है।
6. भारतीय संस्कृति का जब-जब किसी विदेशी संस्कृति से मिलन हुआ, तब-तब हमारी संस्कृति में एक नई ताजगी आ गई।

व्याकरण-ज्ञान

(क) ऐसे ही पाँच शब्द पाठ में से छाँटकर लिखिए–

उत्तर– खिलाफ तबियत तरक्की गुजारा पोशाक

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

सभ्य	=	**असभ्य**	उन्नति	=	**अवनति**	अच्छा	=	**बुरा**
गुण	=	**दोष**	बाहरी	=	**भीतरी**	धार्मिक	=	**अधार्मिक**
पशुत्व	=	**मानवत्व**	नई	=	**पुरानी**	असभ्यता	=	**सभ्यता**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

उत्तर–

सभ्यता	=	**सभ्यताएँ**	कविता	=	**कविताएँ**	मूर्ति	=	**मूर्तियाँ**
योग्यता	=	**योग्यताएँ**	पहाड़ी	=	**पहाड़ियाँ**	जानवरों	=	**जानवर**
सड़कें	=	**सड़क**	देशों	=	**देश**			

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर– 1. वह हममें 2. इन 3. उन्होंने 4. हमारी 5. यह

(ङ) निम्न उदाहरण के अनुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए–

उत्तर– **उदाहरण**— परिश्रम से काम सफल होता है।

परिश्रम से काम को सफल बनाया जा सकता है।

(क) संस्कृति आदान-प्रदान से बढ़ती है।

संस्कृति से आदान-प्रदान को बढ़ाया जा सकता है।

(ख) व्यायाम से स्वास्थ्य अच्छा होता है।

व्यायाम से स्वास्थ्य को अच्छा बनाया जा सकता है।

(ग) अभ्यास से विद्या बढ़ती है।

अभ्यास से विद्या को बढ़ाया जा सकता है।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **हमारी संस्कृति किन उपायों से और अधिक उन्नत अवस्था में पहुँच सकती है? लिखिए–**

उत्तर– हमारी संस्कृति अनेक उपायों से और अधिक उन्नत अवस्था में पहुँच सकती है। हमें चाहिए कि हम अपनी सांस्कृतिक धरोहरों; जैसे— मंदिर, किले आदि की अच्छी तरह देखभाल करें और उनके विषय में दूसरों को विस्तार से बताएँ। हमें अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व होना चाहिए और हमें इसमें समय के साथ उत्पन्न हुई कुरूतियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। हमें ये भी चाहिए कि हम उन सभी चेष्टाओं का पूर्णरूपेण बहिष्कार करे जो किसी-न-किसी रूप में हमारी संस्कृति को संदूषित करने का प्रयास कर रही हैं।

कल्पना की उड़ान

- **क्या अब मनुष्य पहले की तुलना में अधिक सभ्य हो गया है? उदाहरण देकर अपनी बात को स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **बौद्ध, जैन, सिख व ईसाई धर्म के संस्थापकों के चित्र चिपकाकर उनके नाम लिखिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

11. गणितज्ञ-ज्योतिषी आर्यभट

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर–
1. देश-विदेश के विद्यार्थी विशेष अध्ययन के लिए नालंदा और पाटलिपुत्र आते थे।
2. आर्यभट का जन्म अश्मक जनपद में हुआ था।
3. आर्यभट गोदावरी तट क्षेत्र के अश्मक में पैदा होने के कारण आश्मकाचार्य के नाम से प्रसिद्ध हुए।
4. आर्य भटीय पुस्तक के चार भाग हैं—दशगीतिका, गणित, काल क्रिया और गोल।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. पाटलिपुत्र को कई लोग **कुसुमपुर** कहते थे।

2. वस्तुत: वह एक **वेधशाला** थी।
3. पृथ्वी की छाया जब **चन्द्र** पर पड़ती है तो **चन्द्रग्रहण** होता है।
4. आर्यभटीय में कुल **121** श्लोक हैं।
5. आर्यभट, प्राचीन भारतीय विज्ञान का सबसे **चमकीला सितारा** था।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) कुसुमपुर 2. (b) चंद्रग्रहण
3. (c) 121 4. (a) 19 अप्रैल, 1975 को

(घ) दिए गए वाक्यांशों का उचित मिलान करके वाक्य पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. (iv) 2. (v)
3. (i) 4. (iii)
5. (vi) 6. (ii)

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. आर्यभट दक्षिणापथ में गोदावरी तटक्षेत्र के अश्मक जनपद में पैदा हुए थे। इसलिए बाद में वे आश्मकाचार्य के नाम से प्रसिद्ध हुए।

2. गंगा, सोन और गंडक नदियों के संगम की ओर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। क्योंकि उस दिन अपराह्न में सूर्य ग्रहण लगने वाला था।

3. प्राचीन काल में यह प्रचारित था कि ''जब राहु नाम का राक्षस सूर्य को निगल जाता है, तब ग्रहण लगता है। ग्रहण के समय उपवास रखना चाहिए, खूब दान-पुण्य करना चाहिए। तभी इस राक्षस के चंगुल से सूर्य देवता को मुक्ति मिलती है।''

4. तरुण आर्यभट ने सूर्य-चंद्र ग्रहण संबंधी नई व्याख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि, ''पृथ्वी की छाया जब चन्द्रमा पर पड़ती है, तो चंद्र ग्रहण होता है। इस प्रकार चन्द्रमा जब पृथ्वी और सूर्य के बीच में आता है और वह सूर्य को ढक लेता है, तब सूर्य ग्रहण होता है।

5. इस प्रश्न का उत्तर आर्यभट ने इस प्रकार दिया ''समझ लो कि नदी में एक नाव है और वह धारा के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। तब उसमें बैठा हुआ आदमी किनारे की स्थिर वस्तुओं को उलटी दिशा में जाता हुआ अनुभव करता है, उसी तरह आकाश के तारों की बात है। पृथ्वी अपनी धुरी पर पश्चिम से पूर्व की ओर घूमती है और इसके साथ हम भी घूमते रहते हैं, इसलिए आकाश में स्थित तारामंडल हमें पूर्व से पश्चिम की ओर जाता जान पड़ता है। वस्तुत: तारामंडल स्थिर है और पृथ्वी अपनी धुरी पर चक्कर लगाती है।''

6. ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में संसार को प्राचीन भारत की सबसे बड़ी देन है कि शून्य सहित केवल दस अंक संकेतों से ही संख्याओं को व्यक्त करना। इस दाशमिक स्थानमान अंक-पद्धति की खोज आर्यभट से तीन-चार सदियों पहले हो चुकी थी। आर्यभट इस नई अंक-पद्धति से परिचित थे। उन्होंने अपने ग्रंथ के आरंभ

में वृंद (1,00,00,00,000) अर्थात् अरब तक की दशगुणोत्तर संख्या-संज्ञाएँ देकर दिखाया है कि इनमें प्रत्येक स्थान अपने पिछले स्थान से दस गुणा है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए–

उत्तर–

भारतीय = **भारत** + **ईय**	विश्वविद्यालयीय = **विश्वविद्यालय** + **ईय**		
रमणीय = **रमण** + **ईय**	राष्ट्रीय = **राष्ट्र** + **ईय**		
कथनीय = **कथन** + **ईय**	रविवारीय = **रविवार** + **ईय**		

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

पहला = **अंतिम**	नगर = **गाँव**	फूल = **काँटे**
सवेरे = **शाम**	दिन = **रात**	धरती = **आकाश**
सही = **गलत**	दूर = **पास**	ज़्यादा = **कम**
देवता = **राक्षस**	धनी = **निर्धन**	अंधकार = **प्रकाश**

(ग) कोष्ठक में लिखे पद-भेदों में से सही पद-रूप लिखकर निम्नलिखित वाक्यों को पूरा कीजिए–

उत्तर–

1. क्या **तुम** तैर सकते हो?
2. पृथ्वी अपनी धुरी पर **घूमती** है।
3. उसने बड़ी **वीरता** से काम किया।
4. गाड़ी **तीव्रता से** आगे बढ़ रही है।
5. **लंबे-चौड़े** आँगन में ताँबे और पीतल के यंत्र रखे हुए थे।

(घ) निम्नलिखित जातिवाचक शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए–

उत्तर–

पिता = **पितृत्व**	स्वस्थ = **स्वास्थ्य**	मित्र = **मैत्री/मित्रता**
पंडित = **पांडित्य**	मनुष्य = **मनुष्यता**	पात्र = **पात्रता**

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों को उचित कारक चिह्नों की सहायता से पूरा कीजिए–

उत्तर–

1. देशवासियों **ने** आर्यभट को लगभग भुला ही दिया था।
2. आर्यभटीय **में** कुल 121 श्लोक हैं।
3. आर्यभट पौराणिक मान्यताओं **को** आँख मूँदकर मानने वाले नहीं थे।
4. आर्यभट अश्मक जनपद **में** पैदा हुए थे।
5. विद्यार्थी विशेष अध्ययन **के लिए** नालंदा आते थे।
6. उन्होंने अपनी कलम **से** इस ग्रंथ की रचना की।

(च) निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

बाग = **उपवन**	**बगीचा**	**वाटिका**
फूल = **पुष्प**	**सुमन**	**कुसुम**
सूर्य = **रवि**	**भानु**	**भास्कर**
धरती = **भू**	**भूमि**	**धरा**
नदी = **सरिता**	**सरि**	**तरंगिणि**
नाव = **नौका**	**तरणी**	**उड़प**
आकाश = **अम्बर**	**व्योम**	**नभ**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **आर्यभट उपग्रह के बाद भारत में और कौन-कौन से उपग्रह अंतरिक्ष में छोड़े हैं? एक सूची तैयार कीजिए–**

उत्तर— भास्कर-1, रोहिणी आर-1, रोहिणी आरएसडी-1, भास्कर-2, रोहिणी आरएस डी-2, इंसेट-1 A, विस्तारिक रोहिणी उपग्रह शृंखला (एसआर ओएसएस-1), इंसेट-1 C, इंसेट-1 D, आईआरएस-1 B, इंसेट-2 DT, इंसेट-2 A, इंसेट-2 B, आईआरएस-1 E, आईआरएस-P2, इंसेट-2 C, आईआरएस-P 3, इंसेट-2 D, इंसेट 2 E, ओसन सेट-1 (आईआरएस-4 P), इंसेट-3 B, जीएसटी-1, इंसेट-3 C, कल्पना-1 (मेट सेट), इंसेट-3 A, जीएसटी-2, इंसेट-3 E, एडूसेट, हैमसेट, इंसेट-4 A, इंसेट-4 C, इंसेट-4 B, इंसेट-4 CR, IMS-1 (तीसरी दुनिया का उपग्रह-TWSAT), चंद्रयान-1, रीसेट-2, अनुसेट, जीसेट-4, जीसेट-5 पी, ओबलिक इंसेट-4 D, जीसेट-R/इंसेट-4 G, जीसेट-12, आईआरएनएस-1 A, जीसेट-7, चंद्रयान-2, मंगलयान, चंद्रयान-3, आदित्य-L1।

कल्पना की उड़ान

- **धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य ग्रहण व चंद्र ग्रहण पड़ने के लिए राहु-केतु जिम्मेदार हैं। इन दो ग्रहों की सूर्य व चंद्रमा से दुश्मनी बताई जाती है।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

आइए, कुछ करें

- **इन वैज्ञानिकों के चित्र पहचानकर उनके नाम लिखिए। इनमें से किसी एक वैज्ञानिक के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए और रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर–

चंदशेखर वेकंट रमन

अब्दुल कलाम आजाद

विक्रम साराभाई

डा० होमी जहाँगीर भामा

सत्येंद्र नाथ बोस

मेघनाद साहा

डा० विशवेशवरैया

वेंकट रमण राधाकृष्णन

अब्दुल कलाम

जन्म तिथि — **15 अक्टूबर, 1931** जन्म स्थान — **धनुषकोडी गाँव रामेश्वरम् तमिलनाडु**

पिता— **जैनुल्लाब्दीन** माता—**असीम्मा**

शिक्षा— **मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई।**

प्रमुख उपलब्धियाँ — **इंजीनियर वैज्ञानिक, लेखक, प्रोफेसर, राजनीतिज्ञ**

पुरस्कार— **पद्म भूषण, पद्म विभूषण, भारत रत्न आदि।**

12. सूर्य-ग्रहण

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण और वरुण।

2. सबसे बड़े ग्रह का नाम बृहस्पति।

3. सूरज से हमें ऊर्जा मिलती है।

लिखित प्रश्न

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– भाव– 1. कवि के अनुसार अध्यापक बच्चों को समझाते हुए कहते हैं कि ऊपर नीले आकाश में देखो सारे ग्रह लगातार रात-दिन हमेशा बिना रुके दौड़-दौड़ कर सूरज के चक्कर लगाते रहते हैं।

2. अध्यापक बच्चों को समझाते हुए आगे कहते हैं कि पृथ्वी भी सूर्य का चक्कर निरंतर लगाते रहने के नियम से बँधी हुई है और चंद्रमा पृथ्वी का उपग्रह है। जो पृथ्वी का चक्कर लगाता है। इसी कारण पृथ्वी चंद्रमा को अपने साथ लेकर सूर्य के चक्कर लगाती है।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) सूर्य-ग्रहण की 2. (a) सारे ग्रह

3. (d) सूर्य 4. (b) अपने

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच में आकर सूर्य को ढक लेता है और चाँद की छाया सूर्य पर पड़ती है तब सूर्य ग्रहण होता है।

2. गुरु जी बच्चों को सूर्य के सभी ग्रहों का ठौर-ठिकाना ढूँढ़ने के लिए बोलते हैं।

3. सारे ग्रह आकाश में रहते हैं और सूरज के चक्कर लगाते हैं।

4. पृथ्वी सूरज के चक्कर लगाने के नियम से बँधी है और चंद्रदेव भी धरती माँ के साथ लगातार चक्कर लगाते हैं।

5. सूर्य-ग्रहण को जानना कठिन नहीं है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) विशेषण के नीचे रेखा खींचकर नया वाक्य बनाइए–

उत्तर– 1. वह एक बड़ा जहाज है। 2. एक पुराना मंदिर भी था।
3. यह पानी ठंडा है। 4. यह नकली पेड़ है।

(ख) निम्नलिखित को उदाहरण के अनुसार लिखिए–

उत्तर– 1. धरती के वासी 2. गंगा का जल 3. ग्रह के वासी
4. गगन के वासी 5. पृथ्वी के वासी 6. ईश्वर के भक्त

(ग) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– 1. ठिकाना = साधुओं का कोई **ठिकाना** नहीं होता है।
2. गगन = पक्षी **गगन** में उड़ रहे हैं।
3. चंद्रदेव = प्रत्येक **27** दिन के पश्चात् **चंद्रदेव** अदृश्य हो जाते हैं।
4. ग्रहण = **ग्रहण** दो प्रकार के होते हैं।
5. कठिन = मेहनत से **कठिन** कार्य भी सरल हो जाते हैं।

(घ) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

सुर्य	=	**सूर्य**	गुरूवर	=	**गुरुवर**	अवीरल	= **अविरल**
मां	=	**माँ**	ढूँढ़ना	=	**ढूँढ़ना**	चँदा	= **चंदा**
ठोर	=	**ठौर**	उपग्रह	=	**उपग्रह**		

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **पता लगाइए कि सूर्य-ग्रहण सदैव अमावस्या के दिन ही क्यों पड़ता है। क्या आपके अनुसार प्रत्येक अमावस्या को सूर्य ग्रहण पड़ता है? यदि ऐसा नहीं है, तो इसके लिए कारण दीजिए–**

उत्तर– खगोलीय स्थिति के अनुसार अमावस्या की स्थिति तब बनती है। जब सूर्य का प्रकाश चंद्रमा पर जिस तरफ पड़ रहा है। उस समय चाँद के दूसरी ओर हम यानि पृथ्वी होती है। अब यदि चंद्रमा पर पड़ने वाले सूर्य के प्रकाश के उल्टी तरफ हम होते हैं, तो हमें चंद्रमा का अंधेरे वाला भाग दिखाई देता है और उजाले वाला भाग नहीं दिखता है। हम कहते हैं कि यह अमावस्या की स्थिति है। यहाँ यह ध्यान में रखना आवश्यक है कि पृथ्वी और सूर्य ठीक एक रेखा पर स्थित नहीं हैं। अत: जब एक लंबे अंतराल के पश्चात् चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के ठीक मध्य आ जाता है तो वह सूर्य को ढक लेता है। इसी स्थिति को हम सूर्यग्रहण कहते हैं। प्रत्येक अमावस्या को सूर्यग्रहण इसलिए नहीं पड़ता है, क्योंकि पृथ्वी और चंद्रमा अपनी अलग-अलग गति से घूम रहे हैं। और ये दोनों सूर्य के समक्ष एक सीधी रेखा में बहुत कम आते हैं।

कल्पना की उड़ान

- **हमारे सौरमंडल के दिए गए चित्र में विभिन्न ग्रहों को पहचानिए। विचार कीजिए और बताइए कि सौर-मंडल का सबसे बड़ा ग्रह 'बृहस्पति' हमारी पृथ्वी से कितना बड़ा है और इसमें कितनी पृथ्वियाँ समाहित हो सकती हैं।**

उत्तर– सौरमंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति का व्यास पृथ्वी के व्यास से ग्यारह गुणा

अधिक है। उसका आयतन पृथ्वी के आयतन का 1300 गुना अधिक है। इसका अर्थ यह है कि बृहस्पति इतना बड़ा है कि इसमें लगभग 1300 पृथ्वियाँ समाहित हो सकती हैं।

खेलकर सीखें

- **प्रमुख अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए। आप इसके लिए पुस्तकों, पत्रिकाओं और इंटरनेट की सहायता ले सकते हैं।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

13. श्रम ही पुण्य

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. दानी सेठ अपनी लाज छिपाने के लिए नगर छोड़कर चले गए।
2. गरीबी में भी दानी सेठ दान करने से पीछे नहीं हटते थे।
3. संपन्नता के दिनों का दानी सेठ का पुण्य तीन सिक्कों के बराबर निकला।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. उन्हें लोग **दानी सेठ** कहने लगे थे।
2. धीरे-धीरे सारा **व्यापार** चौपट हो गया।
3. **अपना** पुण्य बेचने में **कंजूसी** कर रहे हो।
4. एक **भिखारी** आ गया।
5. सच्चा **पुण्य** तो **श्रम** से ही मिलता है।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) श्रम से 2. (a) व्यापार में 3. (a) मजदूरी
4. (d) जिसकी दानी सेठ ने मुसीबत के समय मदद की थी।

(घ) किसने, किससे कहा?

उत्तर– (क) **सेठानी** ने **सेठ** से
(ख) **सेठ** ने **नगर वासियों** से
(ग) **नगर सेठ** ने **दानी सेठ** से
(घ) **नगर सेठ** ने **दानी सेठ** से
(ङ) **नगर सेठ** ने **दानी सेठ** से

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. 'दानी सेठ' एक दयालु व्यक्ति थे वे जितना कमाते थे उससे ज्यादा दान कर देते थे।

2. सेठानी ने कहा कि "इस नगर का सेठ तो आपका परिचित है। उसने आपसे लाखों रुपये कमाए हैं। क्या वह मुसीबत के इन दिनों में हमारी मदद नहीं करेगा? आप उसके पास जाकर तो देखिए?"
3. दानी सेठ ने नगर के लोगों से थोड़ा-सा धन माँगा, क्योंकि वह व्यापार शुरू करना चाहता था।
4. दानी सेठ को मजदूरी में चार मुट्ठी अनाज मिला और उसने वह अनाज एक भिखारी को दे दिया।
5. सच्चा पुण्य श्रम से मिलता है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

ज्यादा = **कम**	नुकसान = **फायदा**	मुश्किल = **सरल**
परिचित = **अपरिचित**	जीवन = **मृत्यु**	बुराई = **भलाई**
आदर = **निरादर**	दानी = **कंजूस**	

(ख) निम्नलिखित वाक्यों का शुद्ध रूप लिखिए–

उत्तर–
1. सेठ को दान देना अच्छा लगता था।
2. उसका व्यापार में घाटा हो गया था।
3. नगर का सेठ बहुत धनी था।
4. सेठानी बहुत तेज थी।
5. सेठ मुसीबत में सबकी मदद करता था।

(ग) निम्नलिखित पंक्ति में उचित विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए–

उत्तर– दानी सेठ बोला, अच्छा मित्रों धन्यवाद! "अब तुम लोग भी अपना काम कर लो, हम अपने नगर को चलते हैं।"

(घ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

उत्तर–

प्रतिदिन होने वाला = **दैनिक**	जो सब जगह हो = **सर्वव्यापक**	
जिसमें बल न हो = **निर्बल**	भाषण देने वाला = **वक्ता**	
जो बहुत कीमती हो = **बहुमूल्य**	जिसका अंत न हो = **अनंत**	

(ङ) निम्नलिखित शब्दों का अर्थ वाक्य-प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए–

उत्तर–
1. आदी = शंकर घूमने का **आदी** है
   आदि = मुझे रामायण, महाभारत **आदि** ग्रन्थ अच्छे लगते हैं।
2. अंदर = बंदर छत से कूद कर घर के **अंदर** आ गया।
   अंतर = **अंत**रात्मा में ईश्वर का निवास होता है।
3. दिन = **दिन** के बाद रात और रात के बाद दिन अवश्य होता है।
   दीन = **दीन**-दुखियों की सहायता हमेशा करनी चाहिए।
4. अंत = प्रत्येक कहानी का **अंत** सुखांत होना चाहिए।
   अंत्य = कुछ लोग बहुत ही **अंत्य** किस्म के होते हैं।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **'श्रम का पुण्य' शीर्षक पर अपने शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए–**

उत्तर– श्रम ही सफलता का मूलमंत्र है। निरंतर परिश्रम ही किसी व्यक्ति, जाति या देश के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है— व्यक्ति की कर्म भावना उसे महान या क्षुद्र बनाती है। आलस्य और सुस्ती एक व्यक्ति के जीवन को अभिशाप देती है और केवल श्रम ही उस वरदान में बदल सकती है।

कल्पना की उड़ान

- **यदि आप दानी सेठ की जगह होते, तो व्यापार में घाटा होने पर आप क्या करते? बताइए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **अपने अभिभावक की सहायता से गाँव के मुख्य व्यवसायों के नाम पता कीजिए। दिए गए व्यवसायों के नाम लिखिए–**

उत्तर–

संगीतज्ञ

वैज्ञानिक

चित्रकारी

मछलीपालन

14. मैं सड़क हूँ

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. सड़क को अन्य रास्ता, पथ, पगडंडी, राह, मार्ग आदि नामों से जाना जाता है।
2. हम यदि दाईं ओर चलेंगें तो सामने से आ रहे वाहन से टकरा जाएँगे।
3. सड़क का सौंदर्य पेड़ है।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. चौराहे पर लगी **लाल** बत्ती रुकने का संकेत करती है।
2. जेब्रा लाइन **सफेद** व काली रंग की होती है।
3. मेरे किनारे हरे-भरे पेड़ लगाएँ तो मुझे **खुशी होगी**।
4. मेरी इच्छा है मुझ पर चलकर सभी **आराम** से अपनी मंजिल तक पहुँचे।
5. सड़क पर हमेशा **बाईं** ओर ही चलना चाहिए।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (d) (a) व (c) दोनों 2. (d) सफेद
3. (b) पथ 4. (c) लाल बत्ती

(घ) निम्नलिखित कथन के सामने सत्य अथवा असत्य लिखिए–

उत्तर– 1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य 5. सत्य।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर–
1. सड़क कंकड़, पत्थर, गिट्टी, मिट्टी तथा तारकोल आदि से बनाई जाती है।
2. सड़क पर चलते समय यातायात के नियमों का ध्यान रखना चाहिए।
3. लाल बत्ती रुकने का, पीली बत्ती चलने की तैयारी का तथा हरी बत्ती चलने का संकेत देती हैं।
4. हमें चौराहा हरी बत्ती का संकेत मिलने पर पार करना चाहिए।
5. जेब्रा लाइन सफेद और काले रंग की पट्टियों से बनी होती है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त शब्द-युग्म से कीजिए–

उत्तर–
1. सड़क लोगों, वाहनों और पशुओं आदि के **चलने-फिरने** के लिए होती है।
2. शहरों में **लंबी-चौड़ी** सड़क बनाई जाती है।
3. पहाड़ों पर चढ़ने का रास्ता **टेढ़ा-मेढ़ा** होता है।
4. विद्यालय के पास **कूड़ा-करकट** डालकर गंदगी नहीं करनी चाहिए।

(ख) निम्नलिखित शब्द-युग्मों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–
1. राम ने श्याम का **हाल-चाल** पूछा और अपने घर ले गया।
2. वृद्ध काकी माँ का **चलना-फिरना** मुश्किल था।
3. उपहार **नया-पुराना** नहीं होता वो तो सहर्ष स्वीकार करना चाहिए।
4. दो बस **आमने-सामने** से टकरा गईं।
5. शहरों में **लंबी-चौड़ी** सड़कें बनाईं जाती हैं।
6. सड़क पार करते समय **दाएँ-बाएँ** अवश्य ही देखना चाहिए।
7. पहाड़ों का रास्ता **टेढ़ा-मेढ़ा** बना था।
8. **कूड़ा-करकट** हमेशा निश्चित स्थान पर ही डालना चाहिए।

(ग) निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

सड़क	=	**पथ,**	**रास्ता,**	**मार्ग**
पेड़	=	**वृक्ष,**	**तरु,**	**पादप**
कूड़ा	=	**मैल,**	**झाड़न,**	**कतवार**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

शहरों	**ग्रामों**	लंबी	**छोटी**	चौड़ी	**संकरी**
इच्छा	**अनिच्छा**	हानि	**लाभ**	चलने	**रुकने**
दायाँ	**बायाँ**	आधी	**पूरी**	वहाँ	**यहाँ**
सावधानी	**असावधानी**				

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **यातायात के साधनों की सूची बनाइए व यातायात के लाभ लिखिए–**

उत्तर– आज के इस आधुनिक युग में यातायात के साधनों का अपना एक महत्वपूर्ण स्थान है। रेल, हवाई जहाज, पानी के जहाज, कार इत्यादि यातायात के साधन हैं। इन साधनों के कारण मानव का जीवन सरल व सुखमय बन पाया है। यातायात मानव के जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है।

कल्पना की उड़ान

- **आप बस में अपनी सीट पर बैठकर यात्रा कर रहे हैं, अन्य सभी लोग भी अपनी-अपनी सीट पर बैठे हैं परंतु एक वृद्ध व्यक्ति खड़ा होकर यात्रा कर रहा है। किसी भी व्यक्ति ने उसे बैठने के लिए अपनी सीट नहीं दी।**
- **ऐसी स्थिति में आप क्या करेंगे–**

उत्तर– (ग) स्वयं खड़े होकर उसे अपनी सीट पर बैठाएँगे।

खेलकर सीखें

- **सड़क पर लगे किन्हीं पाँच संकेत बोर्डों के चित्र देखकर उनसे मिलने वाली जानकारी लिखिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

15. खुशियों का खजाना

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. खुनखुनजी
2. सकारात्मक दृष्टिकोण
3. रचनाकार
4. चौथा सोपान

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. खुनखुनजी को हमेशा **चिन्ताएँ** परेशान करती हैं।
2. **संतुष्ट रहना**, खुशी पाने का दूसरा सोपान है।
3. **खुशियाँ** दूसरों के साथ बाँटना, खुशी पाने का **चौथा** सोपान है।
4. हममें से हर व्यक्ति के भीतर एक **रचनाकार** है।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (d) चिंताएँ
2. (a) खुशखुशजी
3. (c) संतुष्ट रहना
4. (b) असीम सुख

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर–

1. खुनखुनजी चिन्ताओं से परेशान तथा खुशखुशजी हमेशा अपने नाम की तरह खुश रहते थे।
2. चोट लगने पर भी खुशखुशजी दुखी नहीं हुए, क्योंकि वे चोट लगने की हानि नहीं उससे मिलने वाले लाभ गिनवा रहे थे।
3. खुशी पाने के लिए सबसे जरूरी है— सकारात्मक दृष्टिकोण को अपनाना। सकारात्मक दृष्टिकोण का अर्थ है हर दुख, कष्ट, परेशानी में भी कोई अच्छाई ढूँढ़ सकने की क्षमता।
4. खुशियाँ दूसरों के साथ बाँटना, खुशी पाने का चौथा सोपान है। जैसे ज्ञान देने से कभी नहीं घटता, वैसे ही खुशियाँ बाँटने से कभी कम नहीं होती।
5. आत्म-निरीक्षण करना खुशी पाने का सातवाँ सोपान है। स्वयं से बातें करके हम न केवल अपना विश्लेषण कर सकते हैं बल्कि उन बातों को दोहरा भी सकते हैं जिनसे हमने खुशी पाई थी। ऐसे क्षणों में हम दिवा-स्वप्न भी देख सकते हैं। सपनों को पालने के सुख का अलग आनंद है और जब हम सपने देखेंगे तभी तो उन्हें पूरा करने की कोशिश भी करेंगे।
6. यह पाठ हमें संदेश देता है कि हम भी परोपकार की नीति अपनाकर दूसरों को खुशियाँ बाँटे और सबकी खुशियों से खुश होकर अपने जीवन को भी खुशियों से भर लें।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित समानार्थक शब्दों का उचित मिलान कीजिए–

उत्तर–

1. (iii)	2. (v)
3. (ii)	4. (i)
5. (vi)	6. (iv)

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

विकसित	= **अविकसित**	खुशी	= **उदासी**
सकारात्मक	= **नकारात्मक**	जिंदगी	= **मृत्यु**
निराशा	= **आशा**	संतुष्ट	= **असंतुष्ट**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए–

उत्तर–

बच्चा	= **बच्चे**	खजाना	= **खजाने**
चिंता	= **चिंताएँ**	खुशी	= **खुशियाँ**
सड़क	= **सड़कें**	छलाँग	= **छलाँगें**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर–

दास्तान	= **कहानी**	क्षमता	= **सामर्थ्य**
लोकप्रिय	= **सभी का प्रिय**	राह	= **रास्ता**

स्वयं = **अपने आप/खुद** गौरव = **यश**

सोपान = **सीढ़ी** सहानुभूति = **दया भाव**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों में से सही शब्द पर गोला (◯) बनाइए–

उत्तर–

(उज्जवल)	उज्ज्वल	उज्वल
(आशीर्वाद)	आर्शिवाद	आर्शीवाद
कृपिया	(कृपया)	कृप्या
सन्यासी	संयासी	(संन्यासी)
कवित्रि	(कवयित्री)	कवयीत्रि
(नमस्कार)	नमश्कार	नमसकार

(च) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

उत्तर– 1. परोपकारी 2. सुखांत 3. आत्मविश्वास 4. मृदुभाषी
5. प्राकृतिक 6. खुशहाल 7. सहपाठी

(छ) निम्नलिखित वाक्यों में अकर्मक तथा सकर्मक क्रिया पहचानकर लिखिए–

उत्तर– 1. प्रज्ञा सो रही है। **अकर्मक** 2. वैभव ने पुरस्कार जीता। **सकर्मक**
3. पानी पीओ। **सकर्मक** 4. कल मैंने सिनेमा देखा। **सकर्मक**
5. मेरे साथ तुम भी चलो। **अकर्मक**

(ज) निम्नलिखित वाक्यों को उचित कारक-चिह्नों द्वारा पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. उन्हें स्वास्थ्य **की** चिंता होती।
2. खुशखुशजी **ने** छलाँग लगाई और बच्चे **को** बचा लिया।
3. खुशी पाने **के लिए** सबसे जरूरी है सकारात्मक दृष्टिकोण।
4. क्षमता बढ़ाना खुशियों **को** पाने **का** तीसरा सोपान है।
5. सपनों **को** पालने **के** सुख **का** अलग आनंद है।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **पाठ में दिए गए पात्र खुनखुनजी और खुशखुशजी में से आप किसे पसंद करेंगे और क्यों? अपने शब्दों में लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **यदि आपको अपने स्कूल में अपने सहपाठी का पेन पड़ा हुआ मिलता है, जो बहुत महँगा व सुंदर है और आपको भी बहुत पसंद है। आप उस पेन का क्या करेंगे–**

उत्तर– **(घ)** आप उसे अपने सहपाठी को दे देंगे।

खेलकर सीखें

- **मनोरंजन के निम्नलिखित साधनों के चित्र चिपकाइए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

16. झाँसी की रानी

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. बूढ़े भारत में।
2. शिवाजी की गाथाएँ याद थीं।
3. राज्य हड़पने के विषय में सोचकर प्रसन्न हुआ।
4. देश पर मर मिटने की सीख सिखाई।

लिखित प्रश्न

(ख) कविता की निम्नलिखित पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. कानपुर **के नाना की मुँहबोली बहन 'छबीली'** थी,
लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी।
नाथ **के संग पढ़ती थी वह, नाना के संग खेली थी,**
बरछी, **ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही, सहेली थी।**

2. रानी **गई सिधार, चिता अब उसकी दिव्य सवारी थी,**
मिला तेज से तेज, तेज की वह सच्ची अधिकारी थी।
अभी **उम्र कुल तेइस की थी, मनुज नहीं अवतारी** थी,
हमको जीवित करने आई बन स्वतंत्रता नारी थी।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) लक्ष्मीबाई को
2. (d) नाना साहब
3. (a) भवानी को
4. (c) सुभद्रा कुमारी चौहान

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए–

उत्तर– सिंहासन हिल उठे ..... सबने मन में ठानी थी।

संदर्भ – प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिंदी पाठ्य पुस्तक **ज्ञान भारती** के **सुभद्रा कुमारी चौहान** द्वारा रचित **झाँसी की रानी** नामक पाठ से ली गईं हैं।

प्रसंग – प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री ने उस समय का वर्णन किया है जब भारत में सर्वत्र आजादी की लहर बह चली थी।

व्याख्या – अंग्रेजों के अत्याचारों से आहत हुए भारत में जब चारों ओर से स्वतंत्रता की माँग हुई तब राजवंशों ने अंग्रेजों पर दृष्टि टेढ़ी कर ली। उन्होंने ''आराम त्याग दिया, अपने सिंहासन छोड़ दिए सभी एक जुट हो आजादी की माँग करने लगे। उस समय ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मानों वर्षों से सोते हुए बूढ़े भारत में चेतना रूपी नई जवानी का प्रारम्भ हो गया हो, जो आजादी अंग्रेजी सैन्य बलों के अत्याचारों से कहीं गुम हो गई थी उस आजादी की कीमत अब सब ने पहचान ली थी। पूरे भारत ने यह मन में ठान लिया था कि इन फिरंगियों (अंग्रेजों) को यहाँ से दूर भगा देना है।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. लक्ष्मीबाई झाँसी की रानी थी।

2. रानी लक्ष्मीबाई और लेफ्टिनेंट वॉकर का युद्ध झाँसी के मैदान में हुआ था। वॉकर घायल होकर मैदान थोड़कर भाग गया था।

3. लक्ष्मीबाई की तरह हमें भी कभी मुसीबतों को देखकर घबराना नहीं चाहिए वरन् जीवन में आने वाले संकटों का साहस और वीरता के साथ डट कर मुकाबला करना चाहिए।

4. मर्दानी, छबीली, भवानी, सिंहनी, अवतारी।

5. कवयित्री ने लक्ष्मीबाई के लिए 'मर्दानी' विशेषण का प्रयोग इसलिए किया है क्योंकि पुरुषों की तरह पुरुष सैन्य बल पर लक्ष्मीबाई ही थी जो निडरता से टूट पड़ी थी। उन्होंने स्त्री होकर भी पुरुषों के समान साहस दिखाया था इसी कारण उन्हें 'मर्दानी' झाँसी वाली रानी नाम दिया गया।

व्याकरण-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

बूढ़े	=	**बच्चे**	आई	=	**गई**	नकली	=	**असली**
नई	=	**पुरानी**	आजादी	=	**गुलामी**	राजमहल	=	**झोपड़ी**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के गलत पर्यायवाची शब्दों पर (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–

1. भारत	=	हिंदुस्तान	आर्यावर्त	भरत ✓
2. तलवार	=	असि	ढाल ✓	खड्ग
3. पिता	=	भर्ता ✓	जनक	बाप

(ग) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– 1. दुर्ग = रानी को **दुर्ग** तोड़ना खेल लगता था।

2. वीरता = मेरे दादा जी प्रतिदिन **वीरता** की कहानियाँ सुनाया करते थे।

3. आह्वान = सैनिकों ने युद्ध से पूर्व माँ दुर्गा का **आह्वान** किया।

4. तत्काल = **तत्काल** भारतीय सैनिकों ने दुश्मन सेना पर हमला बोल दिया।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **लक्ष्मीबाई का बचपन आपके बचपन से कैसे भिन्न था? सोचकर कम-से-कम तीन अंतर लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **रानी लक्ष्मी ने 1857 की क्रांति में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी अपने अध्यापक/अध्यापिका से इस क्रांति के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए और इसमें भाग लेने वाले प्रमुख सेनानियों के नामों की सूची बनाइए–**

उत्तर– अहोरसाह, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई, नाना साहब, बेगम हजरत महल, कुँवर सिंह,

मोलवी, अहमदुल्लतान, अमर सिंह, तात्याँ टोपे, मंगल पांडे, जनरल बख्त खान आदि।

इस विद्रोह का समाचार आग की तरह आस-पास के क्षेत्रों में फैला। सैनिकों का जगह-जगह स्वागत किया गया। आम जनता ने इस विद्रोह में सहायता की। जगह-जगह सैनिक छावनियों में विद्रोह हुआ।

4 जून, 1857 को अवध की बेगम हजरत महल ने लखनऊ में इस विद्रोह का नेतृत्व किया। अवध के जमींदारों, किसानों और सैनिकों ने उसकी मदद की। 5 जून, 1857 को कानपुर में विद्रोह हुआ, जिसका नेतृत्व नाना साहब ने किया। तात्याँ टोपे और अजीमुल्ला खाँ ने इस विद्रोह को संगठित किया। कानपुर में सतीचौरा नामक स्थान पर सभी अंग्रेजों को परिवार सहित नौकाओं में बिठाकर गोली से भून दिया गया।

- **भारत के दिए गए रेखा मानचित्र में इस क्रांति के प्रमुख स्थानों यथा—झाँसी, कानपुर, ग्वालियर, दिल्ली, आगरा व लखनऊ को दर्शाइए-**

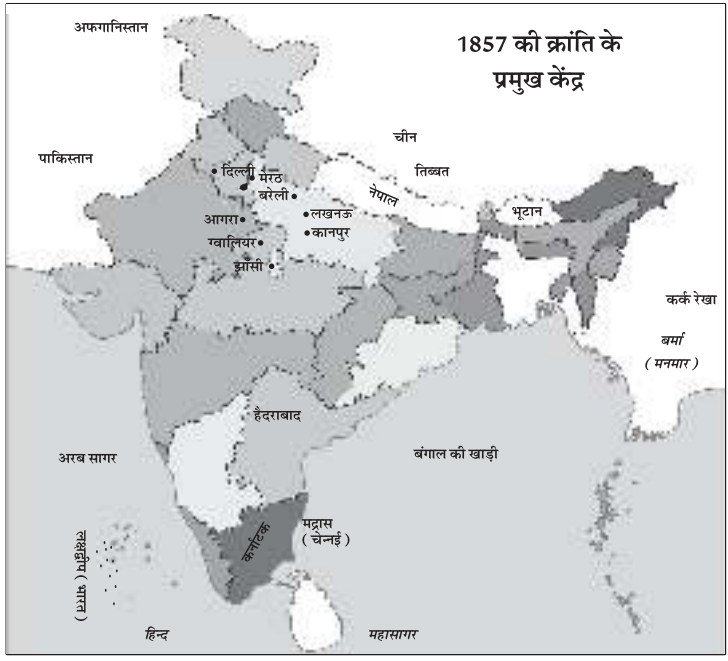

खेलकर सीखें

- **अपने अध्यापक से रानी लक्ष्मीबाई जैसी अन्य वीरांगनाओं के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए।**

  स्वयं कीजिए।

1. आया प्रभात

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. सभी दृश्य पल-पल क्रम से नए होते हैं।

2. प्रस्तुत कविता के रचयिता त्रिलोचन हैं।

लिखित प्रश्न

(ख) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. उसकी **छवि का नूतन विकास**
नव अलंकार अभिनव सुहास
दिग्दिक **व्यापी मंजुल सुवास**।

2. सज **गया धरातल अंबर** तल
हो गई दृष्टि की गति अपार।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) प्रकाश से

2. (a) रात-दिन

3. (c) सूर्य की किरणों की वर्षा

4. (a) मनोहर सुगंध

(घ) कविता से निम्नलिखित अर्थों वाली पंक्तियाँ पहचानकर लिखिए–

उत्तर– 1. जिसमें जीवन का लास-हास।

2. जिसमें भव की द्युति का प्रसार।

3. कंचन-वर्षा होती अविरल।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. प्रात:काल होने पर जीवन में नई उमंग भर गई है।

2. 'तन-मन तरल होने' का आशय है—सुनहरी किरणों में तन-मन का भीग जाना।

3. दिन और रात सौंदर्य में नहाए हुए हैं।

4. धरती पर अनेक ऋतुएँ होती हैं। अत: धरती को ऋतुमती अर्थात् ऋतुओं से युक्त कहा गया है।

5. 'परिवर्तन जीवन का नियम है', जिस प्रकार कविता में रात्रि के बाद प्रभात हुआ है और प्रभात होते ही प्रकृति में परिवर्तन होने शुरू हो गए हैं उसी प्रकार जीवन में भी दुख के बाद सुख और सुख के बाद दुख आता है।

6. प्रभात होने पर सभी दिशाओं में सुगंध फैल गई।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

आया	=	**गया**	प्रभात	=	**सायं**	प्रकाश	=	**अंधकार**
धरातल	=	**रसातल**	नया	=	**पुराना**	जीवन	=	**मरण**

(ख) दिए गए तत्सम-तद्भव शब्दों को उचित स्थान पर लिखिए–

उत्तर–

तत्सम शब्द	**तद्भव शब्द**
सौंदर्य	बारिश
नव	धरती
रात्रि	दिन
वर्षा	सूर्य

(ग) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार के स्थान पर नासिक्य ध्वनि (पंचम वर्ण) लिखिए–

उत्तर– अंबर **म्** अंक **ङ्** सुंदर **न्**
ठंडक **ण्** मंजन **ञ्** सुगंध **न्**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– सोना — **स्वर्ण, कंचन** पृथ्वी — **धरा, भू**
आकाश — **अंबर, आसमान** बिजली — **विद्युत, चपला**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– मछली — **म् + अ + छ् + अ + ल् + ई**
प्रभात — **प् + र् + अ + भ् + आ + त् + अ**
अभिनव — **अ + भ् + इ + न् + अ + व् + अ**

(च) निर्देशानुसार सर्वनाम से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. **वे** यहाँ कब पहुँचेंगे। 2. अपना गृहकार्य **स्वयं** करो।
3. दीवार पर **कुछ** चिपका है। 4. तुम लोग अब तक **क्या** कर रहे थे?
5. जिसकी पुस्तक है **उसे** बुलाओ।

(छ) रेखांकित शब्दों का संज्ञा-भेद लिखिए–

उत्तर–

हो गई **दृष्टि** की गति अपार	**भाववाचक संज्ञा**
आया **प्रभात** दिन और रात	**भाववाचक संज्ञा**
सौंदर्य-स्नात	**भाववाचक संज्ञा**
उसकी **छवि** का नूतन विकास	**भाववाचक संज्ञा**

(ज) कविता से कुछ अन्य भाववाचक संज्ञाएँ ढूँढ़कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखिए।

उत्तर– प्रकाश, गति, जीवन, प्रसार, दृश्य, परिवर्तन।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **विद्यार्थी अपने घर के सभी सदस्यों की सुबह की दिनचर्या को समय-तालिका में लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **यह समय आपके जीवन की प्रातः बेला है। जीवन की इस आरंभ-बेला में आप अपने लिए क्या-क्या योजनाएँ बनाएँगे? उनको पूरा करने के लिए आप क्या-क्या प्रयत्न करेंगे? बताइए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **किसी उद्यान या पार्क में सुबह और शाम के समय जाकर अवलोकन कीजिए कि दोनों समय के दृश्यों में क्या-क्या समानताएँ व असमानताएँ दिखाई देती हैं? अभ्यास पुस्तिका में लिखिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

2. चाँद खिलौना

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर–
1. राजकुमारी के लिए सोने का चाँद बनवाकर जोकर लाया।
2. राजकुमारी ने चाँद के खिलौने को जंजीर में डालकर गले में लटका लिया।
3. राजा को चिंता खाए जा रही थी कि जब राजकुमारी खिड़की से चाँद देखेगी तो सोचेगी पिता ने उससे झूठा वादा किया था।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर–
1. एक बार **राजकुमारी** बीमार पड़ गई।
2. मैं उससे **खेलूँगी** तो मेरी **तबियत** ठीक हो जाएगी।
3. राजा के दरबार में बहुत से **योग्य** व्यक्ति थे।
4. मैं कल तक **राजकुमारी** के लिए **चाँद खिलौना** ले आऊँगा।
5. जब मेरा एक **दाँत** टूट जाता है तो दूसरा **निकल** आता है।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर–
1. (a) बीमार पड़ गई
2. (c) एक चाँद
3. (b) जोकर ने
4. (b) अपने अँगूठे के नाखून जितना

(घ) किसने, किससे कहा?

उत्तर–
1. **राजकुमारी** ने, **राजा** से।
2. **राजा** ने, **राजकुमारी** से।
3. **राजा** ने, **प्रधानमंत्री** से।
4. **राजा** ने, **खजांची** से।
5. **जोकर** ने, **राजा** से।
6. **राजकुमारी** ने, **जोकर** से।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर–

1. राजा इसलिए उदास था क्योंकि बीमार राजकुमारी की हालत में किसी भी प्रकार का सुधार नहीं हो रहा था।
2. राजा ने प्रधानमंत्री, प्रधान सेनापति, खजांची और जोकर को बुलाकर उनसे चाँद लाने के लिए कहा।
3. जोकर ने राजकुमारी से पूछा, बताओ चाँद कितना बड़ा है, किस चीज का बना है और कितनी ऊँचाई पर है।
4. राजकुमारी ने जोकर को बताया, चाँद मेरे अँगूठे के नाखून के बराबर है, सोने का बना है, और पेड़ के बराबर ऊँचाई पर है।
5. जोकर और राजा ने योजना बनाई कि सुनार से एक सोने का चाँद बनवाकर राजकुमारी को दे दिया जाए।
6. सोने का बना चाँद पाकर राजकुमारी की तबियत ठीक हो गई।
7. राजा को यह चिंता खाए जा रही थी कि जब राजकुमारी खिड़की से चाँद देखेगी तो सोचेगी कि उसके पिता ने उससे झूठा वादा किया था।
8. अंत में जोकर ने राजकुमारी से सवाल किया, ''अच्छा राजकुमारी, जरा यह तो बताओ कि जब चाँद तुम्हारे गले में लटका है तो फिर आसमान में कैसे निकल आया।'' राजकुमारी ने हँसकर उत्तर दिया, ''तुम मूर्ख हो। जब मेरा एक दाँत टूट जाता है तो दूसरा निकल आता है। उसी तरह दूसरा चाँद निकला है।''

व्याकरण–ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– प्यार = **नफरत** मूर्ख = **चतुर** योग्य = **अयोग्य**
ऊँचाई = **निचाई** प्रबंध = **कुप्रबंध** झूठा = **सच्चा**

(ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार और अनुनासिक लगाकर लिखिए–

उत्तर– प्रबध = **प्रबंध** आख = **आँख** चाद = **चाँद**
जजीर = **जंजीर** प्रधानमत्री = **प्रधानमंत्री** दात = **दाँत**

(ग) 'न' और 'नहीं' का प्रयोग करते हुए वाक्य लिखिए–

उत्तर– मुझे मना करने की आदत **नहीं** है।
तुम यहाँ **न** आना।
ये फूल **न** तोड़ना।
मुझे तुम्हारा अहसान **नहीं** चाहिए।
जो आज हुआ, वह आगे **नहीं** होना चाहिए।
अभी **नहीं**, लेकिन जल्दी ला दूँगा।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में करण कारक और अपादान कारक की पहचान कीजिए–

उत्तर– 1. अपादान 2. करण 3. करण 4. करण 5. करण

(ङ) इसी प्रकार नीचे लिखे अंगों से संबंधित मुहावरे लिखिए–

उत्तर–

आँख	**आँख लगना**	दाँत	**दाँत खट्टे करना**
होंठ	**होंठों पर लाली छाना**	कान	**कान खड़े होना (लज्जित होना)**
सिर	**सिर पर उठाना**	पैर	**पैर उखड़ जाना**
उँगली	**उँगली उठाना**		

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **चंद्रमा पर एक अनुच्छेद लिखिए–**

उत्तर– चन्द्रमा पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह है। चाँद की पृथ्वी से दूरी तकरीबन 3,48,000 किलोमीटर है। इसका व्यास पृथ्वी के व्यास से एक चौथाई है। यह सौरमंडल का पाँचवां सबसे बड़ा उपग्रह है। इसकी सतह का गुरुत्वाकर्षण 0.1654 ग्राम पृथ्वी का लगभग छठा हिस्सा है। चन्द्रमा को पृथ्वी की परिक्रमा करने में 27.3 दिनों का समय लगता है। चन्द्रमा का आकार पृथ्वी के आकार का केवल 27% ही है।

कल्पना की उड़ान

- **दिए गए बॉक्स में चंद्रमा की विभिन्न आकृतियों के चित्र बनाइए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **दिए गए बॉक्स में आकाश में दिखाई देने वाली वस्तुओं के चित्र चिपकाकर उनके नाम लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खोजे-जाने

- **चाँद पर अब तक कौन-कौन गए हैं? उनके बारे में पता कीजिए।**

उत्तर– चाँद पर अब तक जाने वाले एस्ट्रोनॉट्स इस प्रकार हैं—नील आर्मस्ट्रांग, एडविन ''बज'' एल्ड्रिन, चार्ल्स ''पीट'' कॉमराड, एलनबीन, एलन बी० शेपर्ड जूनियर, एडगर डी० मिशेल, डेविड आर० स्कॉट, जेम्स बी० इरविन, जॉन डब्ल्यू० यंग, चार्ल्स एम० डयूक, यूजीन सर्नन, हैरिसन एच० श्मिट।

3. पिता का न्याय

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. राजकुमारी केशनी के पिता ने उसके विवाह की घोषणा करवाई।

2. ऋषिकुमार सुंधवा विवाह उद्देश्य से केशनी के समक्ष उपस्थित हुआ।
3. विरोचन के पिता ने विरोचन और सुंधवा में से सुंधवा को श्रेष्ठ बताया।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. पांचाल देश की राजकुमारी **केशनी** रूप और गुण में **अद्‌वितीय** थी।
2. मैं **सांसारिक** सुखों के लिए विवाह नहीं कर रही हूँ।
3. **विरोचन** और **सुंधवा** दोनों में विवाद होने लगा।
4. विरोचन के पिता स्वयं **ज्ञानी** थे।
5. विरोचन, **सुंधवा** का कथन ही सत्य है।

(ग) किसने, किससे कहा?

उत्तर– 1. **केशनी** ने, **विरोचन** से। 2. **सुंधवा** ने **विरोचन** से।

(घ) निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– **1. धन नाशवान ..... नहीं है।**

भाव– उपर्युक्त पंक्तियों का आशय है कि धन नाश होने वाली वस्तु है। अत: हमें ऐसी वस्तु को इकट्‌ठा नहीं करना चाहिए जो नष्ट होने वाली हो। बल्कि हमें ऐसी वस्तु का संग्रह करना चाहिए जो कभी नष्ट न हो और ऐसी वस्तु ज्ञान के अलावा और कोई नहीं है।

2. आप राजा ..... होती है।

भाव– प्रस्तुत पंक्तियों में जब विरोचन ने सुंधवा को अपने बराबर में बैठने को कहा, तो सुंधवा बोला, दो समान व्यक्ति ही एक-दूसरे के बराबर में बैठ सकते हैं और मुझमें और आपमें कोई समानता नहीं है। क्योंकि आप एक राजा हैं और मैं एक मामूली-सा ऋषि पुत्र हूँ। आपके पास बहुत सारी धन संपदा है और मेरे पास विद्‌या के अलावा कुछ भी नहीं है।

(ङ) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) देश-विदेश में 2. (b) आत्मा के ज्ञान को प्रधानता देगी
3. (b) दानवों का सम्राट 4. (d) ऋषि-पुत्र

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. पांचाल देश की राजकुमारी रूप तथा गुण में अद्‌वितीय थी।
2. ऋषिकुमार सुंधवा से केशनी ने विवाह करने का निश्चय इसलिए किया क्योंकि सुंधवा को आत्मज्ञान था।
3. केशनी और सुंधवा के विवाह की बात पर सभी को आश्चर्य इसलिए हुआ क्योंकि केशनी एक राजकुमारी थी और सुंधवा एक निर्धन ऋषिकुमार था।
4. केशनी ने विरोचन के सामने शर्त रखी कि वाद-विवाद में आप दोनों (सुंधवा और विरोचन) में जो विजयी होगा, मैं उसी के साथ विवाह करूँगी, पर जो हार जाएगा, उसे दूसरे के चरण पखारने पड़ेंगे।

5. सुंधवा के साथ विवाह की बात सुनकर विरोचन ने केशनी से कहा, ''राजकुमारी, मैंने सुना है कि तुम ऋषिकुमार सुंधवा के साथ विवाह करने जा रही हो। उसके साथ विवाह करने से तुम्हें कौन-सा सुख मिलेगा। वह तो निर्धन है। तुम मुझसे विवाह कर लो। मेरे साथ विवाह करने से तुम्हें अपार सुख प्राप्त होगा, तुम आजीवन सुखी रहोगी।''
6. विरोचन इसलिए जल्दी पहुँच गया क्योंकि वह तीव्रगामी घोड़ों वाले रथ पर आया था और सुंधवा को पहुँचने में देर इसलिए हो गई क्योंकि वह पैदल चलकर आया था।
7. वाद-विवाद में विरोचन धन को महत्व दे रहा था और सुंधवा ज्ञान को महत्व दे रहा था।
8. विरोचन के पिता की दृष्टि में विरोचन और सुंधवा में से सुंधवा श्रेष्ठ था। वे पुत्र-मोह के कारण निर्णय नहीं ले पा रहे थे।
9. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि धन तो धीरे-धीरे खत्म हो जाता है परंतु ज्ञान रूपी धन कभी भी खत्म नहीं होता है अत: हमें ज्ञान-रूपी धन इकट्ठा करने का प्रयत्न करना चाहिए।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

उत्तर- तीव्र = **मन्द** विनाश = **निर्माण** देश = **विदेश**
निश्चित = **अनिश्चित** पिता = **माता** पुत्री = **पुत्र**
निर्धन = **धनी** उत्तर = **प्रश्न** दानव = **देव**
राजा = **रंक**

(ख) निम्नलिखित उपसर्गों से बने दो-दो शब्द लिखिए-

उत्तर- अ — **अद्वितीय** **अविश्वास**
वि — **विदेश** **विज्ञान**
नि: — **निश्चय** **नि:संदेह**
आ — **आजीवन** **आमरण**

(ग) निम्नलिखित समस्तपदों का समास-भेद पहचानिए-

उत्तर- 1. ऋषिकुमार — **तत्पुरुष समास**
2. वाद-विवाद — **द्वंद्व समास**
3. रूप-गुण — **द्वंद्व समास**
4. घुड़सवार — **तत्पुरुष समास**
5. राजभवन — **तत्पुरुष समास**
6. आदर-सत्कार — **द्वंद्व समास**
7. धन-संपदा — **द्वंद्व समास**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

उत्तर- विवाह = **शादी**, **पाणिग्रहण**

धन	=	**रुपया**,	**मुद्रा**
निर्धन	=	**गरीब**,	**धनहीन**
सुंदर	=	**रमणीय**,	**सुरम्य**
मनुष्य	=	**मानव**,	**मनुज**
पति	=	**स्वामी**,	**नाथ**

(ङ) पाठ से तीनों प्रकार की दो-दो संज्ञाएँ ढूँढ़कर लिखिए–

उत्तर– व्यक्तिवाचक संज्ञा — **विरोचन, सुंधवा**

जातिवाचक संज्ञा — **राजकुमारी, देश**

भाववाचक संज्ञा — **ज्ञान, गुण**

(च) अब आप अर्थ लिखकर वाक्य द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए–

उत्तर–

1. दिन — गरमियों के **दिन** बड़े होते हैं।
   दीन — उस भिखारी की बड़ी ही **दीन** अवस्था थी।
2. अन्न — सुबह से **अन्न** का एक दाना भी मुँह में नहीं गया।
   अन्य — रमा प्रभा से बोली, फिल्मों के अलावा कोई **अन्य** बात करो।
3. कोश — मैंने एक हिंदी का शब्द-**कोश** खरीदा है।
   कोष — राज**कोष** में बहुत सारी स्वर्ण मुद्राएँ थीं।
4. कपट — रावण छल-**कपट** से सीताजी को ले गया।
   कपाट — ग्रहण पड़ने से पहले मंदिरों के **कपाट** बंद हो जाते हैं।
5. सुना — रोहित ने पूरा पाठ याद करके मुझे **सुना** दिया।
   सूना — बेटे के पढ़ने के लिए विदेश जाने पर दीपा का घर **सूना** हो गया।

(छ) निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

उत्तर—

ख्याति	=	राजकुमारी के रूप और गुण की **ख्याति** चारों तरफ फैल गई थी।
निर्धन	=	ऋषिकुमार बहुत **निर्धन** था।
तीव्रगामी	=	विरोचन के पास **तीव्रगामी** घोड़ों वाला एक रथ था।
निर्णायक	=	विरोचन ने अपने पिता को **निर्णायक** बनाए जाने पर अपनी सहमति दे दी।
शर्त	=	राजकुमारी की **शर्त** के अनुसार ऋषिकुमार से उसका विवाह हो गया।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **यदि आपको अवसर मिले तो आप धन पाना चाहेंगे या ज्ञान? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए सोचिए और लिखिए–**

उत्तर—स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **कल्पना करके बताइए कि यदि राजकुमारी का विवाह विरोचन के साथ होता तो क्या होता?**

उत्तर– यदि राजकुमारी का विवाह विरोचन के साथ होता तो वह अपनी इच्छानुसार ज्ञानी व्यक्ति से विवाह न कर पाती। क्योंकि विरोचन के पास केवल धन था ज्ञान नहीं। उसे ज्ञान की जानकारी नहीं थी और राजकुमारी केशनी ज्ञान को प्रधानता देना चाहती थी धन को नहीं।

खेलकर सीखें

- **दिए गए बॉक्स में पशुओं द्वारा खींचे जाने वाले वाहनों के चित्र चिपकाकर उनके नाम लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

4. छोटा जादूगर

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. छोटा जादूगर तमाशा पेट भरने के लिए दिखाता था।
2. छोटे जादूगर को जिम्मेदारी ने शीघ्र चतुर बना दिया।
3. छोटे जादूगर की जीविका खेल दिखाकर चलती थी।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. **कार्निवल** के मैदान में **बिजली** जगमगा रही थी।
2. हँसी और विनोद का **कलनाद** गूँज रहा था।
3. जादूगर तो बिलकुल **निकम्मा** है।
4. उसकी **वाणी** में कहीं बनावट न थी।
5. बालक को आवश्यकता ने कितना शीघ्र **चतुर** बना दिया।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) कार्निवल मैदान में 2. (a) छोटा जादूगर
3. (a) बीमार 4. (b) स्वाभिमान

(घ) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

उत्तर– 1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य
4. असत्य 5. सत्य 6. सत्य

(ङ) किसने, किससे कहा?

उत्तर– 1. **लेखक** ने **छोटे जादूगर** से 2. **छोटे जादूगर** ने **लेखक** से

3. **लेखक** ने **छोटे जादूगर** से 4. **लेखक की पत्नी** ने **छोटे जादूगर** से
5. **लेखक की पत्नी** ने **छोटे जादूगर** से 6. **लेखक** ने **छोटे जादूगर** से

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर–
1. कार्निवल के मैदान में लेखक को छोटा जादूगर मिला।
2. माँ की दवाई, पथ्य और अपना पेट भरने के लिए लड़का खेल दिखाता था।
3. लेखक की पत्नी से प्राप्त एक रुपए से लड़के ने अपनी माँ के लिए एक सूती कंबल खरीदा।
4. लेखक लड़के के साथ पहले शरबत की दुकान पर शरबत पीने तथा निशाना लगाने वाली दुकान पर गया। अंत में लड़के की झोपड़ी पर गया।
5. लेखक द्वारा 'लड़के' शब्द कहे जाने पर उस लड़के ने कहा ''छोटा जादूगर कहिए, यह मेरा नाम है; इसी से मेरी जीविका चलती है।'' इस प्रसंग से लड़के के स्वाभिमानी होने का पता चलता है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तर–
स्फूर्ति = **स् + फ् + ऊ + र् + त् + इ**
प्रगति = **प् + र् + अ + ग् + अ + त् + इ**
जादूगर = **ज् + आ + द् + ऊ + ग् + अ + र् + अ**
रुपया = **र् + उ + प् + अ + य् + आ**
समाप्त = **स् + अ + म् + आ + प् + त् + अ**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

उपयोगी	= **अनुपयोगी**	खड़ा	= **बैठा**	मोटी	= **पतली**
विषाद	= **हर्ष**	आकर्षित	= **अनाकर्षित**	विश्वास	= **अविश्वास**
बड़ा	= **छोटा**	अच्छा	= **बुरा**	मित्र	= **शत्रु**
स्वीकार	= **अस्वीकार**	प्रात:	= **सायं**	प्रसन्नता	= **अप्रसन्नता**

(ग) निम्नलिखित द्वित्व व्यंजनों से तीन-तीन शब्द बनाकर लिखिए–

उत्तर–

त्त	=	**छत्ता,**	**सत्ता,**	**पत्ता**
क्क	=	**मक्का,**	**चक्की,**	**पक्का**
प्प	=	**गोलगप्पा,**	**पप्पू,**	**चप्पू**
च्च	=	**बच्चा,**	**कच्चा,**	**सच्चा**
द्द	=	**गद्दा,**	**भद्दा,**	**उद्देश्य**

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य एवं विधेय छाँटकर लिखिए–

उत्तर–

	उद्देश्य	**विधेय**
1.	एक जादूगर	पास जाकर देखा तो वहाँ था।
2.	वह	स्वयं पत्ते फैलाकर खेल दिखाता।
3.	मैंने	खेल देखकर उसे एक रुपया दिया।
4.	वह	जब आया उसकी माँ मर चुकी थी।

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर– 1. उस 2. क्यों, तुमने, इसमें, क्या 3. तुम्हीं
4. वहाँ, वही 5. उससे

(च) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर दोबारा लिखिए–

उत्तर–

स्फूर्ति = **स्फूर्तिमान**	आवश्यक = **आवश्यकता**	लाभ = **लाभदायक**
बल = **बलवान**	प्रसन्न = **प्रसन्नता**	धैर्य = **धैर्यवान**
जाति = **जातिवाद**	रंग = **रंगीन**	बेल = **बेलदार**
ईमान = **ईमानदार**	अपमान = **अपमानित**	व्यग्र = **व्यग्रता**

(छ) निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

बिजली =	**विद्युत,**	**चपला,**	**दामिनी**
पंकज =	**कमल,**	**नीरज,**	**अंबुज**
वृक्ष =	**तरु,**	**पेड़,**	**विटप**
पक्षी =	**खग,**	**चिड़िया,**	**विहग**
पानी =	**जल,**	**नीर,**	**तोय**
आँख =	**नयन,**	**नेत्र,**	**लोचन**

(ज) अपूर्ण भूतकाल के पाँच वाक्य लिखिए–

उत्तर– 1. कल मैदान में प्रतियोगिता हो रही थी।
2. वहाँ भोजन बँट रहा था।
3. रमेश कल से पढ़ रहा था।
4. सरोवर पर हंस आ रहे थे।
5. वहाँ मोर नाच रहे थे।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **गरीबी अभिशाप कैसे है? इस विषय पर कुछ लाइनें लिखिए–**

उत्तर– गरीबी का अर्थ ऐसे लोगों से है, जो अपनी रोजी-रोटी के साधन के साथ रहने के लिए घर की व्यवस्था नहीं कर पाता है। गरीब लोग मजबूरी में पेट की खातिर पढ़ने-लिखने की उम्र में बच्चों को अपने साथ काम पर लगाते हैं। गरीबी किसी भी व्यक्ति या इंसान के लिए अत्यधिक निर्धन होने की स्थिति है। निर्धनता के कारण हैं—अत्यधिक जनसंख्या, जानलेवा और संक्रामक बीमारियाँ, प्राकृतिक आपदा, कम कृषि पैदावार, बेरोजगारी, जातिवाद आदि।

कल्पना की उड़ान

- **आपने किसी बच्चे को चाय की दुकान पर या अन्य जगह काम करते हुए देखा है? क्या बच्चों का इस प्रकार कार्य करना उचित है? इस विषय में आपके विचार क्या हैं? सोचिए और लिखिए–**

उत्तर– हमने प्राय: बच्चों को चाय की दुकान या अन्य जगहों पर काम करते हुए देखा है।

बच्चों का इस प्रकार कार्य करना उचित नहीं है। बच्चे को इस प्रकार के कार्य आर्थिक समस्याओं के कारण ही परिवार के लिए करने पड़ते हैं। इस कारण से बच्चा अपनी शिक्षा से भी वंचित रह जाता है और वह भविष्य में कुछ भी नहीं कर पाता। इस प्रकार के बच्चों को उचित शिक्षा देने के लिए सरकार ने पहल की है, हमें उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए तथा जितना भी संभव हो सके आर्थिक सहायता भी करनी चाहिए।

खेलकर सीखें

- **पच्चीस पैसे, पचास पैसे, एक रुपये, पाँच रुपये, दस रुपये और बीस रुपये के सिक्कों के चित्र चिपकाइए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

5. जैसी संगति बैठिए

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर–
1. गुणवान, चिंतनशील व सज्जन मनुष्यों की संगति में रहकर व्यक्ति में सद्वृत्तियाँ जाग्रत होने लगती हैं।
2. बालक जब सामाजिक जीवन में प्रवेश करता है, तब उसका मन कोमल व पवित्र होता है।
3. कुसंग का ज्वर बड़ा भयानक होता है।
4. सत्संगति समाज में सुख, शांति व रचनात्मकता को बढ़ावा देती है।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर–
1. **अरस्तू** ने मनुष्य को सामाजिक प्राणी कहा है।
2. बंगाल में एक **नन्ही बालिका** को भेड़िया उठा ले गया था।
3. **कुसंग** का **ज्वर** बड़ा भयानक होता है।
4. संगति के प्रति **सतर्क** रहना चाहिए।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) सामाजिक 2. (a) मातृभाषा
3. (c) वन अधिकारियों ने
4. (b) दया, परोपकार, साहस, विवेक आदि गुण आ जाते हैं।

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर–
1. मनुष्य को सामाजिक प्राणी इसलिए कहा जाता है क्योंकि मनुष्य समाज में ही जन्म लेता है, पलता और बढ़ता है। जिस प्रकार के लोगों के बीच वह रहता है उसी का प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभाव उस पर पड़ता है।

2. सत्संगति में रहने पर मनुष्य में सद्वृत्तियों का विकास संभव है।
3. बुरे लोगों के साथ से मनुष्य के अंदर भी बुरी आदतें पनपने लगती हैं।
4. हमें अच्छे लोगों के साथ इसलिए रहना चाहिए क्योंकि ऐसे लोगों के साथ से हमारे अंदर भी अच्छी आदतें आती हैं।
5. मित्र ऐसा होना चाहिए जिसके गुणों का न केवल हम मान करें, अपितु वे सबको लुभाने में समर्थ हों।
6. बंगाल में एक नन्ही बालिका को भेड़िया उठा ले गया था। कुछ वर्ष बाद वन-अधिकारियों ने उस बालिका को भेड़िए के शिकंजे से मुक्त कराया। परंतु इन कुछ वर्षों में वह बालिका भेड़ियों की भाँति चलना-फिरना, खाना तथा आवाज निकालना सीख गई थी। शुरू-शुरू में तो चिकित्सकों तथा मनोवैज्ञानिकों ने उसे आम मनुष्यों की भाँति रखने का प्रयास किया, परंतु अपने वातावरण के इस बदलाव से या अन्य कारणों से वह अधिक दिन तक जीवित नहीं रह पाई। इस प्रकार यह भेड़िया बालिका इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि मानव मन तथा व्यवहार को प्रभावित करता है।
7. 'सत्संगति सुगंध से भरपूर उपवन है।''—इस कथन का तात्पर्य यह है कि सत्संगति एक ऐसे बाग के समान है जिसमें रहकर मनुष्य के अंदर दया, परोपकार, साहस, विवेक आदि गुण ऐसे ही विकसित होते हैं जैसे किसी बाग में विभिन्न प्रकार के पुष्प खिलते हैं।
8. संगति के प्रति सतर्क रहना इसलिए आवश्यक है क्योंकि बुरी संगति में पड़कर हमारा आचार-व्यवहार बुरा हो जाता है और ये बुराई जीवन भर स्थाई रहती हैं।
9. इस पंक्ति का यह आशय है कि जिस प्रकार काजल की कोठरी में जाने पर न चाहते हुए भी कालिख लग ही जाती है उसी प्रकार कुसंगति से बुरी आदतें स्वत: ही आ जाती हैं।

व्याकरण-ज्ञान

(क) उचित स्थान पर अनुस्वार/अनुनासिक का प्रयोग कीजिए-

उत्तर-

जगल	=	**जंगल**	गभीर	=	**गंभीर**	कुसग	=	**कुसंग**
सदेह	=	**संदेह**	आख	=	**आँख**	अधकार	=	**अंधकार**
अधेरा	=	**अँधेरा**	कहा	=	**कहाँ**	अत्यत	=	**अत्यंत**
चदन	=	**चंदन**	बधन	=	**बंधन**	भाति	=	**भाँति**

(ख) 'न' और 'नहीं' का प्रयोग करते हुए दो-दो वाक्य लिखिए-

उत्तर- न जाने आज मोहन इतना उदास क्यों है।
किसी को बुरा न बोलो।
हमें बुरे लोगों की संगति नहीं करनी चाहिए।
अंधी के पास धन नहीं था।

(ग) 'ही' निपात का प्रयोग करते हुए दो वाक्य लिखिए-

उत्तर- सत्संगति सुगंध से भरपूर वह उपवन है, जिसकी कल्पना ही हमें तरो-ताजा कर देती है।

कुसंग से व्यक्ति व समाज, दोनों का ही अहित होता है।

(घ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

मनुष्य	=	**मानव**	असर	=	**प्रभाव**	शीघ्र	=	**जल्दी**
अंग	=	**भाग**	पवित्र	=	**पावन**	वर्ष	=	**साल**
सोना	=	**स्वर्ण**	संस्कार	=	**आचार-विचार**	अंधकार	=	**अँधेरा**
भयानक	=	**डरावना**						

(ङ) निम्नलिखित शब्दों में आए श, ष और स के उच्चारण पर ध्यान दीजिए–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

(च) 'चल, उठ, नाच, दौड़' क्रिया शब्दों का प्रयोग करके अकर्मक क्रिया के वाक्य बनाइए।

उत्तर–

चल	—	बच्चा **चल** रहा है।	उठ	—	बच्चा सोकर **उठ** गया।
नाच	—	भालू **नाच** रहा है।	दौड़	—	मोहन **दौड़** रहा है।

(छ) इत, इक, ता और ई प्रत्यय वाले शब्द पाठ में से छाँटकर लिखिए–

उत्तर– आकर्षित, प्रभावित, जीवित, दार्शनिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, रचनात्मकता, यूनानी, नन्ही, काणी, छोटी, विध्वंसकारी।

(ज) इसी प्रकार के आठ अन्य शब्द-युग्म लिखिए–

उत्तर–

याद	—	**दया**	जाता	—	**ताजा**	सहसा	—	**साहस**
नशा	—	**शान**	हरा	—	**राह**	सदा	—	**दास**
मरा	—	**राम**	मन	—	**नम**			

(झ) निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

उत्तर–

प्राणी = मनुष्य को सामाजिक **प्राणी** कहा गया है।

प्रभाव = वातावरण का सीधा **प्रभाव** मानव जीवन पर पड़ता है।

संसार = **संसार** में नकारात्मक प्रवृत्तियाँ सभी को शीघ्र आकर्षित करती हैं।

कुसंगत = **कुसंगत** का हमारे जीवन पर बुरा असर पड़ता है।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **अच्छी और बुरी आदतों पर एक कहानी स्वयं लिखने का प्रयास कीजिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **अच्छे और बुरे इंसान में क्या अंतर होता है? लिखिए–**

उत्तर– जो व्यक्ति अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए किसी को दुख देकर यदि अपने लिए खुशी ढूँढ़ता है, वह बुरा व्यक्ति है और इसके विपरीत जो स्वयं को तकलीफ देकर किसी का दुख दूर करने का प्रयत्न करता है। वह व्यक्ति अच्छा इंसान है अर्थात् जो सब के भले के लिए, सब को अच्छा लगे वह अच्छाई और जो किसी को दुख या हानिकर हो वह बुराई कहलाती है।

खेलकर सीखे

- **'संगति मनुष्य का जीवन ही बदल देती है।' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कीजिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

6. एक तिनका

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. कवि की आँखें लाल होकर दुखने लगीं।

2. प्रस्तुत कविता के रचयिता का नाम अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'।

लिखित प्रश्न

(ख) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. मैं **घमंडों में भरा** ऐंठा हुआ,
एक दिन जब था मुँडेर पर खड़ा।
आ **अचानक दूर से उड़ता हुआ,**
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा।

2. जब **किसी ढब से निकल तिनका गया,**
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।
ऐंठता **तू किसलिए इतना रहा,**
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) अहंकार 2. (c) रात 3. (c) अकड़ 4. (a) लोचन

(घ) निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए—

उत्तर– जब किसी ढब ..... बहुत तेरे लिए।

भावार्थ– जब कवि की आँख से तिनका उसे परेशान करके निकल गया तब उसकी समझ में आ गया कि वह इतना घमंड क्यों कर रहा था। उसका घमंड तो एक छोटे से तिनके ने ही तोड़ दिया था अर्थात् एक छोटा-सा तिनका ही उसका घमंड तोड़ने के लिए बहुत था।

(ङ) नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को सामान्य वाक्य में बदलिए–

उत्तर– 1. जब एक दिन मैं मुंडेर पर खड़ा था।

2. मेरी आँख लाल होकर दुखने लगी।

3. मेरी ऐंठ दबे पाँवों भाग गई।

4. जब किसी तरह से तिनका निकल गया।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. प्रस्तुत कविता के रचयिता अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' जी हैं।

2. कविता में कवि ने अपने आप को घमंडी कहा है।

3. अचानक कवि की आँख में एक छोटा-सा तिनका आकर गिर गया। इस घटना

से कवि की समझ में यह आ गया कि एक छोटा-सा तिनका ही घमंडी व्यक्ति के घमंड को चूर कर सकता है। इसलिए ऐंठ और घमंड से दूर रहना चाहिए। इस प्रकार कवि अपनी अकड़ को भूल गया।

4. काफी प्रयत्न करने के बाद कवि की आँख से तिनका निकला।
5. तिनका निकलने पर कवि की समझ में आ गया कि घमंड नहीं करना चाहिए क्योंकि एक छोटा-सा तिनका ही घमंड नष्ट करने के लिए या परेशान करने के लिए बहुत है।
6. कवि इस कविता के माध्यम से यह कहना चाहते हैं कि मनुष्य को कभी घमंड और ऐंठ नहीं दिखानी चाहिए। सभी को समान दृष्टि से देखना चाहिए। छोटे-बड़े का भेद-भाव नहीं करना चाहिए।
7. प्रस्तुत कविता से हमें शिक्षा मिलती है कि इस संसार में न कोई छोटा है और न कोई बड़ा। मानव का व्यवहार ही मानव में परिवर्तन लाता है। इसलिए कभी घमंड नहीं करना चाहिए। सब को समान दृष्टि से देखना चाहिए।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के उचित समानार्थक शब्दों पर सही (✓) का चिह्न लगाइए-

उत्तर- घमंड — अहंकार ✓ घमंडी ऐंठ — अकड़न अकड़ ✓
मुँडेर — दरवाज़ा छज्जा ✓ पाँव — पैर ✓ माथा

(ख) निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए-

उत्तर- खड़ा = **पड़ा** भरा = **हरा**
भगी = **लगी** दिए = **लिए**

(ग) निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए-

उत्तर- समझ = पुस्तक को पढ़कर अपनी **समझ** बढ़ानी चाहिए।
घमंड = **घमंड** करना बुरी आदत है।
अचानक = आज सुबह **अचानक** तेज वर्षा हुई।
झिझक = सुबह माँ के उठाने पर राहुल **झिझक** उठा।
तिनका = चिड़िया **तिनका-तिनका** लाकर घोंसला बनाती है।

(घ) निम्नलिखित को पढ़िए और इनके सामने कविता की वह पंक्ति लिखिए जिसमें इनका प्रयोग हुआ है-

उत्तर- ऐंठना = मैं घमंड़ों में भरा ऐंठा हुआ,
दबे पाँव भाग जाना = ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी।
ताने देना = तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **तिनका कबहु ..... घनेरी होय।**

- **संत कबीर द्वारा रचित इस दोहे का भावार्थ जानकर हरिऔध जी की कविता से उसकी तुलना कक्षा में कीजिए।**

उत्तर– कबीरदास जी कहते हैं कि किसी को छोटा समझकर अर्थात् उसकी शक्तियों को कम आंक कर उसकी अवहेलना और निंदा नहीं करनी चाहिए। जैसे पांवों के तले तिनके जैसी तुच्छ वस्तु जब उड़ कर आँखों में गिर जाती है, तो बहुत ही अधिक पीड़ा होती है।

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' द्वारा रचित कविता 'एक तिनका' में भी वे यही समझाना चाहते हैं कि इंसान घमंड की ऐंठ में रहता है, परंतु एक तुच्छ अर्थात् छोटा-सा तिनका भी यदि आँख में गिर जाए तो इंसान का सारा घमंड टूट कर चूर हो जाता है।

कल्पना की उड़ान

- **हमें अहंकार क्यों नहीं करना चाहिए, बताइए।**

उत्तर– हमें अहंकार नहीं करना चाहिए, क्योंकि अहंकार मनुष्य को घमंडी व स्वार्थी बनाता है और ऐसे मनुष्य का समाज में कोई स्तर नहीं है। अहंकार भी एक दिन टूट जाता है। हमें सभी के साथ प्रेम-भाव से रहना चाहिए। अहंकार तो एक छोटे-से तिनके मात्र से टूट जाता है।

खेलकर सीखें

- **इस कविता को कवि ने 'मैं' से आरंभ किया है–''मैं घमंडी से भरा ऐंठा हुआ। कविता का यह ''मैं'' कविता पढ़ने वाले व्यक्ति से भी जुड़ सकता है और तब अनुभव यह होगा कि कविता पढ़ने वाला व्यक्ति अपनी बात बता रहा है। यदि कविता में 'मैं' की जगह 'वह' या कोई नाम लिख दिया जाए, तब कविता के वाक्यों में बदलाव आ जाएगा। कविता में 'मैं' के स्थान पर 'वह' या कोई नाम लिखकर वाक्यों के बदलाव को देखिए और उन्हें लिखिए–**

उत्तर– वह घमंडों में भरा ऐंठा हुआ,
एक दिन जब था मुँडेर पर खड़ा।
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आँख में उसकी पड़ा।
झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा,
लाल होकर आँख भी दुखने लगी।
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे,
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी।
जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब 'समझ' ने यों उसे ताने दिए।
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

7. मेरी यात्रा

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. यात्रा करने का व्यवस्थित तरीका सोच-विचार कर है।
2. शिवसागर से सोनारी को दूसरी सड़क चाय बागानों से होकर जाती थी।
3. लेखक ने यात्रा करने के तीन तरीके बताए हैं।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. मुझे बचपन से **नक्शे** देखने का शौक है।
2. एक कील की वजह से **राज्य** खो जाता है।
3. उनमें कइयों पर **साँप** लटक रहे थे।
4. नदी किसी गाँव को **लीलती हुई** आई है।
5. **हठधर्मिता** का अपना अनूठा रस होता है।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (c) नक्शे देखने का
2. (b) एक कील के कारण राज्य खो जाता है
3. (c) हठधर्मिता में 4. (b) 10 मील

(घ) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

उत्तर– 1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. असत्य 5. सत्य

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. लेखक के अनुसार नक्शों की मदद से दूर दुनिया की सैर का मजा लिया जा सकता है। मन रूपी घोड़े पर सवार होकर स्थान बिना छोड़े कहीं पर भी घूम सकते हैं। कोई रोक-टोक या अड़चन नहीं होती। नक्शों में तरह-तरह के रंगों से भी मदद मिल जाती है।
2. अमरकंटक और तिरुकुरंगुडि स्थानों के नाम से लेखक आकर्षित हुए।
3. लेखक ने यात्रा करने के दो तरीके बताए हैं। एक तरीका यह है कि आप सोच-समझकर निश्चय कर लें कि कहाँ जाना है, कब जाना है, कहाँ-कहाँ घूमना है, कितना खर्च होगा, फिर उसी के अनुसार छुट्टी लीजिए, टिकट कटाइए और चल पड़िए। यह व्यवस्थित तरीका है।
4. हमारे अनुसार लेखक का नया दाँत-ब्रुश लेने सोनारी जाने का निर्णय सही था क्योंकि यदि लेखक दाँत ब्रुश लेने सोनारी न जाते तो वह उस अनोखी यात्रा का आनंद न ले पाते और अहोम राजाओं की पुरानी राजधानी का आकर्षण जो आकर्षित कर रहा था उनके मन में ही दबा रह जाता।

5. लेखक उस स्थान के नाम के आकर्षण से शिवसागर जाना चाहते थे।
6. लेखक ने अंत में बताया है कि वह जितनी यात्राएँ स्थूल पैरों से करते हैं उससे ज्यादा नक्शे देखकर कल्पना रूपी चरणों से कर लेते हैं। आप भी चलते-फिरते नजर आइए। 'रमता राम' इसलिए कहते हैं कि जो रमता नहीं, वह राम नहीं, टिकना तो अंत है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

नदी	=	**सरिता**	जलन	=	**ईर्ष्या**	किनारा	=	**तट**
अनजान	=	**अजनबी**	जिद	=	**हठ**	सफर	=	**यात्रा**
कपड़ा	=	**वस्त्र**	सागर	=	**समुद्र**			

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

दूर	=	**पास**	वास्तविक	=	**अवास्तविक**	फायदा	=	**नुकसान**
अपरिचित	=	**परिचित**	पसंद	=	**नापसंद**	सफेद	=	**काला**
गाँव	=	**शहर**	खर्च	=	**आमदनी**	सवेरे	=	**शाम**
पुराना	=	**नया**	अमृत	=	**विष**	ज्यादा	=	**कम**

(ग) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए–

उत्तर–

नकसा	=	**नक्शा**	त्रिप्ती	=	**तृप्ती**	ईर्स्या	=	**ईर्ष्या**
हीमाल्य	=	**हिमालय**	साप	=	**साँप**	शडक	=	**सड़क**
अनुठा	=	**अनूठा**	परबन्ध	=	**प्रबन्ध**			

(घ) सही कारक-चिह्न भरकर वाक्यों को पूर्ण कीजिए–

उत्तर–

1. प्याले **में** चाय थी।
2. अमित ने रमन **को** खेलने के लिए बुलाया था।
3. हमें बच्चों **के लिए** खिलौने खरीदने हैं।
4. अनिल अपने बड़े भाई **से** होशियार है।
5. **अरे!** तुम कब आए?
6. माँ ने सारा सामान छत **पर** रख दिया।
7. वसीम **का** भाई आया था।

(ङ) रिक्त स्थानों में रेखांकित शब्दों के उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द भरिए–

उत्तर–

1. विनम्रता से काम लो, इतनी **उद्दंडता** ठीक नहीं।
2. शहरों में सड़कें प्राय: पक्की होती हैं और गाँवों में **कच्ची**।
3. रमा को आम पसंद हैं लेकिन अंगूर बिलकुल **नापसंद** हैं।
4. मुझे **सूखे** रेगिस्तान में घूमना भी अच्छा लगता है और हरे-भरे पहाड़ों में भी।

(च) निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए पाठ में प्रयुक्त एक शब्द लिखिए–

उत्तर–

1. जिस काल या समय के प्रारंभ का पता न हो = **अनादिकाल**
2. किसी बात पर अड़ जाना = **हठधर्मिता**

3. एक ही समय का = **सम-सामयिक**
4. जो घूमने का शौकीन हो = **घुमक्कड़**
5. रेतीला क्षेत्र = **मरु प्रदेश**
6. समुद्र से घिरा भू-खंड = **द्वीप**

(छ) निम्नलिखित वाक्यों में सही स्थानों पर विराम-चिह्न लगाकर पुनः लिखिए–

उत्तर– 1. 'तरंगों वाली बस्ती' यह नाम सुनकर क्या आपके मन में तरंग नहीं उठती कि जाकर देखें?

2. 'रमता राम' इसलिए कहते हैं कि जो रमता नहीं, वह राम नहीं, टिकना तो अंत है।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **भारत के किन क्षेत्रों में हर वर्ष बाढ़ से तबाही होती है–उनकी जानकारी प्राप्त करके लिखिए।**

उत्तर– भारत के पूर्वी तथा उत्तर पूर्वी एवं कुछ उत्तरी क्षेत्रों में प्रतिवर्ष बाढ़ से तबाही होती है।

कल्पना की उड़ान

- **भारत के दिए गए नक्शे में असम राज्य को नीले रंग से रँगिए और असम में बहने वाली प्रमुख नदियों के नाम लिखिए–**

उत्तर– ब्रह्मपुत्र, कुशीयारा, बराक, मक्कु, तीस्ता, बरोइ, दिहांग, बरलिया।

खेलकर सीखें

- **भारत की प्रमुख नदियों के नाम लिखिए–**

उत्तर– गंगा, सरयू, यमुना, सरस्वती, कालिंदी, कावेरी, रामगंगा, कोसी, गगास, विनोद, कृष्णा, गोदावरी, गंडक, घाघरा, चंबल, चेनाब, झेलम, दामोदर नर्मदा, ताप्ती, बेतवा पद्मा, फल्गू, बागमती, ब्रह्मपुत्र, भागीरथी, महानदी, महानंदा, रावी, व्यास, सतलुज सिंधु, हुगली, गोमती, माही और शिप्रा।

8. भारत कोकिला–सरोजिनी नायडू

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. सरोजिनी नायडू के माता-पिता की काव्य लेखन में रुचि थी।

2. एडमंड गॉस साहित्यकार थे।
3. कांग्रेस अधिवेशन सन् 1916 ई० में हुआ।
4. महात्मा गांधी की मृत्यु का सरोजिनी नायडू पर गहरा प्रभाव पड़ा उनका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. तेरह वर्ष की अवस्था में उन्होंने **1300** पंक्तियों की लंबी कविता लिखी।

2. उन्हें **भारत कोकिला** की उपाधि प्रदान की गई।

3. उनका विवाह **गोविन्दराजुल नायडू** के साथ हुआ।

4. **'द गोल्डेन थ्रेशहोल्ड'** पुस्तक की समालोचकों ने एक स्वर से प्रशंसा की।

5. हम भारतवासी सदैव उनके **ऋणी** रहेंगे।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (c) 13 वर्ष 2. (b) इंग्लैंड

3. (a) 1930 ई० में 4. (c) 2 मार्च 1949 को

(घ) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

उत्तर– 1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य

4. सत्य 5. असत्य 6. सत्य

(ङ) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– मेरे गुरु ..... हो उठे।

भाव– गांधी जी की मृत्यु के पश्चात पूरे भारतवर्ष के उदास हो जाने पर सरोजनी नायडू ने अपनी श्रद्धांजलि में गांधी जी को सम्बोधित करते हुए कहा कि मेरे गुरु, मेरे नेता और मेरे पिता समान उन गांधी जी की आत्मा शांत भाव से विश्राम न करे वरन् गतिमान होकर भारतवासियों की वास्तविक स्वतंत्रता प्राप्ति में सहायक बन जाए जिससे भारतवर्ष आजादी प्राप्त कर पुनर्जीवित हो जाए अर्थात् गांधी जी के विचारों को भारत का प्रत्येक नागरिक अपने विचार बना ले और उनके अधूरे स्वप्न को पूरा करे।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, 1879 ई० को हैदराबाद में हुआ था।

2. सरोजिनी नायडू में काव्य-लेखन की विशेष प्रतिभा थी।

3. 'द गोल्डन थ्रेशहोल्ड' नामक पुस्तक से इंग्लैंड का साहित्य जगत विस्मित रह गया।

4. सरोजनी नायडू कवयित्री के साथ-साथ उच्च कोटि की नेता भी थीं। स्वतंत्रता संग्राम के प्रचार-प्रसार के साथ ही वे कई बार जेल भी गईं सन् 1925 ई० में इन्हें राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात इन्हें उत्तर प्रदेश के राज्यपाल का पद प्रदान किया गया।

5. नारी-उत्थान के लिए उन्होंने नारी मुक्ति और नारी शिक्षा आंदोलन प्रारम्भ किया।

6. गांधी जी की मृत्यु सरोजनी नायडू के लिए घातक साबित हुई।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए—

उत्तर– अंर्तजातीय = **अंतर्जातीय** रिणी = **ऋणी**

कवियत्री = **कवयित्री** साबाशी = **शाबाशी**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– रुचि = **अरुचि** उपस्थित = **अनुपस्थित**

प्रथम = **अंतिम** स्वदेशी = **विदेशी**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर– माँ = **माता** आश्चर्य = **अचम्भा**

सुरीली = **मधुर** पिता = **जनक**

(घ) निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए–

उत्तर– शाबाशी = **ई** गंभीरता = **ता**

भारतीय = **ईय** वैवाहिक = **इक**

(ङ) नीचे दिए विशेषण शब्दों में 'तर' और 'तम' जोड़कर शब्द बनाइए–

उत्तर–

मूलावस्था	**उत्तरावस्था**	**उत्तमावस्था**
	तर	**तम**
श्रेष्ठ	**श्रेष्ठतर**	**श्रेष्ठतम**
उच्च	**उच्चतर**	**उच्चतम**
न्यून	**न्यूनतर**	**न्यूनतम**
सरल	**सरलतर**	**सरलतम**
चतुर	**चतुरतर**	**चतुरतम**
कठिन	**कठिनतर**	**कठिनतम**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **महात्मा गांधी पर एक अनुच्छेद लिखिए–**

उत्तर– महात्मा गांधी, जिन्हें बापू या राष्ट्रपिता के नाम से जाना जाता है। भारत और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनीतिक और आध्यात्मिक नेता थे। उनका जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को हुआ था और उन्होंने 'सत्याग्रह' जिसका अर्थ है सत्य के प्रति निष्ठा और 'अहिंसा' जिसका अर्थ है— अहिंसा के दर्शन का प्रचार किया।

कल्पना की उड़ान

- **अंकों में भी संस्कृति झलकती है।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **चार स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र चिपकाकर उनके नाम लिखिए—**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

9. हार की जीत

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. माँ को अपने बेटे और किसान को अपने लहलहाते खेत देखकर आनंद आता है।
2. खड्गसिंह को जो वस्तु पसंद आ जाए वह उस पर अपना अधिकार समझता था।
3. अपाहिज के वेश में खड्गसिंह था।
4. लोगों को यदि इस घटना का पता लग गया तो वे किसी दीन-दुखी पर भरोसा नहीं करेंगे।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. वह घोड़ा बड़ा **सुंदर** था, बड़ा **बलवान** ।
2. वे उसकी **चाल** पर लट्टू थे।
3. **खड्गसिंह** उस इलाके का प्रसिद्ध **डाकू** था।
4. बाबा जी भी **मनुष्य** ही थे।
5. इस समय उसकी आँखों में **नेकी** के **आँसू** थे।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) सुलतान 2. (c) खड्गसिंह
3. (d) एक छोटे-से मंदिर में 4. (c) वैद्य

(घ) निम्नलिखित पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– घोर .....बना दिया।

भाव– बाबा भारती का घोड़ा सुलतान उनके पास न था, परंतु स्नान करते ही वे अस्तबल की तरफ चल पड़े दरवाजे पर पहुँचकर उन्हें भूल प्रतीत हुई और अत्यधिक निराशा ने उनके पाँव वहीं रोक दिए उनके पैर न उठते थे। निराश मन अस्तबल में जाने से रोकते हुए उनके बढ़ते पाँवों को मन-मन भर का भारी बना दिया था।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. बाबा भारती को अपना घोड़ा देखकर आनंद आता था।
2. बाबा भारती सुलतान के बिना नहीं रह सकते थे क्योंकि बाबा भारती को यह भ्रांति-सी हो गई थी कि वे सुलतान के बिना नहीं रह सकते। बाबा भारती सुलतान की चाल पर लट्टू थे। संध्या समय जब तक वे आठ-दस मील का चक्कर न लगा लेते उन्हें चैन न आता था। भगवान के भजन से जो भी समय बचता था वह उस घोड़े को अर्पण था। अत: वह उसके बिना नहीं रह सकते थे।
3. सुलतान को पाने के लिए खड्गसिंह ने अपाहिज का वेश धारण किया और

बाबा से मदद माँगी जब बाबा ने उसे घोड़े पर बैठाया तो वह बाबा को धोखा देकर सुलतान को ले गया।

4. बाबा भारती ने खड्गसिंह से अनुरोध किया कि इस घटना (अपाहिज बनकर धोखे से सुलतान घोड़े को छीन लेना) को किसी के सामने प्रकट न करना क्योंकि यदि ''लोगों को इस घटना का पता लग गया तो वे किसी दीन-दुखी पर विश्वास न करेंगे।''
5. बाबा भारती के द्वारा किए गए अनुरोध और उसके उत्तर को सुनकर खड्ग सिंह यह मानने पर मजबूर हो गया कि ऐसा मनुष्य, मनुष्य नहीं देवता ही है जो प्रिय वस्तु को भी त्यागकर दीन दुखियों के विषय में ही सोचता हो। इस प्रकार सोचते हुए खड्गसिंह अपनी आँखों में नेकी के आँसू भरे हुए सुलतान को अस्तबल में ही छोड़ आता है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– सुंदर = **कुरूप** बलवान = **निर्बल** घृणा = **प्रेम**
प्रसन्न = **अप्रसन्न** प्रसिद्ध = **अप्रसिद्ध** उत्तर = **प्रश्न**
प्रशंसा = **निंदा** पश्चात् = **पूर्व** रात = **दिन**
सावधान = **असावधान**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– सहस्र = **हजार** भ्रांति = **भ्रम** छवि = **आभा**
आरंभ = **शुरू** आश्चर्य = **अचम्भा** ख्याल = **ध्यान**

(ग) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर– चोथा = **चौथा** अँधकार = **अंधकार**
ह्रदय = **हृदय** भ्राँति = **भ्रांति**

(घ) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– जान छिड़कना = **अत्यधिक चाहना।**
वाक्य प्रयोग – बाबा सुलतान पर **जान छिड़कते** थे।
हृदय पर साँप लोटना = **ईर्ष्या होना।**
वाक्य प्रयोग – सपना के घर की सुख शान्ति देखकर कमला के **हृदय पर साँप लोटते** थे।
आँखों में चमक आना = **बहुत खुशी होना।**
वाक्य प्रयोग – घोड़े को पुन: देखकर बाबा भारती की **आँखों में चमक आ गई।**
धोखा देना = **छल कपट करना**
वाक्य प्रयोग – डाकू ने अपाहिज का वेश बनाकर बाबा भारती को **धोखा दिया।**
मुँह न मोड़ना = **पीछे न हटना**
वाक्य प्रयोग – किसी की सहायता के समय **मुँह नहीं मोड़ना** चाहिए।

(ङ) 'ता' और 'त्व' प्रत्यय जोड़कर पाँच-पाँच शब्द बनाइए–

उत्तर– मनुजता, सफलता, सामाजिकता, सुंदरता, विफलता
व्यक्तित्व, प्रभुत्व, महत्व, अपनत्व, घनत्व

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **हृदय-परिवर्तन से संबंधित कोई कहानी अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **इस कहानी में बाबा भारती और खड्गसिंह के बीच जो वार्तालाप हुआ दिए गए बॉक्स में उसे संक्षेप में लिखिए—**

उत्तर– एक दिन खड्गसिंह डाकू घोड़े को देखने के लिए बाबा भारती के पास आया। वह घोड़े को देखकर बहुत प्रसन्न हुआ उसने बाबा भारती से कहा कि यह घोड़ा मुझे दे दो अन्यथा मैं इसे जबरदस्ती लेकर जाऊँगा। बाबा भारती ने बिना कुछ कहे अपनी चौकशी घोड़े पर रखने लगे। एक दिन खड्गसिंह अपाहिज का रूप धारण कर सड़क के किनारे कंबल ओढ़कर बैठ गया। बाबा प्रतिदिन की तरह उस दिन भी घोड़े को टहलाने निकलें कि रास्ते में उन्होंने देखा कि एक अपाहिज कंबल ओढ़कर कह रहा था कि कोई परोपकारी है जो मुझे मेरे भाई के घर तक छोड़ सके। बाबा भारती ने अपाहिज को घोड़े पर बिठाकर और खुद पैदल चलने लगे। कुछ दूर जाकर अपाहिज ने घोड़े को दौड़ा दिया और कहा कि मैं खड्गसिंह हूँ। आपका घोड़ा मुझे लेना था इसलिए इस प्रकार ले लिया। बाबा भारती ने कहा तुम इस घटना का जिक्र किसी से मत करना। लोगों को यदि इस घटना का पता लग गया तो वे किसी दीन-दुखी पर भरोसा नहीं करेंगे। बाबा भारती के कहे शब्द डाकू खड्गसिंह के कानों में गूँजने लगे और वह बार-बार यही सोचने लगा कि सच में अपाहिज पर कोई भरोसा नहीं करेगा। अत: डाकू खड्गसिंह ने अपना निर्णय बदला और घोड़े को बाबा भारती के अस्तबल में बाँध आया। सुबह होते ही बाबा भारती ने जब अपने घोड़े सुल्तान को देखा तो खुशी से फूले नहीं समाए।

इस पर डाकू खड्गसिंह ने कहा कि आप हार कर भी जीत गए और मैं जीतकर भी हार गया।

खेलकर सीखें

- **दी गई वर्ग-पहेली में दस जानवरों के नाम दिए गए हैं; उन्हें ढूँढ़कर लिखिए–**

उत्तर– हाथी, लोमड़ी, जेबरा, हिरन, घोड़ा, शेर, भेड़िया, भालू, गाय, तेंदुआ

के	न	हा	थी	बं	जे	ब	रा
से	वि	रा	मा	प्रि	मा	नं	स्वा
रा	मी	व	क	घो	ड़ा	से	द
ती	म	र्थ	भे	ड़ि	या	द	र
शे	लो	गा	व	ह	दे	लं	हि
र	म	य	स	भा	लू	शे	र
ढ़	ड़ी	ग	बा	र	म	गू	न
पी	र	हा	तें	दु	आ	घ	थी

10. मॉरीशस–अद्‌भुत देश

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर–

1. अमेरिकी लेखक मार्क ट्‌वेन ने मॉरीशस के बारे में लिखा कि ईश्वर ने स्वर्ग रचने से पहले इस द्‌वीप की रचना की थी।
2. मॉरीशस की कुल आबादी में भारतीय मूल के लोगों की संख्या साढ़े आठ लाख है।
3. मॉरीशस का दूसरा मुख्य आर्थिक साधन पर्यटन है।
4. महाशिव रात्रि, होली, दीवाली, वसंतोत्सव, संक्रांति, क्रिसमस, मुहर्रम, ईद और ड्रेगन थे।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर–

1. यहाँ की कुल आबादी लगभग **13 लाख** है।
2. **अंग्रेजी** यहाँ की राजभाषा है।
3. **पांपलेमुस** यहाँ का एक प्रसिद्‌ध उद्‌यान है।
4. इस द्‌वीप का समुद्री तट **117 किलोमीटर** लंबा है।
5. मॉरीशस एक **साफ-सुथरा** देश है।
6. भारत और मॉरीशस में **आत्मीयता** और **एकरूपता** दिखाई देती है।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर–

1. (c) पोर्ट लुई
2. (a) अंग्रेजी
3. (a) गन्ना
4. (d) 720 वर्ग मील

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर–

1. अमेरीकी लेखक मार्क ट्‌वेन ने मॉरीशस के बारे में कहा है कि ईश्वर ने स्वर्ग रचने से पहले इस द्‌वीप की रचना की थी।
2. मॉरीशस में अफ्रीका, चीन, भारत, यूरोप, पुर्तगाल आदि देशों के निवासी रहते हैं।
3. मॉरीशस में दो प्रकार का मौसम होता है, नवंबर से अप्रैल तक गर्मी और मई से अक्टूबर तक सरदी। वर्षा का मौसम अनिश्चित है। इस छोटे-से भूखंड में एक ही समय में भिन्न-भिन्न स्थानों पर अलग-अलग मौसम रहता है।
4. पांपलेमुस नामक उद्‌यान यहाँ का एक प्रसिद्‌ध स्थान है जो अद्‌वितीय सौंदर्य से भरपूर है। छायादार वृक्ष, लताओं के सघन कुंज, हरी-हरी घास, पारदर्शी सरोवर, कल-कल करती नहरें, सरोवरों में रंग-बिरंगे परात जैसे बड़े-बड़े पत्तों

वाले कमल पुष्प भरे पड़े हैं। पक्षियों का मधुर कलरव जैसे पर्यटकों का स्वागत गीत गाता प्रतीत होता है।

5. मॉरीशस के सागर-तट विश्व में प्रसिद्ध हैं। क्योंकि यहाँ बारहों मास तैराकी, गोताखोरी और मछली पकड़ सकते हैं। दूर-दूर तक फैला समुद्री पानी का झाग दूधिया नदी-सा प्रतीत होता है। प्रकृति का ऐसा दुर्लभ और अनूठा रूप देखकर मन ठगा-सा रह जाता है।
6. यहाँ की मुख्य फसल गन्ना है। यहाँ की सरकार को इससे तथा पर्यटन से आय होती है।
7. यहाँ सरकार की ओर से प्रत्येक नागरिक के लिए दवा और इंटरमीडिएट तक की शिक्षा नि:शुल्क है। उच्च शिक्षा भी सस्ती है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

स्वर्ग	=	**नरक**	पहले	=	**बाद में**	धरती	=	**आकाश**
प्राचीन	=	**नवीन**	रात्रि	=	**दिवस**	प्राकृतिक	=	**कृत्रिम**
दाएँ	=	**बाएँ**	कम	=	**ज्यादा**	मधुर	=	**कटु**
सरदी	=	**गरमी**						

(ख) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

समुद्र	=	**सागर**	तालाब	=	**सरोवर**	विश्व	=	**संसार**
पानी	=	**जल**	भूमि	=	**धरा**	त्योहार	=	**उत्सव**
प्रात:	=	**भोर**	ईश्वर	=	**भगवान**	सघन	=	**घनी**
लोकप्रिय	=	**प्रसिद्ध**	मधुर	=	**सुरीली**	कलरव	=	**चहचहाना**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

उत्तर–

लेखक	=	**लेखकों**	विमान	=	**विमानों**	तरंगों	=	**तरंग**
सड़कें	=	**सड़क**	भाषा	=	**भाषाएँ**	संस्कृतियों	=	**संस्कृति**
गन्ना	=	**गन्ने**	त्योहार	=	**त्योहारों**			

(घ) निम्नलिखित शब्दों के लिंग निर्धारित कीजिए–

उत्तर–

किसान	=	**पुल्लिंग**	पर्यटक	=	**पुल्लिंग**	संस्कृति	=	**स्त्रीलिंग**
स्थान	=	**पुल्लिंग**	सरोवर	=	**पुल्लिंग**	राजधानी	=	**स्त्रीलिंग**
हवा	=	**स्त्रीलिंग**	भोजपुरी	=	**स्त्रीलिंग**	प्रकृति	=	**स्त्रीलिंग**
भारत	=	**पुल्लिंग**						

(ङ) 'इक' प्रत्यय जोड़कर बने तीन शब्द पाठ में से ढूँढ़कर लिखिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

प्राकृतिक = हवा, जल, फल, अन्न आदि मानव के लिए प्राकृतिक उपहार हैं।
नागरिक = प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
साहित्यिक = साहित्यिक एवं कलात्मक गतिविधियाँ हमारे देश में होती रहती हैं।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **किसी दर्शनीय स्थान की यात्रा का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए–**

उत्तर– दिनांक .....

प्रिय मित्र आशुतोष

सप्रेम नमस्कार

शास्त्रीनगर मेरठ

आशा है कि तुम सपरिवार कुशल होंगे। कुछ दिनों पहले मैं अपने कॉलिज के साथियों के साथ आगरा भ्रमण के लिए गया था। हम लोगों ने साथ मिलकर आगरा के पर्यटन स्थल जैसे—ताजमहल, किला, सिकंदरा तथा और भी बहुत सारे खूब सूरत इमारतों को देखा ताजमहल जो विश्व के सात आश्चर्यों में से एक है, हमने काफी करीब से देखा। यह सफेद संगमरमर से निर्मित बहुत ही खूबसूरत इमारत है। इस खूबसूरत इमारत का निर्माण शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की याद में बनवाया था। आगरा की और भी कई इमारतें दर्शनीय हैं। कुछ मील दूर फतेहपुर सीकरी भी एक दर्शनीय स्थल है। आगरा में ठहरने के लिए बहुत सारे पर्यटन आवास हैं। यहाँ पर शॉपिंग करने की भी अच्छी व्यवस्था है। आशा है कि मेरे अनुभव का लाभ उठाकर आप भी आगरा की यात्रा पर जाना पसंद करेंगे। घर में सभी बडों को प्रणाम और छोटों को मेरा स्नेह देना।

आपका मित्र

.....

कल्पना की उड़ान

- **यदि भारत में सभी लोग सड़क, बाजार में साफ-सफाई का ध्यान रखें तो क्या होगा? बताइए।**

उत्तर– वर्तमान समय में स्वच्छता हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है। यह समय भारतवर्ष के लिए बदलाव का समय है। बदलाव के इस दौर में यदि हम स्वच्छता के क्षेत्र में पीछे रह गए तो आर्थिक उन्नति का कोई महत्व नहीं रह जाएगा। साफ-सफाई केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, यह हम सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। हम अपने शहर, गाँव, सड़क और बाजार को साफ और सुरक्षित रखें। एक साफ वातावरण न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक आराम भी प्रदान करता है। स्वच्छता हमें बहुत-सी बीमारियों से बचाती है।

खेलकर सीखें

- **भारत में कौन-सा प्रदेश 'धरती का स्वर्ग' के नाम से जाना जाता है। दिए गए बॉक्स में उसका सुंदर-सा चित्र चिपकाकर उसकी सुंदरता के विषय में कुछ लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

11. दो महान व्यक्ति

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. बचपन में विंस्टन चर्चिल को डूबने से अलेक्जेंडर फ्लेमिंग ने बचाया।
2. फ्लेमिंग ने डॉक्टरी की उपाधि लंदन में सेंट मेरी विश्वविद्यालय से ली।
3. फ्लेमिंग के शोध का विषय 'हरित फफूँदी' था।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. कुछ बच्चे आपस में **भाग-दौड़** कर रहे थे।
2. उसने **बचाओ-बचाओ** की आवाज लगाई।
3. उस **प्राणदायी** मित्र का नाम था, **अलेक्जेंडर फ्लेमिंग**।
4. वह तो अकस्मात् **स्वाभाविक प्रतिक्रिया** थी।
5. इसी शोध के फलस्वरूप उसने **पेनिसिलीन** का आविष्कार किया।
6. **पेनिसिलीन** ही उसके रोग का एकमात्र इलाज है।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) मैदान में
2. (c) संपन्न
3. (d) 1945 में
4. (b) विंस्टन चर्चिल ने

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. इंग्लैंड में सरदी के मौसम में धरती, मकान और पेड़-पौधों पर बर्फ की पतली चादर-सी बिछ जाती है।
2. बचपन में एक बार बर्फ जमे एक तालाब पर विंस्टन चर्चिल अपने मित्रों के साथ खेल रहे थे। अकस्मात् उनके पैरों के नीचे की बर्फ में दरार पड़ गई और वह धीरे-धीरे उसमें डूबने लगा। उन्होंने 'बचाओ, बचाओ' की आवाज लगाई। कुछ दूरी पर खेलता उनका बाल-मित्र आवाज सुनकर दौड़ा आया और उसकी दोनों बाँहें पकड़कर उन्हें ऊपर की ओर खींचने लगा। वह बड़ी कठिनाई से उन्हें ऊपर खींच पाया। इस प्रकार वे आकस्मिक मृत्यु के मुख से निकाल लिए गए।
3. फ्लेमिंग के मित्र को उसकी याद के साथ-साथ यह बात भी सता रही थी कि 'उस मित्र के किए गए उपकार का बदला जब तक वह नहीं चुकाएगा तब तक वह स्वयं को एक कृतघ्न ऋणी महसूस करता रहेगा, इसी कारण वह कालांतर में फ्लेमिंग की खोज में निकला था।
4. फ्लेमिंग की डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करने की इच्छा को उसके मित्र ने पूरा किया।

5. फ्लेमिंग को नोबेल पुरस्कार से सन् 1945 में, पेनिसिलीन के आविष्कार के लिए सम्मानित किया गया।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– शत्रु = **मित्र** अपकार = **उपकार** कृतज्ञ = **कृतघ्न**
उऋण = **ऋणी** पतली = **मोटी** जीवन = **मृत्यु**
दुर्भाग्य = **सौभाग्य** विपन्न = **संपन्न** स्वाभाविक = **अस्वाभाविक**
प्रारंभ = **अन्त**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर– मौसम = **ऋतु** पेड़ = **तरु** धरती = **धरा**
घर = **भवन** व्यक्ति = **नर** मित्र = **सखा**
तालाब = **सरोवर** आवाज = **स्वर** समृद्ध = **अमीर**
नवीन = **नया**

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को उचित कारक-चिह्नों द्वारा पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. इंग्लैंड **में** सर्दी **का** मौसम था।
2. पेड़-पौधों **पर** बर्फ **की** चादर-सी बिछ गई थी।
3. बच्चे बाहर **के** मैदान **में** खेल रहे थे।
4. कुछ दूरी **पर** खेलता उस **का** बाल-मित्र दौड़कर आया और उस **की** दोनों बाँहें पकड़कर उसे ऊपर **की** ओर खींचने लगा।
5. अपने बचपन **के** मित्र **को** अकस्मात् सामने देखकर उस **की** खुशी **का** ठिकाना न रहा।
6. इसी दवा **के** उपचार **से** उसका रोग जाता रहा।

(घ) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– 1. सर्वोच्च — **सर्व** + **उच्च** 2. कालांतर — **काल** + **अंतर**
3. समुचित — **सम्** + **उचित** 4. देवेश — **देव** + **ईश**
5. प्रत्युपकार — **प्रति** + **उपकार**

(ङ) नीचे दिए शब्द-युग्मों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– 1. आदि — अभिज्ञान शाकुंतलम्, मेघदूत **आदि** रचनाएँ कालिदास की हैं।
आदी — रमेश सुबह अखबार पढ़ने का **आदी** है।
2. अन्न — पक्षी **अन्न** का दाना देख पेड़ से नीचे आ गया।
अन्य — अन्न के दानों को बिखरा देख कबूतर के साथ-साथ **अन्य** पक्षी भी वहाँ आ गए।
3. कुल — एक बाग में आम के **कुल** 25 वृक्ष थे।
कूल — नदी के **कूल** पर वृक्ष हैं।

4. आकर — भारत में सोने के अनेक **आकर** (खान) हैं।
आकार — लड्डू का **आकार** हमेशा गोल ही होता है।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **नीचे दिए आविष्कारों के सामने उनके आविष्कारकों के नाम लिखिए। सोचिए और लिखिए–**

उत्तर– हवाई जहाज — राइट बंधुओं ने
रेडियम — मैडम क्यूरी
टी० वी० — जॉन लोगी बेयर्ड
टेलीफोन — ग्राह्म बेल
सिलाई मशीन — वार्थ लेमी थीमानियर
मोबाइल फोन — मार्टिंग कूपर

कल्पना की उड़ान

- **यदि फ्लेमिंग पेनिसिलीन का आविष्कार नहीं करते, तो क्या होता? लिखिए–**

उत्तर– यदि फ्लेमिंग पेनिसिलीन का आविष्कार नहीं करते, तो हमें घातक रोगों से लड़ने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण साधन उपलब्ध नहीं होता। पेनिसिलीन ने ही आगे चलकर अनेक महत्वपूर्ण जीवनोपयोगी दवाइयों का मार्ग प्रशस्त किया। इस आविष्कार के अभाव में यह प्रक्रिया आरंभ ही नहीं होती।

खेलकर सीखें

- **नोबेल प्राप्तकर्ता भारतीयों के फोटो चिपकाकर उनके नाम लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

12. निबाह ले स्वधर्म को

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. 'स्वधर्म' से कवि का तात्पर्य वास्तविक धर्म से है।
2. प्रस्तुत कविता के रचयिता 'अनिल कुमार शर्मा' हैं।

(ख) उपयुक्त दृष्टांत देते हुए भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– 1. आँधियों ..... पहले मरा।

भाव– उपर्युक्त पंक्ति का आशय यह है कि जो मनुष्य मुसीबतों तथा कठिनाइयों से डर जाता है, वह मृत्यु आने से पहले ही मर जाता है। अत: मनुष्य को कठिनाइयों तथा मुसीबतों का डटकर सामना करना चाहिए।

2. कितने ..... छला।

भाव– उपर्युक्त पंक्ति में कवि कहना चाहता है कि मनुष्य चाहे जितना भी बलशाली तथा धनवान क्यों न हो जाए, लेकिन मौत एक ऐसी अटल सच्चाई है जो सभी को आनी है। क्योंकि रावण जैसा राजा भी मौत से नहीं बच पाया।

3. इस अधम ..... क्या मिला?

भाव– उपर्युक्त पंक्ति में कवि संदेश देना चाहता है कि मनुष्य को केवल अपने बारे में सोचकर स्वार्थी नहीं बनना चाहिए, क्योंकि केवल इस अधम शरीर का पालन-पोषण करने से कुछ नहीं बनता। ये जितना दूसरे के काम आ जाए उतना ही अच्छा है।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (c) मानवता 2. (b) भला

3. (a) मुसीबतों से डरने वाला 4. (b) अमानवीय

(घ) संदर्भ सहित भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– 1. मार्ग ..... भला।।

संदर्भ– उपर्युक्त पंक्तियाँ 'अनिल कुमार शर्मा' द्वारा रचित 'निबाह ले स्वधर्म को' नामक कविता से ली गई हैं। इनमें कवि ने धैर्य के साथ सभी कठिनाइयों का सामना करने का संदेश दिया है।

भावार्थ– कवि कहता है कि चाहे मार्ग कितने ही काँटों भरा हो अर्थात् मार्ग में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न आएँ फिर भी हमें धरती के समान धैर्य को धारण करना चाहिए। क्योंकि धैर्य के साथ आगे बढ़ने से तथा परिश्रम करने से जो पेड़-पौधे सूख चुके हैं वे फिर से हरे हो जाएँगे अर्थात् फिर से अच्छे दिन आएँगे। सूरज ने कितने कष्ट झेले हैं, धरती ने कितने ही कष्टों का सामना किया है लेकिन सत्य इस पृथ्वी से कभी नहीं जाता अर्थात् सत्य हमेशा सर्वोपरि रहता है। अत: हमें सबका भला ही करना चाहिए, क्योंकि दूसरों का भला करने से अपना भी भला होता है।

2. निज ..... हो भला।

संदर्भ– प्रस्तुत पंक्तियाँ 'अनिल कुमार शर्मा' द्वारा रचित 'निबाह ले स्वधर्म को' नामक कविता से ली गई हैं। इनमें कवि ने स्वार्थी न बनकर परमार्थी बनने को कहा है।

भावार्थ– कवि कहता है कि जो केवल अपने बारे में ही सोचता है उसको मनुष्य नहीं कहते। जो धर्म की दुहाई देकर अर्थात् धर्म का नाम लेकर अधर्म करते हैं गलत कार्य करते हैं वे मनुष्य की श्रेणी में नहीं आते और इस शरीर को पालकर अर्थात् इसी की देख-रेख करके क्या मिलेगा। इसलिए हे मनुष्य! तुम्हें भलाई के कार्य करने चाहिएँ, क्योंकि यदि तुम ऐसा करोगे तो तुम्हारा भला अपने-आप ही हो जाएगा।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. प्रस्तुत कविता के रचयिता 'अनिल कुमार शर्मा' हैं।
2. स्वधर्म से कवि का तात्पर्य वास्तविक धर्म से है। जिसका अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए।
3. कविता में असत्यता को त्यागकर सत्य पर विचार करने को कहा गया है।
4. मनुष्यता हेतु दया, करुणा, ममता आदि गुणों की आवश्यकता होती है।
5. वर्तमान युग में कथित धर्म का स्वरूप विकृत पाया जाता है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

धैर्य	=	**अधैर्य**	धर्म	=	**अधर्म**	मृत्यु	=	**जन्म**
गुण	=	**अवगुण**	मनुष्यता	=	**दानवता**	भला	=	**बुरा**
स्वार्थ	=	**निस्वार्थ**	नीचता	=	**महानता**	सत्य	=	**असत्य**
काँटा	=	**फूल**						

(ख) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए–

उत्तर–

अधम	=	**नीच/दुष्ट**	मनुष्य	=	**मानव**
तृण	=	**तिनका**	तरु	=	**वृक्ष**
अधर्म	=	**अन्याय**	मनुष्यता	=	**मानवता**
स्वधर्म	=	**अपना धर्म**	मर्म	=	**भेद**

(ग) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण शब्द बनाइए–

उत्तर–

धर्म	=	**धार्मिक**	कठोर	=	**कठोरता**	धैर्य	=	**धैर्यपूर्वक**
अधर्म	=	**अधर्मी**	स्वार्थ	=	**स्वार्थी**	शत्रु	=	**शत्रुता**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

मार्ग	=	**रास्ता,**	**पथ,**	**राह**
वृक्ष	=	**तरु,**	**पेड़,**	**पादप**
धरती	=	**धरा,**	**पृथ्वी,**	**वसुधा**
सूरज	=	**सूर्य,**	**भास्कर,**	**दिनकर**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए–

उत्तर–

अधरम	=	**अधर्म**	मोत	=	**मौत**	तरीण	=	**तृण**
असतयता	=	**असत्यता**	तरू	=	**तरु**	निरभय	=	**निर्भय**
मारग	=	**मार्ग**	प्रथवी	=	**पृथ्वी**			

(च) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उचित उपसर्ग पर (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–

1. स्वधर्म	→	स्व ✓	सु	धर्म
2. असत्य	→	अस्	अ ✓	त्य
3. स्वार्थ	→	अर्थ	सु	स्व ✓
4. परिपक्व	→	परि ✓	पक्व	पर

(छ) निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए–

उत्तर– मनुष्यता = हमें **मनुष्यता** को अपने जीवन का अंग बनाना चाहिए।

दीपक = **दीपक** खुद अँधेरे में रहकर दूसरों को प्रकाश देता है।

असत्यता = हमें अपने जीवन से **असत्यता** को निकालने का प्रयास निरंतर करना चाहिए।

तृण-तरु = जल के अभाव में सभी **तृण-तरु** मुरझा जाते हैं।

देह = मनुष्य **देह** मुश्किल से मिलती है।

स्वधर्म = व्यक्ति को **स्वधर्म** के अनुसार आचरण करना चाहिए।

(ज) निम्न में से प्रत्येक का अर्थ इस प्रकार लिखिए कि उनका अंतर स्पष्ट हो जाए–

उत्तर–

	अर्थ			**वाक्य**
1.	अस्त्र	—	फेंककर चलाया जाने वाला हथियार	राम ने रावण पर अस्त्र से वार किया।
	शस्त्र	—	हाथ में पकड़कर चलाया जाने वाला हथियार	डाकू ने राजा पर शस्त्र चलाया।
2.	अनुरोध	—	आग्रहपूर्ण निवेदन	शिवम ने अपने जन्म-दिन पर आने के लिए मित्रों से अनुरोध किया।
	प्रार्थना	—	ईश मनन, याचना	शिवम मंदिर जाकर हमेशा प्रार्थना करता है।
3.	अधिक	—	ज्यादा	बच्चों का शोर बहुत अधिक था।
	पर्याप्त	—	संतोषजनक	मेरे लिए इतना भोजन पर्याप्त है।
4.	इच्छा	—	चाह	मेरी इच्छा मीठा खाने की है।
	अभिलाषा	—	कामना	पुष्प की अभिलाषा है कि उसे वीरों के पथ पर डाला जाए।
5.	अमूल्य	—	अनमोल	पानी अमूल्य है।
	बहुमूल्य	—	बहुत कीमती	हीरा बहुमूल्य है।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

- **कुछ ऐसे महापुरुषों की सूची बनाइए, जिन्होंने अनेक कष्ट सहकर भी मानवता का मार्ग प्रशस्त किया।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **यदि सभी लोग दीन-दुखियों व असहायों की सहायता करें, तो क्या होगा? बताइए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **रानी लक्ष्मीबाई के साथ 1857 की क्रांति में भाग लेने वाले इन वीर स्वतंत्रता**

सेनानियों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए। भारत के दिए गए रेखा मानचित्र में इस संग्राम के प्रमुख केंद्रों को पहचानिए–

उत्तर– वीर स्वतंत्रता सेनानी

1. तात्याँ टोपे, 2. रानी लक्ष्मीबाई, 3. नाना साहेब, 4. रियाकत अली

प्रमुख केंद्र—मेरठ, दिल्ली, ग्वालियर, झाँसी, आगरा, कानपुर, लखनऊ, फैजाबाद, आरा, बैरकपुर।

13. पिता का पत्र

अभ्यास–कार्य

पाठ–ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. पुत्री और पिता ने मिलकर जो लक्ष्य तय किया था वह पूरा हो गया और मन के अपराध बोध से मुक्ति मिल गई।

2. पिता अपनी पुत्री से पुराने संस्कारों और नई उपभोक्ता संस्कृति के दो स्तरों पर संघर्ष करने को कहते हैं।

3. विज्ञान ने आज सिद्ध कर दिया है कि लड़की होना एक जैविक सच्चाई है।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. घर में प्यार से सब उसे **छुटकी** पुकारते थे।

2. बहुत प्यारी थी मेरी **बहन**।

3. तुम तो **विज्ञान की** विद्यार्थी हो।

4. **लड़की** होना सिर्फ एक जैविक है।

5. मैं मानता हूँ कि स्त्रियों के लिए आज भी बहुत कुछ नहीं **बदला** है।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (d) उपर्युक्त सभी

2. (c) महिलाओं को महत्वपूर्ण भूमिकाओं से अलग रखा गया।

3. (c) पिता अपनी दुनिया में ही व्यस्त थे।

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. जब पुत्री को कैंसर जैसी असाध्य बीमारी के बारे में शोध करने तथा उपलब्धि हासिल होने पर गोल्ड मेडल मिलना था। तब पिता ने पुत्री को पत्र लिखा।

2. पिता कहते हैं कि जब तुम मास्क लगाकर कैंसर के जानलेवा सैल्स इकट्ठे करने के लिए अस्पताल–अस्पताल घूमती हो तो मुझे तुम पर गर्व होता है।

3. पिता ने यह भूल की थी कि अपनी पढ़ने योग्य बहन को एक साधारण लड़की समझकर उस पर ध्यान नहीं दिया जिससे बहन पढ़ नहीं पाई। उन्होंने अपना 'भूल–सुधार' अपनी बेटी को पढ़ाकर किया।

4. जैविक सच्चाई का तात्पर्य यह है कि लड़की होने में औरत का कोई हाथ नहीं है और सामाजिक सच्चाई से तात्पर्य यह है कि हमारे समाज में आज भी लड़कियों को बोझ समझा जाता है तथा लड़की पैदा होने पर एक औरत का निरादर किया जाता है।
5. पत्र के आधार पर निरूपमा बुआ का व्यक्तित्व इस प्रकार का था—निरूपमा बुआ हर काम बहुत जल्दी सीख लेती थी तथा पढ़ाई के साथ-साथ माँ के काम में हाथ बँटाती, पिता जी के नहाने के लिए गरम पानी रखती, छत पर कपड़े सूखने डालती। घर के सारे काम करने के साथ-साथ निरूपमा बुआ पढ़ाई में भी बहुत होशियार थी।
6. पिता का व्यवहार अपनी बहन के साथ वैसे तो ठीक था लेकिन जब बहन ने उनसे आगे पढ़ने के लिए कहा था तब उन्होंने उनकी बात पर कोई ध्यान नहीं दिया था। अपनी उसी भूल का प्रायश्चित करने के लिए उन्होंने अपनी बेटी को खूब पढ़ाया।
7. पत्र के अंत में पिता अपनी पुत्री से गोल्ड मेडल लेते हुए एक फोटो अपनी नीरू बुआ को भेजने को कहते हैं, क्योंकि बुआ को बहुत अच्छा लगेगा।

व्याकरण-ज्ञान

(क) समान ध्वनि वाले दो-दो शब्द बनाइए–

उत्तर– सकारात्मक = **कथात्मक, नकारात्मक**
सजावटी = **दिखावटी, बनावटी**
बिकाऊ = **दिखाऊ, टिकाऊ**
गड़गड़ाहट = **खड़खड़ाहट, बड़बड़ाहट**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– इच्छा = **चाह, अभिलाषा**
समारोह = **उत्सव, आयोजन**
बुद्धिमान = **अक्लमंद, होशियार**
कठिन = **दुष्कर, मुश्किल**

(ग) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– गूँज = **ग् + ऊ + अँ + ज् + अ**
हॉल = **ह् + ऑ + ल् + अ**
प्रक्रिया = **प् + र् + अ + क् + र् + इ + य् + आ**
उपलब्धि = **उ + प् + अ + ल् + अ + ब् + ध् + इ**

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में खाली स्थानों की पूर्ति कि/की लिखकर कीजिए–

उत्तर– 1. क्या तुम विद्यालय **की** पिकनिक पर जाओगी?
2. माँ ने बताया **कि** कल मेरी नानी आएँगी।
3. पेड़ **की** डाली फूलों से लदी हुई है।

4. पिता जी **की** चिट्ठी आई है।

5. उन्होंने लिखा है **कि** उनका तबादला हो गया है।

(ङ) भाषा में हम कुछ शब्द-युग्मों का प्रयोग करते हैं। हिंदी में मुख्य रूप से चार प्रकार के शब्द-युग्मों का प्रयोग होता है।

उत्तर– स्वयं कीजिए।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **ऐसे कौन-से कार्यक्षेत्र हैं जहाँ महिलाओं को प्राथमिकता दी जाती है, लिखिए–**

उत्तर– शिक्षा, चिकित्सा सेवाएँ, शिशु पालन केंद्र (आँगन बाड़ी)।

कल्पना की उड़ान

- **महिलाओं को समाज में सकारात्मक और निर्णायक भूमिका क्यों दी जानी चाहिए, बताइए।**

उत्तर– महिलाओं को समाज में सकारात्मक और निर्णायक भूमिका इसलिए दी जानी चाहिए, क्योंकि महिलाएँ ही समाज के मूलभूत ढाँचे का निर्माण करती हैं। बच्चे अपनी आरंभिक शिक्षा अपनी माता से ही प्राप्त करते हैं और यदि महिलाओं के पास सकारात्मक और निर्णायक अधिकार नहीं होंगे तो उनके कर्तव्य निर्वाहन में बाधा उत्पन्न हो जाएगी। समाज को एक उन्नत अवस्था में ले जाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि उसमें महिलाओं की पर्याप्त भागीदारी हो। हम उस समाज को किसी भी अवस्था में आदर्श समाज नहीं कह सकते हैं जहाँ आधी आबादी को दूसरे दर्जे का माना जाए और उसे उसके अधिकारों से वंचित रखा जाए।

खेलकर सीखें

- **दिए गए पोस्टकार्ड में विद्यार्थी अपने पिता को पत्र लिखें–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

14. वन : हमारी अमूल्य संपदा

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. जीवन की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मनुष्य पर्यावरण पर निर्भर है।

2. पेड़-पौधों को हरा सोना कहा जाता है।

3. वृक्षों का प्रयोग घरेलू उपयोग का सामना, दवाइयाँ आदि वस्तुओं के निर्माण में किया जाता है।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक **वायु** को स्वयं पचाकर हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। ये **भूमि** को अधिक तप्त होने से बचाते हैं। वैज्ञानिकों का **अनुमान** है कि यदि **भू-तल** पर वृक्ष न होते तो **पृथ्वी** का तापमान बढ़कर इतना अधिक हो जाता कि **ध्रुवीय** प्रदेशों पर जमी बर्फ पिघल जाती। उस बर्फ के पिघलने से पृथ्वी पर **जल** की मात्रा इतनी अधिक हो जाती कि पूरी पृथ्वी उसमें समा जाती। तब न पृथ्वी पर **मानव** रह पाता, न पशु-पक्षी और न वनस्पति-जगत ही कायम रह पाता।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) वनों में
2. (b) अशुद्ध वायु
3. (a) जनसंख्या विस्फोट
4. (d) पेड़-पौधे

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. हमारे आस-पास, चारों तरफ जो वातावरण हमें दिखाई देता है उसे पर्यावरण कहते हैं। स्वस्थ और सुखी मानव जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण आवश्यक है।

2. प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वनों की महिमा के अनेक उल्लेख उपलब्ध हैं। अथर्ववेद में वनों को समस्त सुखों का स्रोत कहा गया है। गीता में श्रीकृष्ण ने वृक्ष को ईश्वर की विभूति कहकर उसका महत्व स्पष्ट किया है। अग्नि पुराण में वृक्षों को काटने का निषेध किया गया हैं क्योंकि वे परिवार की सुख-समृद्धि के आधार हैं। मत्स्यपुराण में एक वृक्ष को दस पुत्रों के बराबर बताया गया है।

3. प्राचीन काल में वनों में गुरुकुलों की स्थापना इसलिए की जाती थी क्योंकि इसके पीछे यह विचार था कि प्रकृति से संबंध बना रहे।

4. कुछ वृक्ष लगाने से मानसिक कष्ट दूर होते हैं। इसी कारण भारतीय संस्कृति में कुछ पेड़-पौधे; जैसे—'पीपल, आँवला, विल्व (बेल), तुलसी, केला आदि पूजनीय माने गए हैं।'

5. हरे पेड़-पौधों को हरा सोना कहते हैं।

6. वनों में पाए जाने वाले पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक वायु को स्वयं पचाकर हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। ये भूमि को अधिक तप्त होने से रोकते हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि भू-तल पर वृक्ष न होते तो पृथ्वी का तापमान बढ़कर इतना अधिक हो जाता कि ध्रुवीय प्रदेशों पर जमी बर्फ पिघल जाती। उस बर्फ के पिघलने से पृथ्वी पर जल की मात्रा इतनी अधिक हो जाती कि पृथ्वी उसमें समा जाती। तब न पृथ्वी पर मानव रह पाता, न पशु-पक्षी और न वनस्पति-जगत ही।

7. वनों से हमें अनेक लाभ होते हैं। वनों में लगे पेड़ वर्षा में सहायक होते हैं। वृक्षों की घूमती हुई शाखाएँ श्याम मेघमालाओं को जलवृष्टि का निमंत्रण देती हैं। वृक्षों की जड़ें पानी के तेज बहाव को रोकती हैं, जिनसे भूमि संरक्षण में सहायता मिलती है। तेज बहाव रुकने से भूमि की उर्वराशक्ति सुरक्षित रहती है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

शीतल	**ठंडा**	विविध	**विभिन्न**
अतिरिक्त	**अलावा**	सुलभ	**आसान**
संकट	**विपत्ति**	निषेध	**मना**

(ख) शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

प्रोत्साहीत	**प्रोत्साहित**	वृक्षरोपण	**वृक्षारोपण**
वैग्यानिक	**वैज्ञानिक**	अधांधुंध	**अंधाधुंध**
समाजिक	**सामाजिक**	सतुंलन	**संतुलन**

(ग) निम्नलिखित के साथ उपयुक्त प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए–

उत्तर–

सुलभ	**सु**समाचार	**स**जग	**उप**कप्तान
आजीवन	**स**हित	सुलेख	**स**जीव

(घ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

1. शत्रु	**मित्र**	2. बाहर	**अंदर**
3. नापसंद	**पसंद**	4. नया	**पुराना**
5. अवास्तविक	**वास्तविक**		

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **कुछ ऐसे पेड़-पौधों की सूची बनाइए, जिनसे हमें औषधियाँ प्राप्त होती हैं–**

उत्तर– नीम, तुलसी, घृतकुमारी, मेथी, पुदीना, चंदन, हल्दी, ब्राह्मी, दालचीनी, अरण्डी और बबूल आदि।

कल्पना की उड़ान

- **पर्यावरण प्रदूषण दूर करने में छात्र क्या भूमिका निभा सकते हैं? अपनी कल्पना से बताइए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **अपने घर या आस-पास एक पौधा लगाइए और नियमित समय पर उसमें पानी दीजिए।**

  प्रदूषण से क्या-क्या बीमारियाँ होती हैं। इंटरनेट की सहायता से जानकारी प्राप्त कीजिए।

उत्तर– स्वयं कीजिए।

15. प्रेरक प्रसंग

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. डॉ० राजेंद्र प्रसाद के विदेशी मेहमान का मन महानता और प्रशंसा से भर उठा।

2. अनाथ हब्शी बच्चे का पालन-पोषण करने में अमेरिकी महिला को सच्चे आनंद का अनुभव हुआ।

3. भारत के मानचित्र के दूसरी ओर मनुष्य का चित्र बना है। युवक ने मनुष्य के चित्र को जोड़ा भारतवर्ष का चित्र अपने आप बन गया।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. वह विदेशी **डॉ० राजेंद्र प्रसाद** के मित्र थे।

2. वह तो **ईश्वर** की बनाई हुई है।

3. मैं काफी **हताश** हो गई हूँ।

4. **निर्धन** व **अनाथों** की सेवा में ही सच्चा आनंद है।

5. मैंने **मनुष्य** को जोड़ा तो **भारतवर्ष** का चित्र अपने आप बन गया।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) वह ईश्वर की बनाई हुई है। 2. (d) स्वामी रामतीर्थ ने

3. (b) निर्धन एवं अनाथों की सेवा में। 4. (b) भारत

(घ) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

उत्तर– 1. असत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. सत्य 5. असत्य

(ङ) निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– **1. आनंद ..... नहीं चलते।**

भाव– रुपये-पैसे से आनंद या खुशी को प्राप्त नहीं किया जा सकता। आनंद या खुशी प्राप्त करने के लिए तो दीन-दुखियों, निर्धन व अनाथों की सेवा करनी पड़ती है।

2. मानव ..... जुड़ जाएगा।

भाव– यदि देश को एकता के सूत्र में बाँधना है तो सभी मनुष्यों को भाईचारे से एकजुट होना पड़ेगा। जब देश का मानव-मानव जुड़ जाएगा तो देश अपने आप ही एकजुट हो जाएगा।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. डॉ० राजेंद्र प्रसाद ने देश की मिट्टी को नियामत कहा क्योंकि मिट्टी से हम बहुत-सी चीजें बना सकते हैं, परंतु मिट्टी को हम नहीं बना सकते वह तो ईश्वर ने ही बनाई है।

2. विदेशी अतिथि को जब ईश्वर की नियामत मिट्टी के नाचीज होने के स्थान पर अनमोल होने का पता चला तो उसका सिर शर्म से झुक गया।
3. स्वामी रामतीर्थ के पास आई महिला का पुत्र चल बसा था। वह दुखी थी तथा आनंद की प्राप्ति न होने के कारण निराश थी।
4. स्वामी जी ने महिला को समझाया कि निर्धन और अनाथों की सेवा में ही सच्चा आनंद है।
5. विनोबा जी ने छात्रों को समझाया कि देश को जोड़ने के लिए मानव-मानव को जुड़ना जरूरी है। देश में मनुष्यों में मतभेद तो हो पर मनभेद न हो तो देश स्वत: ही उन्नत होगा।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– विदेशी = **व् + इ + द् + ए + श् + ई**
प्रसन्नता = **प् + र् + अ + स् + अ + न् + न् + अ + त् + आ**
वार्तालाप = **व् + आ + र् + त् + आ + ल् + आ + प् + अ**
महिला = **म् + अ + ह् + इ + ल् + आ**
मानचित्र = **म् + आ + न् + अ + च् + इ + त् + र् + अ**
मानवीय = **म् + आ + न् + अ + व् + ई + य् + अ**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

विदेशी	=	**स्वदेशी**	प्रथम	=	**अन्तिम**	मित्र	=	**शत्रु**
बाहर	=	**अन्दर**	सज्जन	=	**दुर्जन**	अंदर	=	**बाहर**
शिक्षित	=	**अशिक्षित**	दुखी	=	**सुखी**	आनंद	=	**विषाद**
अनाथ	=	**सनाथ**	जोड़ने	=	**घटाने**	उन्नत	=	**अवनत**

(ग) निम्नलिखित प्रत्ययों का प्रयोग करके दो-दो शब्द बनाइए–

उत्तर–

ता	=	**सफलता,**	**मधुरता**	दार	=	**हवादार,**	**चौकीदार**
ईय	=	**मानवीय,**	**भारतीय**	पन	=	**बचपन,**	**लड़कपन**
वान	=	**बलवान,**	**धनवान**	आवट	=	**मिलावट,**	**लिखावट**
मान	=	**सम्मान,**	**शक्तिमान**	आहट	=	**घबराहट,**	**सरसराहट**

(घ) उचित क्रिया-रूप द्वारा वाक्य पूर्ण कीजिए–

उत्तर–
1. थोड़ी देर इंतज़ार करना **पड़ा**।
2. इन सबका प्रयोजन समझ में न **आया**।
3. क्या मुझे कभी आनंद **मिलेगा**?
4. महिला ने बच्चा स्वीकार **कर लिया**।
5. भारत का मानचित्र **बनाना** है।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के हिंदी रूप लिखकर वाक्य बनाइए–

उत्तर– इंतजार = **प्रतीक्षा**
वाक्य प्रयोग – छात्रों को कक्षा में अध्यापक के आने का **इंतजार** था।
नियामत = **अमूल्य संपत्ति, दुर्लभ पदार्थ**
वाक्य प्रयोग – मिट्टी ईश्वर की **नियामत** है।

मुलाकात = **भेंट**

वाक्य प्रयोग – विदेशी अतिथि की **मुलाकात** डॉ० राजेन्द्र प्रसाद से हो गई थी।

नाचीज = **महत्वहीन**

वाक्य प्रयोग – विदेशी अतिथि मिट्टी को **नाचीज** समझता था।

हताश = **निराश**

वाक्य प्रयोग – महिला अपने पुत्र की मृत्यु के कारण **हताश** थी।

(च) निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

वायु	=	**हवा,**	**पवन,**	**समीर**
मित्र	=	**सखा,**	**दोस्त,**	**मीत**
भगवान	=	**प्रभु,**	**ईश्वर,**	**परमात्मा**

(छ) 'नाचीज़' शब्द में 'ना' उपसर्ग है तथा 'अनमोल' शब्द में 'अन' उपसर्ग है। आप 'ना' और 'अन' उपसर्ग लगाकर तीन-तीन शब्द बनाइए–

उत्तर–

ना	=	**नापसंद,**	**नादान,**	**नामुमकिन**
अन	=	**अनमोल,**	**अनपढ़,**	**अनजान**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **भारत के प्रथम राष्ट्रपति से वर्तमान राष्ट्रपति के नामों की सूची बनाइए।**

उत्तर– 1. डॉ० राजेंद्र प्रसाद, 2. डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, 3. जाकिर हुसैन, 4. वराहगिरि वेंकट गिरि, 5. फखरुद्दीन अली अहमद, 6. नीलम सजीव रेड्डी, 7. ज्ञानी जैल सिंह, 8. रामास्वामी वेंकट रमण, 9. शंकर दयाल शर्मा, 10. के० आर० नारायणन्, 11. ए० पी० जे० अब्दुल कलाम, 12. प्रतिभा पाटिल, 13. प्रणब मुखर्जी, 14. रामनाथ कोबिंद, 15. द्रोपदी मुर्मू।

कल्पना की उड़ान

- **यदि देश के सभी लोग मिल-जुलकर रहें और आवश्यकता पड़ने पर एक-दूसरे की सहायता करें, तो क्या होगा?**

उत्तर– यदि देश के सभी लोग मिल-जुलकर रहें और आवश्यकता पड़ने पर एक-दूसरे की सहायता करें तो देश स्वत: उन्नत होगा।

खेलकर सीखें

- **दिए गए भारत के नक्शे में रंग भरिए—**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

16. माँ कह एक कहानी

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. राहुल के पिता सवेरे के समय उपवन में भ्रमण करते थे।

2. नया जीवन हंस को मिला।
3. दया का दानी सिद्धार्थ था।

लिखित प्रश्न

(ख) कविता को पढ़कर उत्तर दीजिए–

उत्तर–
- कहानी राहुल की माता यशोधरा सुना रही हैं।
- 'तू मेरी नानी की बेटी', राहुल ने अपनी माँ को कहा।
- माँ कहानी पुत्र राहुल को सुना रही हैं।
- उपवन में भ्रमण राहुल के पिता गौतम बुद्ध करते थे।
- फूल उपवन में खिलते थे।
- उपवन के पास बहने वाला पानी लहराता था।
- बच्चा राजा या रानी की कहानी सुनना चाहता है।
- खग कलरव करते हुए मधुर स्वर में गाते थे।
- ऊपर से एक हंस बाण से घायल होकर गिरा।
- घायल हंस को दया के दानी राहुल के पिता ने उठाया।
- नया जीवन हंस को मिला।
- निर्णय करने की बात राहुल की माता ने की।
- निरपराध हंस था।
- न्याय और दया के दानी राहुल के पिता थे।
- माता ने ही न्याय पक्ष लेने की बात की।
- आहत पक्षी देवदत्त ने माँगा।
- रक्षक राहुल के पिता थे।
- हंस पर किसका अधिकार है इस बात पर विवाद हुआ।
- मारने वाले से बचाने वाले का अधिकार अधिक होता है इसलिए यह कहानी प्रसिद्ध हुई।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) मैथिलीशरण गुप्त 2. (c) सुगंध
3. (d) राहुल के पिता ने 4. (b) खगभक्षी

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. लड़के की माँ उसकी नानी की बेटी है।
2. राहुल लेटे-ही-लेटे कहानी सुनाने की बात अपनी माता से कर रहा है।
3. राजा राहुल के पिता थे।
4. एक कहानी सुनाने की जिद राहुल कर रहा है।
5. यशोधरा अपने बेटे को उसके पिता सिद्धार्थ की कहानी सुना रही है।
6. ''तू मेरी नानी की बेटी!'' पंक्ति से कवि का तात्पर्य है कि राहुल कहता है

कि—जिस प्रकार नानी कहानी सुना सकती है उसी प्रकार तुम भी नानी की तरह ही कहानियाँ सुना सकती हो।

7. जहाँ गौतम बुद्ध भ्रमण करते थे, वहाँ पर सुगंधित हवा बह रही थी। रंग-बिरंगे तरह-तरह के फूल खिले हुए थे जिन पर ओस की मोती रूपी बूँद पड़ी हुई थीं हवा के झोंकों से बहता पानी लहरा रहा था। पेड़ों पर पक्षी कलरव करते थे। वहाँ का वातावरण मन मोहक था।
8. हंस को देवदत्त ने अपनी स्वार्थ सिद्धि हेतु मारा था।
9. हंस का रक्षक सिद्धार्थ था, उसके घाव पर मरहम पट्टी करके, उसे पानी पिलाकर व न्यायालय से उसे प्राप्त कर उसकी रक्षा की।
10. विवाद बढ़ने पर भी यह निर्णय नहीं हो पा रहा था कि वह हंस मारने वाले का है या बचाने वाले का इसलिए बात न्यायालय तक पहुँच गई।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

कहानी	=	**कथा**	माँ	=	**जननी**	बेटा	=	**सुत**
राजा	=	**नरेश**	उपवन	=	**वाटिका**	सुरभि	=	**खुशबू**
फूल	=	**पुष्प**	पानी	=	**जल**	खग	=	**पक्षी**
आखेटक	=	**शिकारी**	हानि	=	**नुकसान**	सहसा	=	**अचानक**

(ख) वाक्यों में प्रयुक्त विराम-चिह्नों को पहचानकर उनके नाम लिखिए–

उत्तर–

''माँ, कह एक कहानी''	**अवतरण चिह्न, अल्प विराम**
राजा था या रानी?	**प्रश्नवाचक चिह्न**
तात भ्रमण करते थे तेरे,	**अल्प विराम**

(ग) निम्नलिखित क्रियाओं का तीनों कालों में प्रयोग कर वाक्य बनाइए–

	वर्तमान काल	**भूतकाल**	**भविष्यत् काल**
पकड़ना =	वह शिकारी हिरन पकड़ता है।	शिकारी ने कल एक हिरन पकड़ा था।	वह शिकारी कल हिरन को पकड़ लेगा/या पकड़ेगा।
उड़ना =	आज पिंजरे से चिड़िया उड़ रही है।	कल पिंजरे से तोता उड़ा था।	कल इस पिंजरे से मैना भी उड़ जाएगी/उड़ेगी।
खेलना =	आज वह खो-खो खेलता है।	कल मैंने खो-खो खेला था।	कल रमेश भी खो-खो खेलेगा।
बैठना =	आज उस पेड़ पर हंस बैठा है।	कल पीपल के पेड़ पर बगुला बैठा था।	कल इसी पेड़ पर देख लेना मोर भी बैठेगा।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **इस कविता की कहानी को संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए–**

उत्तर– एक दिन की बात है, सिद्धार्थ अपने उपवन में भ्रमण कर रहे थे। तभी एक घायल

हंस उनके सामने आ गिरा। उसे देखते ही सिद्धार्थ ने उसे अपनी गोदी में उठा लिया और धीरे-धीरे हंस को सहलाने लगे। उन्होंने पास के सरोवर में जाकर उसके घाव को धोकर तीर को निकाला और उसके घाव पर पट्टी बाँधी। उसी समय वहाँ सिद्धार्थ का चचेरा भाई देवदत्त आ गया।

देवदत्त—सिद्धार्थ यह हंस मेरा है। यह मेरा शिकार है।

सिद्धार्थ—नहीं देवदत्त यह हंस मेरा है। यह तो कब का दम तोड़ देता यदि मैं सही समय पर इसका उपचार न करता।

देवदत्त—दम तोड़ देता तो क्या? ''यह तो मेरा शिकार है, मैंने इसे इसीलिए तो मारा है। तुम जबरदस्ती मेरे शिकार को हड़पना चाहते हो।''

इस तरह दोनों भाईयों में हंस के लिए वाद-विवाद होने लगा, दोनों ने मिलकर फैसला किया कि यह हंस किसका है। इस बात का निर्णय महाराज शुद्धोधन के पास जाकर ही होगा। राजदरबार में जाकर दोनों भाइयों ने महाराज के समक्ष अपना-अपना तर्क रखा।

महाराज शुद्धोधन विचार करके बोले—चूँकि ये हंस देवदत्त का शिकार है। इसलिए इस पर पहला अधिकार देवदत्त का है। परंतु सिद्धार्थ ने इसकी जान बचाई है। और मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है। इसलिए यह हंस सिद्धार्थ का हुआ। महाराज शुद्धोधन का निर्णय सुनकर सिद्धार्थ की आँखों में चमक आ गई और वे उस हंस को सहलाने लगे।

कल्पना की उड़ान

- **यदि आपको किसी पक्षी की जान बचानी हो तो आप क्या करेंगे? बताइए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **दिए गए पक्षियों को पहचानकर इनके नाम लिखिए।**

उत्तर– बतख, हंस, मोर, गौरैया।

17. यमराज का निमंत्रण

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. पंडित गुणगानी राजा की झूठी बड़ाई करता था।

2. यमदूत राजा को नरक ले जाने के लिए आया था।

3. रानी चाहती थी कि अब मेरा बेटा राजा बने और मैं राजमाता कहलाऊँ।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. **अन्नदाता,** मैं कभी आपकी **झूठी** बड़ाई नहीं करता।

2. आप ऐसे वीर हैं कि जब आप चलते हैं, तो **पृथ्वी** डगमगाने लगती है, **हिमालय** थर्राने लगता है।
3. मेरे पहरेदार तुम्हारे हाथों में **हथकड़ी** पहनाकर तुम्हें **काल कोठरी** में डाल देंगे।
4. सब लोग **समुद्र** में कूदकर प्राण दे देंगे।
5. मेरे न रहने से राज्य का सारा **काम-काज** बिगड़ जाएगा।

(ग) निम्नलिखित कथनों के सामने 'सत्य' अथवा 'असत्य' लिखिए–

उत्तर– 1. सत्य 2. असत्य 3. सत्य 4. असत्य 5. असत्य

(घ) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) महामाया 2. (a) राजा का भाट

3. (c) यमदूत को 4. (a) नरक में

(ङ) किसने, किससे कहा?

उत्तर– 1. **मंत्री** ने, **राजा** से 2. **राजा** ने, **रानी** से

3. **पंडित गुणगानी** ने, **राजा** से 4. **यमदूत** ने, **राजा** से
5. **राजा** ने, **यमदूत** से 6. **मंत्री** ने, **यमदूत** से

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

उत्तर– 1. रानी ने राजा की प्रशंसा इन शब्दों में की—"महाराज, आपके समान कोई दूसरा राजा इस धरती पर नहीं है।"

2. राजा ने यमदूत से कहा, मैं आपके साथ चलने को तैयार हूँ पर सच मानिए, मेरे न रहने से राज्य का सारा काम-काज बिगड़ जाएगा। सब लोग समुद्र में कूदकर प्राण दे देंगे। प्रजा अनाथ हो जाएगी। आप विश्वास कीजिए। लोग मेरे बिना बहुत दुखी होंगे। चाहे तो आप रानी, मंत्री, गुणगानी पंडित से पूछकर इस बात की परीक्षा लेकर देख लीजिए।
3. यमदूत ने धर्मराज का रूप इसलिए धारण किया ताकि सब लोग सच बोल सकें।
4. यमदूत ने रानी से पूछा—हे महारानी! यह आपके पति का शव है। क्या आप चाहती हैं कि मैं इन्हें जिंदा कर दूँ? फिर यमदूत ने मंत्री से पूछा, राजा का शव देख रहे हो? क्या इन्हें कुछ दिन और संसार में रहना चाहिए। इसके बाद यमदूत ने भाट से कहा, तुम राजा के भाट थे। अब वह संसार में नहीं रहे। तुम उनकी बड़ाई में दो शब्द कह दो।
5. राजा की मृत्यु के विषय में जानकर रानी बोली, "मैं तो इनसे बहुत परेशान थी। अच्छा है, अब मेरा बेटा राजा बनेगा और मैं राजमाता कहलाऊँगी।" इसके बाद राजा की मृत्यु के बारे में जानकर भाट बोला, "प्रभु क्या कहें। राजा तो ऐसा

घमंडी था कि पूछो मत। अपनी झूठी प्रशंसा से फूला रहता था। हम तो झूठी प्रशंसा करते-करते थक गए। अच्छा हुआ जान छूटी। अब हमें और झूठ तो न बोलना पड़ेगा।''

6. राजा को रानी, मंत्री और गुणगानी भाट के विषय में यह भ्रम था कि ये सभी मुझसे बहुत प्रेम करते हैं और मेरे बिना नहीं रह सकते। लेकिन जब उसने यमदूत द्वारा उन तीनों के विचारों को जाना तो राजा का वह भ्रम टूट गया।
7. इस एकांकी में यह संदेश अंतर्निहित है कि हमें अपने जीवन में हमेशा अच्छे कार्य करने चाहिएँ तथा दूसरों से अच्छा व्यवहार करना चाहिए क्योंकि अच्छे कर्म और अच्छा व्यवहार करने से ही दूसरे लोग हमारी प्रशंसा करते हैं, हमारा आदर करते हैं। जबरदस्ती किसी से अपनी प्रशंसा करवाना व्यर्थ है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्न शब्दों को शुद्ध करके लिखिए-

उत्तर- प्रसंसा = **प्रशंसा** परताप = **प्रताप** जरुरत = **जरूरत**
प्रथवी = **पृथ्वी** दुत = **दूत** प्राथरना = **प्रार्थना**
दुष्ठ = **दुष्ट** पराण = **प्राण** सनसार = **संसार**
रिशवत = **रिश्वत**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

उत्तर- प्रशंसा = **बड़ाई** रोज = **प्रतिदिन** पुस्तक = **किताब**
सच = **सत्य** लक्ष्मी = **नारायणी** आँख = **नेत्र**
पृथ्वी = **धरती** सूर्य = **भास्कर** चंद्र = **चाँद**
संसार = **जगत** प्रार्थना = **विनती** राजा = **नृप**

(ग) निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलकर लिखिए-

उत्तर— मंत्री = **मंत्रियों** वीर = **वीरों** नारी = **नारियाँ**
महल = **महलों** रानी = **रानियाँ** तलवार = **तलवारें**
पुस्तक = **पुस्तकें** द्वारपाल = **द्वारपालों** वर्ष = **वर्षों**
पंडित = **पंडितों**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के समास-विग्रह कीजिए-

उत्तर- अन्नदाता = **अन्न का दाता** कालकोठरी = **काल की कोठरी**
द्वारपाल = **द्वार का पाल** चंद्र-सूर्य = **चंद्र और सूर्य**
धर्मराज = **धर्म का राजा** राजमाता = **राजा की माता**
यमदूत = **यम का दूत** महाप्रभु = **महान है जो प्रभु**

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापद छाँटकर अकर्मक-सकर्मक लिखिए-

उत्तर- 1. गोली मारी = **सकर्मक** 2. चलाई = **अकर्मक**
3. हूँ = **अकर्मक** 4. बोलते = **सकर्मक**
5. हो = **अकर्मक**।

(च) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए–

उत्तर–

अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	—	**अपनी प्रशंसा स्वयं करना**
गागर में सागर भरना	—	**थोड़े में अधिक कहना**
आँखों का तारा होना	—	**बहुत प्यारा होना**
गाँठ बाँध लेना	—	**सीख लेना**
आसमान से चाँद चुरा लाना	—	**दुर्लभ कार्य करना**
अहंकार में चूर होना	—	**घमंड से भरा होना**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **इस एकांकी की लघुकथा के रूप में लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **हमारे प्राचीन ग्रंथों में वर्जित यमराज के चरित्र के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए। उसके आधार पर यमराज का चरित्र-चित्रण कीजिए। प्रथम पंक्ति के आधार पर कथानक को पूर्ण कीजिए।**
- **यमराज को यमपूरी का अधिपति माना जाता है।**

उत्तर–

- यमराज सूर्यदेव के पुत्र और शनि देव के सौतेले भाई हैं।
- धर्मराज यम मृत्यु के देवता हैं।
- यमराज के पास चार नजर वाले कुत्ते हैं।
- यमराज व्यक्ति की आत्मा को उसके कर्मानुसार मृत्यु के बाद उपर्युक्त स्थान प्रदान करते हैं।

खेलकर सीखें

- **निम्नांकित निमंत्रण-पत्र को अपनी इच्छानुसार पूर्ण कीजिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

1. मनभावन सावन

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. सावन की बूँदें तरुओं से छनकर गिर रही हैं।
2. ताड़ के पत्ते पंखों के समान फैले हैं।
3. कविता के अंतिम अंश में कवि ने खुशी का भाव व्यक्त किया है।

लिखित प्रश्न

(ख) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. झम-झम-**झम-झम मेघ बरसते हैं सावन के,**
छम-छम-छम गिरती बूँदें तरुओं से छन के,
चम-चम बिजली चमक रही रे उर में घन के,
थम-**थम दिन के तम में सपने जगते मन के**।।

2. रिमझिम-**रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,**
रोम **सिहर उठते, छूते वे भीतर अंतर,**
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज **के कण-कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर**।।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) झम-झम
2. (b) तड़-तड़
3. (b) बेला और हरसिंगार
4. (d) सुमित्रानंदन पंत

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. नीम के पेड़ की डाली झूम-झूमकर सिर हिला रही है।
2. आकाश में बादल घिरकर घुमड़-घुमड़ कर गरज रहे हैं।
3. कविता में कवि सबको इंद्रधनुष के झूले में झूलने का संदेश दे रहा है।
4. वर्षा होने पर मेढक टर्र-टर्र की ध्वनि करते हैं।

व्याकरण-ज्ञान

(क) उचित शब्द छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. हम उस **बँगले** में रहते हैं।
2. यह सड़क तीस **फुट** चौड़ी है।
3. इस **कारखाने** के मालिक आज नहीं आए हैं।
4. उसकी **आँखों** से पानी बह रहा है।
5. अध्यापिका जी कक्षा के सारे **लड़कों** को बुला रही हैं।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को पहचानकर उनके प्रकार लिखिए–

उत्तर– 1. विधानवाचक वाक्य 2. प्रश्नवाचक वाक्य
3. निषेधवाचक वाक्य 4. विधानवाचक वाक्य
5. आज्ञावाचक वाक्य 6. प्रश्नवाचक वाक्य

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम तथा तद्भव शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर–

तत्सम	**तद्भव**	**तत्सम**	**तद्भव**
मुख	**मुँह**	तृण	**तिनका**
श्रावण	**सावन**	स्वप्न	**सपना**
शीश	**सिर**	पक्ष	**पंख**

(घ) निम्नलिखित शब्दों में अंतर स्पष्ट करते हुए वाक्य बनाइए–

उत्तर–
1. वश = आज समय पर मेरा **वश** नहीं है।
   वंश = रामचंद्रजी रघु**वंश** के राजा थे।
2. सत = **सत** से भरा जीवन ही वास्तविक जीवन होता है।
   संत = हमें **संत** जनों की संगति में रहना चाहिए।
3. चिता = चिंता **चिता** से बढ़कर होती है।
   चिंता = **चिंतित** होने पर मोहन ने राम से कहा तुम चिंता मत करो, सब-कुछ मुझ पर छोड़ दो।
4. पथ = हमें हमेशा सच्चाई के **पथ** पर चलना चाहिए।
   पंथ = मैं बाजार सब्जी खरीदने गई थी, साथ ही कपड़े भी ले आई। इसे कहते हैं एक **पंथ** दो काज।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के लिंग निर्धारित कीजिए–

उत्तर–

ताँबा = **पुल्लिग**	कैलाश = **पुल्लिग**	रविवार = **पुल्लिग**
लुटिया = **स्त्रीलिंग**	गंगा = **स्त्रीलिंग**	लड़की = **स्त्रीलिंग**
नेपाली = **पुल्लिंग**	मंगल = **पुल्लिग**	एकादशी = **स्त्रीलिंग**
पृथ्वी = **स्त्रीलिंग**		

(च) निम्नलिखित शब्दों के वचन निर्धारित कीजिए–

उत्तर–

धातु = **एकवचन**	डाली = **एकवचन**	मक्खियाँ = **बहुवचन**
कथाएँ = **बहुवचन**	पत्तियाँ = **बहुवचन**	सड़क = **एकवचन**
चींटी = **एकवचन**	गुरु = **एकवचन**	लड़की = **एकवचन**
कुरते = **बहुवचन**	पुस्तकें = **बहुवचन**	महिलाएँ = **बहुवचन**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **कविता को कंठस्थ कीजिए और कक्षा में लयपूर्वक सुनाइए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **इंद्रधनुष का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **वर्षा से संबंधित पाँच वाक्य लिखिए–**

उत्तर–
1. वर्षा हमारे लिए अत्यंत उपयोगी है।
2. वर्षा फसलों को जीवन प्रदान करती है।
3. वर्षा से नदी ताल, पोखर आदि भर जाते हैं।
4. वर्षा हमें गर्मी से राहत प्रदान करती है।
5. वर्षा हमारे संसार को हरा-भरा बना देती है।

2. जुर्माना

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर–
1. गीता का वेतन 600 रुपये था।
2. सफाई-दारोगा का नाम सुरेंश था।
3. गीता के पति का नाम महेंद्र था।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर–
1. सुरेश की मातहती में **सैकड़ों** नौकरानियाँ थीं।
2. उस दिन उसका मन जैसे **सुली पर** टँगा रहता।
3. वह **सिर झुकाए** वेतन लेने जाती।
4. गीता के चेहरे का रंग **उड़ गया**।
5. खजांची ने पूरे **600** रुपये उसके हाथ पर रख दिए।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर–
1. (c) जुर्माना
2. (b) गीता का
3. (a) बच्ची बीमार थी
4. (d) 3 वर्षों में

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर–
1. जब गीता अपनी लड़की को डाँटते समय दारोगा सुरेश को बुरा-भला कह रही थी तभी सुरेश उसके सामने आ गया। तब गीता ने सोचा कि शायद सुरेश ने सुन लिया है और वह इस बार उसका आधा वेतन काट लेगा।
2. गीता अपनी बीमार लड़की को साथ लाई थी और उस पर ध्यान न देकर सफाई कर रही थी। काम के प्रति लगन का यह दृश्य देखकर सुरेश के मन में गीता के प्रति सहानुभूति पैदा हुई।

3. 'सब-कुछ सुनकर भी दारोगा नाराज नहीं हुआ।' यह सोचकर-समझकर गीता इसलिए भयभीत हो उठी क्योंकि गीता ने समझ लिया था कि अब दारोगा उसे नौकरी से निकाल देगा और उसका आधा वेतन भी काट लेगा।
4. छुट्टी करने तथा दारोगा को गाली देने पर भी दारोगा ने गीता को पूरा वेतन दिया था। इसलिए दारोगा को गाली देने पर गीता को पश्चात्ताप हुआ।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– भारी = **हल्का** ठंड = **गर्मी** रात = **दिन**
सिर = **पैर** खूबसूरत = **बदसूरत** भाग्य = **दुर्भाग्य**
पास = **दूर** दुआ = **बद्दुआ**

(ख) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए तथा अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– नाक में दम करना = **परेशान होना**
वाक्य प्रयोग – स्कूल बंद होने के कारण बच्चों ने **नाक में दम कर रखा है**।
बाल-बाल बचना = **कठिनाई से बचना**
वाक्य प्रयोग – गाँव में बाढ़ आने पर झुग्गी-झोंपड़ी वाले **बाल-बाल बचे**।
घड़ों पानी पड़ना = **शर्मिंदा होना**
वाक्य प्रयोग – रवि कक्षा में चोरी करते पकड़ा गया। पकड़े जाने पर रवि पर **घड़ों पानी पड़ गया**।
भीगी बिल्ली बनना = **डरपोक होना**
वाक्य प्रयोग – कमजोर लोग चोर-लूटेरों के सामने **भीगी बिल्ली बन जाते हैं**।
मुँह छिपाना = **लज्जित होना**
वाक्य प्रयोग – चोरी करते हुए पकड़े जाने पर चोर **मुँह छिपाने लगा**।

(ग) दिए गए उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलिए–

उत्तर– 1. वह उठ गया। वह चला गया।
2. लड़की चिल्लाई। वह बेहोश हो गई।
3. वह घबराया। उसने आँखें मूँद लीं।
4. औरतों ने गीता को देखा। वे कानाफूसी करने लगी।
5. गीता ने अपना नाम सुना। वह चौंक पड़ी।

(घ) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए–

उत्तर– लंबाई = **लंबा** कालिमा = **काला** उदासी = **उदास**
एकता = **एक** ठंडक = **ठंडा** भलाई = **भला**
भूख = **भूखा** परोपकार = **परोपकारी**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– वेतन = **तनख्वाह** समय = **काल** परीक्षा = **इम्तहान**
मगर = **किंतु** दूध = **दुग्ध** ज्वर = **बुखार**

ठंड़ = **शीत** काम = **कार्य** हाथ = **कर**

उपहास = **मजाक**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

- **'अधिकारी वर्ग और अधीनस्थ कर्मचारीगण के आपसी आदर्श संबंधों पर अपने सहपाठियों से चर्चा कीजिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

- **हमें किसी भी व्यक्ति के लिए अपशब्दों का प्रयोग क्यों नहीं करना चाहिए? बताइए।**

उत्तर– हमें किसी भी व्यक्ति के लिए अपशब्दों का प्रयोग इसलिए नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे उसके मन में हमारे लिए घृणा का भाव उत्पन्न होता है और यह हमारी मानसिक शांति को भंग कर सकता है।

- **दिए गए बॉक्स में स्वच्छ भारत अभियान से संबंधित चित्र दिया गया है। जानकारी प्राप्त कीजिए कि यह अभियान कब शुरू किया गया था और इसे शुरू करने के पीछे क्या उद्देश्य था? अपनी जानकारी के आधार पर कक्षा में चर्चा कीजिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

3. अपराजिता

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. डॉ० चंद्रा के। 2. डॉ० चंद्रा को।

3. मन की बात जानने वाला।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. अपनी **शानदार** कोठी में उसे पहली बार देखा।

2. मैं फिर नित्य **नियत** समय पर उसका यह विचित्र **आवागमन** देखती।

3. कहानी सुनी तो **दंग रह गई**।

4. एक वर्ष तक **कष्टसाध्य** उपचार चला।

5. मैं एक सफल **शल्य चिकित्सक** नहीं बन पाऊँगी।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) अपराजिता 2. (c) पोलियो

3. (a) प्रोफेसर सेठना के 4. (d) 1976 में

(घ) निम्नलिखित वाक्यांशों के सही जोड़े बनाइए–

उत्तर– 1. (iii) 2. (v)
3. (i) 4. (ii)
5. (iv)

(ङ) निम्नलिखित पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– ''ईश्वर सब ..... खोल देता है।''

भाव– व्यक्ति को जीवन में अनेक बार ऐसा लगता है कि सब कुछ समाप्त हो चुका है और वह हताश होकर अपना कार्य छोड़ देता है परंतु जीवन में हार न मानने वाले व्यक्ति निरंतर अपने कार्य में लगे रहते हैं तो वे सफलता प्राप्त कर लेते हैं तब यह सिद्ध हो जाता है कि सफलता के मार्ग हमेशा खुले रहते हैं।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर–

1. जब लेखिका ने देखा धीरे-धीरे बिना किसी सहारे के, कार से डॉ० चंद्रा ने अपने निर्जीव निचले धड़ को बड़ी दक्षता से नीचे उतारा, फिर बैसाखियों से ही व्हील चेयर तक पहुँच उसमें बैठ गईं और बड़ी तत्परता से उसे स्वयं चलाती कोठी के भीतर चली गईं। ये सब देखकर लेखिका आश्चर्यचकित हो गई।
2. लेखिका ने लखनऊ के उस मेधावी युवक से कहानी पढ़ने का आग्रह किया जो रेल से एक भुजा विच्छिन्न होने के कारण उसके दुख में नशे का आदी हो गया है। लेखिका ने यह आग्रह इसलिए किया है क्योंकि डॉ० चंद्रा के शरीर की अक्षमताओं को जानकर उसे अहसास हो जाएगा कि उसकी तो केवल एक भुजा ही शरीर से अलग हुई है शरीर के शेष अंग तो कार्य करने में सक्षम हैं इससे उसमें जीवन के प्रति नई आशा व उत्साह का संचार होगा और वह जीवन सुखपूर्वक बिताएगा।
3. डॉ० चंद्रा की शिक्षा-दीक्षा बंगलौर में उनकी माता की सहायता से हुई।
4. मिसेज सुब्रह्मण्यम् ने अपनी पुत्री की शिक्षा प्राप्ति में प्रारंभ से लेकर डॉक्टरेट करने तक पूरी सहायता की। इसलिए उन्हें 'वीर जननी' का पुरस्कार मिला।
5. डॉ० चंद्रा ने प्राणीशास्त्र में एम०एस०सी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जर्मन भाषा में विशेष योग्यता प्राप्त की, गर्ल गाइड में राष्ट्रपति का स्वर्ण कार्ड पाने वाली प्रथम अपंग बालिका बनीं, डॉक्टरेट की डिग्री ग्रहण की।

व्याकरण-ज्ञान

(क) 'उपसर्ग' लगाकर नए शब्द बनाइए–

उत्तर– उत्साह = **निरुत्साह** साहस = **दुस्साहस** दीर्घ = **सुदीर्घ**
रुचि = **सुरुचि** रुद्ध = **अवरुद्ध** चल = **अचल**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर– विधाता = **भगवान** विलक्षण = **असाधारण** विच्छिन्न = **पृथक**
उत्कृष्ट = **उत्तम** सामान्य = **साधारण** साधना = **तपस्या**
शक्ति = **ताकत** व्यर्थ = **बेकार**

(ग) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– विधाता = रमेश आत्म विश्वासी होने के कारण विपत्ति के समय **विधाता** को दोषी नहीं ठहराता है।

रिक्तता = श्रेया को अपने जीवन की **रिक्तता** बहुत छोटी लगती है।

नतमस्तक = राम गुरु के आगे **नतमस्तक** हो गया।

आश्चर्य = ममता मुझे **आश्चर्य** से देख रही थी।

दक्षता = सीमा को सिलाई कला में **दक्षता** प्राप्त थी।

आवागमन = मयंक के घर उसका रोज **आवागमन** होता रहता था।

(घ) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– देवांगना = **देव + अंगना** निर्जीव = **निः + जीव**

सहानुभूति = **सह + अनुभूति** पक्षाघात = **पक्ष + आघात**

सज्जन = **सत् + जन** विद्यालय = **विद्या + आलय**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर– पिछली = **अगली** कठोर = **कोमल** निर्जीव = **सजीव**

सुगम = **दुर्गम** साहसी = **दुस्साहसी** मृत्यु = **जीवन**

दुःख = **सुख** कठिन = **सरल**

(च) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए–

उत्तर– 1. मैंने 2. उसकी, हमारे 3. वह, उसे, स्वयं

4. आप, उन्हें, मेरा 5. वे, मुझे

(छ) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर–

द्वार =	**दरवाजा**	काया =	**शरीर**
कठोरतम =	**सबसे कठोर**	स्वयं =	**अपने आप**
विषाद =	**दुःख**	पुरस्कार =	**इनाम**
प्रगति =	**उन्नति**	बुद्धि =	**अक्ल**
अंतिम =	**आखिरी**	विशेष =	**खास**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **प्राचीन भारत के प्रसिद्ध शल्य-चिकित्सक सुश्रूत के विषय में पता करके लिखिए–**

उत्तर– शल्य-चिकित्सा के पितामह और सुश्रुत संहिता के प्रणेता आचार्य सुश्रुत का जन्म छठी शताब्दी ईसा पूर्व काशी में हुआ था। इन्होंने धन्वन्तरि से शिक्षा प्राप्त की थी। सुश्रुत संहिता को भारतीय चिकित्सा पद्धति में विशेष स्थान प्राप्त है। सुश्रुत संहिता में सुश्रुत को विश्वामित्र का पुत्र कहा है। सुश्रुत ने काशीपति दिवोदास से शल्य यंत्र का उपदेश प्राप्त किया था। काशीपति दिवोदास का समय ईसा पूर्व की दूसरी या तीसरी सदी संभावित है। सुश्रुत का नाम आयुर्वेद से भी प्रसिद्ध है। यह सुश्रुत

राजऋषि शलिहोत्र के पुत्र कहे जाते हैं। सुश्रुत संहिता में शल्य चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाया गया है। शल्य क्रिया के लिए 125 तरह के उपकरणों का उपयोग करते थे। ये उपकरण शल्य क्रिया की जटिलता को देखते हुए खोजे गए थे। इन उपकरणों में विशेष प्रकार के चाकू, सुइयाँ, चिमटियाँ आदि हैं। सुश्रुत ने 300 प्रकार की ऑपरेशन प्रक्रियाओं की खोज की। सुश्रुत ने कॉस्मेटिक सर्जरी में विशेष निपुणता हासिल कर ली थी। सुश्रुत नेत्र शल्य चिकित्सा भी करते थे। सुश्रुत संहिता में मोतिया बिंद के ऑपरेशन करने की विधि को विस्तार से बताया गया है। उन्हें शल्य क्रिया द्वारा प्रसव कराने का भी ज्ञान था। सुश्रुत को टूटी हुई हड्डियों का पता लगाने और उनको जोड़ने में विशेषज्ञता प्राप्त थी। सुश्रुत को मधुमह व मोटापे के रोग की भी विशेष जानकारी थी। सुश्रुत श्रेष्ठ शल्य चिकित्सक होने के साथ-साथ श्रेष्ठ शिक्षक भी थे।

कल्पना की उड़ान

- **आप विकलांगों अथवा नि:सहाय लोगों की सहायता किस प्रकार कर सकते हैं? बताइए।**

उत्तर– स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार आदि विकलांग व्यक्तियों की कुछ समस्याएँ हैं। हालांकि स्वास्थ्य क्षेत्र विशेष रूप से ग्रामीण भारत में विकलांगता के प्रतिसक्रिय रूप से प्रतिक्रिया करने में विफल रहा है। विकलांग व्यक्तियों को भी उन्हीं सेवाओं और अवसरों तक पहुँच की आवश्यकता होती है। जो विकलांगता रहित व्यक्तियों को मिलती हैं। उदाहरण के लिए उन्हें स्कूल जाना, स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करना और आय अर्जित करना आवश्यक है। उन्हें पूर्वास जैसी विशिष्ट सेवाओं और व्हीलचेयर या ब्रेल सामग्री जैसे सहायक उपकरणों तक पहुँच की भी आवश्यकता है।

खेलकर सीखें

- **दिए गए व्यक्तियों के चित्र पहचानकर इनके नाम लिखिए–**

उत्तर–

सूरदास

सुधा चंद्रन

लुईस ब्रेल

हेलेन केलर

4. भीमा

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. भीमा हजारी को काका कहकर पुकारता था।

2. बर्तनों की सफाई न होने के कारण हजारी ने भीमा की पिटाई की।

3. भीमा रोज हजारी के दो घंटे पैर दबाता था इसलिए वह लेखक के भी पैर दबाने लगा।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. एक छींका जिसमें **आठ-दस** गिलास रखे हैं।
2. भीमा का रंग **गेहुँआ** था।
3. भीमा **निराश** हो गया।
4. भीमा की सारी दुनिया हजारी के **होटल** में सिमट आई थी।
5. भीमा के चेहरे से **प्रसन्नता** झलकने लगी।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) पास में क्लिनिक था
2. (a) वह उसे पढ़ाना चाहते थे
3. (c) बाल-श्रम
4. (d) लगभग आठ-नौ साल

(घ) किसने, किससे कहा?

उत्तर– 1. **हजारी** ने **भीमा** से
2. **भीमा** ने **हजारी** से
3. **भीमा** ने **हजारी** से
4. **अध्यापक लेखक** ने **भीमा** से
5. **भीमा के पिता** ने **अध्यापक (लेखक)** से

(ङ) निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– 1. **आशय –** भीमा बहुत छोटी आयु में ही आजीविका कमाने का कार्य करने लगा।
2. **आशय –** भारत देश में भीमा की तरह के अनेकों बच्चे बचपन में ही रोजगार करने में लग जाते हैं और अशिक्षित व श्रमिक बनकर ही रह जाते हैं।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. मालिक हजारी द्वारा बनाई गई सुबह की चाय को भीमा ग्राहकों को दे आता। फिर अपनी नन्ही अंगुलियों के बीच चार-पाँच गिलासों को उठाकर टंकी पर धोने ले जाता। धूले गिलासों को टेबल पर रखे छींके में पंजों के बल खड़ा होकर जमा देता। यह क्रम उसकी नियति बन गया था।
2. होटल का मालिक भीमा के साथ बुरा व्यवहार करता था उसे छोटी-छोटी बातों पर डाँटता था। उसकी जरूरतों का ध्यान नहीं रखता था। उसे खाने को पर्याप्त व अच्छा भोजन नहीं देता था।
3. लेखक को भीमा के बारे में जानकारी मिली कि उसकी माता ने उसके भरण-पोषण के दायित्व से मुक्त होने के लिए उसे हजारी को बेच दिया था। वह पढ़ना-लिखना चाहता था, परंतु उसका पिता उसे स्कूल नहीं भेजता था।
4. भीमा ने लेखक के साथ जाने का निर्णय लेकर सही किया क्योंकि उनके साथ रहकर वह पढ़-लिखकर योग्य व्यक्ति बन जाएगा।
5. जब लेखक को भीमा ने बताया कि वह प्रतिदिन दो घंटे हजारी के पाँव दबाता था तो यह सुनकर उसकी आँखें भर आईं।

व्याकरण-ज्ञान

(क) 'बे' उर्दू का उपसर्ग है, जिसका अर्थ है 'बिना'। निम्नलिखित शब्दों में 'बे' उपसर्ग लगाकर इनका अर्थ लिखिए–

उत्तर–

				निर्मित शब्द	अर्थ
बे	+	रोजगार	=	**बेरोजगार**	**बिना रोजगार के**
बे	+	सहारा	=	**बेसहारा**	**बिना सहारे**
बे	+	खौफ	=	**बेखौफ**	**बिना खौफ**
बे	+	वजह	=	**बेवजह**	**बिना वजह**
बे	+	वक्त	=	**बेवक्त**	**बिना वक्त**
बे	+	मतलब	=	**बेमतलब**	**बिना मतलब**

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में से कारक-चिह्न छाँटकर लिखिए–

उत्तर– 1. के, पर 2. के, की, से 3. के, से
4. की, के, में 5. के, ने, से

(ग) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए–

उत्तर–

मालिक	=	**मालकिन**	बालक	=	**बालिका**	रानी	= **राजा**
मामी	=	**मामा**	काकी	=	**काका**	लेखिका	= **लेखक**
अध्यापक	=	**अध्यापिका**	शेरनी	=	**शेर**		

(घ) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर–

अस्थायी	=	**स्थायी**	मालिक	=	**नौकर**	पास	= **दूर**
झूठ	=	**सच**	निराशा	=	**आशा**	उदास	= **प्रसन्न**
क्रोध	=	**शांति**	जीवन	=	**मृत्यु**		

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

दूध	=	**क्षीर,**	**पय**	हवा	=	**समीर,**	**पवन**
शाम	=	**सायं,**	**संध्या**	दुनिया	=	**संसार,**	**जगत**
बाप	=	**पिता,**	**जनक**	विद्यालय	=	**पाठशाला,**	**शिक्षालय**
हाथ	=	**कर,**	**पाणि**				

(च) शब्दों को सही क्रम में रखकर सार्थक वाक्य बनाइए–

उत्तर–
1. एक छींका जिसमें आठ-दस गिलास रखे हैं।
2. यह क्रम उसकी नियति बन गया था।
3. काम निपटाकर हजारी रोटी खाने बैठा।
4. इन सबसे बेखबर भीमा अपने काम में लगा रहता है।
5. उसके चेहरे पर संतोष की लकीरें उभर आईं।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

- **किसी बाल श्रमिक से बात करके उसकी व उसके परिवार की समस्या के विषय में जानिए। तब अपने अभिभावकों व अध्यापकों की सहायता से उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास कीजिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **बच्चों से मजदूरी क्यों नहीं करानी चाहिए? बताइए।**

उत्तर– बाल श्रम निषेध अधिनियम, 1986 के अनुसार, 14 वर्ष से कम उम्र के किसी बच्चे को किसी कारखाने या खान में काम में नहीं लगाया जाना चाहिए अथवा अन्य किसी जोखिमपूर्ण रोजगार में नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए। बाल श्रम करवाने वाले नियोक्ता को 3 माह से 1 वर्ष तक का कारावास या 10 हजार से 20 हजार तक के जुर्माने से दंडित किया जा सकता है।

खेलकर सीखें

- **अपनी दिनचर्या की तुलना भीमा की दिनचर्या से कीजिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

5. सरिता

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. प्रस्तुत कविता के रचयिता 'गोपाल सिंह नेपाली' हैं।

2. जल ऊँचे शिखरों से उतरकर गिरि की चट्टानों पर गिरता हुआ सरिता में बहता है।

लिखित प्रश्न

(ख) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. कितना **शीतल, कितना निर्मल,**
हिमगिरी के हिम से निकल।
यह विमल **दूध-सा हिम का जल,**
कर-कर **निनाद हिम का जल।**

2. **कितना कोमल, कितना** वत्सल,
रे जननी **का वह अंतस्तल।**
जिसका यह शीतल करूणा जल,
बहता **रहता युग-युग अविरल।**

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (d) (a) व (b) दोनों
2. (b) वसुधा का
3. (a) विकल
4. (b) ठंडा

(घ) कविता के सही तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए–

उत्तर– 1. (v)
2. (iii)
3. (ii)
4. (i)
5. (iv)

(ङ) सही कथन के सामने (✓) का व गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓)

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. नदी का जल ऊँचे शिखरों से निकलता है।

2. नदी का जल ऊँचे शिखरों यानि पर्वत की चोटियों से नीचे उतरकर पहाड़ की चट्टानों पर गिरता है। नदी के रूप में बहता है।

3. हिम-पत्थर जल बन गए हैं।

4. नदी का जल कल-कल की ध्वनि करता बहता रहता है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

लघू	=	**लघु**	सीतल	=	**शीतल**
निरमल	=	**निर्मल**	नीनाद	=	**निनाद**
चटटान	=	**चट्टान**	ककड़	=	**कंकड़**
वसूधा	=	**वसुधा**	अँजलि	=	**अंजली**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

जल	=	**नीर**	सरिता	=	**नदी**
दिन	=	**दिवस**	गिरि	=	**पहाड़**
शिखर	=	**चोटी**	वसुधा	=	**भूमि**
नित	=	**प्रतिदिन**	मृदु	=	**मधुर**
दूध	=	**दुग्ध**	कोमल	=	**मुलायम**
निर्मल	=	**स्वच्छ**	जननी	=	**माँ**

(ग) निम्नलिखित को पढ़िए और जानिए–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

(घ) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

लघु	=	**लघु** उद्योगों द्वारा हम अपनी आय को बढ़ा सकते हैं।
विमल	=	गंगा का जल **विमल** है।
विह्वल	=	गीता बूढ़ी माँ के अंतिम क्षणों में **विह्वल** हो गई।
चंचल	=	रिया का मन बहुत **चंचल** है।
मृदु	=	प्रिया अपनी **मृदु** वाणी से मंदिर में भजन गाती है।
कोमल	=	नेहा के हाथ बहुत **कोमल** हैं।
अविरल	=	गंगा की **अविरल** धारा पृथ्वी पर प्रवाहित हुई।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

लघु	=	**ज्येष्ठ**	ठंडा	=	**गरम**	दिन	= **रात**
कोमल	=	**कठोर**	धरती	=	**आकाश**	शुद्ध	= **अशुद्ध**

(च) रंगीन छपे शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

उत्तर–

1. **सैनिकों** ने कदम-ताल की।
2. **कारखाने** बंद हो गए हैं।
3. **बच्चा** बारिश में नहा रहा है।
4. मैंने **अतिथियों** से कुछ नहीं कहा।

5. **छात्राएँ** पढ़ रही हैं।
6. **पक्षियों** को मत सताओ।
7. डाल पर **कली** खिल रही है।
8. चर्च में **मोमबत्तियाँ** जल रही हैं।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **आपने जिन-जिन नदियों के नाम सुनें हैं या पढ़े हैं, उनकी सूची बनाइए–**

उत्तर– गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कृष्णा, महानदी, सतलुज, व्यास, नदी, सिंधु, ब्रह्मपुत्र, तापी आदि।

कल्पना की उड़ान

- **नदियाँ हमारे लिए किस प्रकार लाभकारी हैं? लिखिए–**

उत्तर– नदियाँ खेती के लिए उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी का उत्तम स्रोत होती हैं। नदियाँ न केवल जल प्रदान करती हैं बल्कि घरेलू एवं औद्योगिक गंदे व अवशिष्ट पानी को अपने साथ बहाकर ले जाती हैं। बड़ी नदियों का उपयोग जल परिवहन के रूप में भी किया जाता है। नदियों में मत्स्य पालन से मछली के रूप में खाद्य पदार्थ भी प्राप्त होते हैं।

खेलकर सीखें

- **गंगा भारत की सबसे पवित्र नदी मानी जाती है, यह गंगोत्री से निकलती है और बंगाल की खाड़ी में गिरती है। नीचे इसके मार्ग में आने वाले प्रमुख स्थान दिए गए हैं। जानकारी प्राप्त करके उन्हें उचित क्रमानुसार लगाइए–**

उत्तर–
1. गंगोत्री
2. कर्णप्रयाग
3. देवप्रयाग
4. ऋषिकेश
5. हरिद्वार
6. कानपुर
7. प्रयागराज
8. वाराणसी
9. पटना
10. कोलकाता

6. गौरा

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर–
1. गौरा को लेखिका की बहन के यहाँ प्यार से पाला गया था?
2. बचपन से लेखिका की बहन की लौकिक बुद्धि की प्रशंसा होती रहती थी।
3. लेखिका के बंगले पर पहुँचने पर गौरा का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया।
4. जब गौरा की सुंदर आँखें निष्प्रभ हो चलीं, तब लेखिका ने गौरा के अंत का अनुमान लगा लिया।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर–
1. उस दिन मैंने **ध्यानपूर्वक** गौरा को देखा।

2. उसका नामकरण हुआ **गौरांगिनी** या **गौरा**।
3. पर अब **दुग्ध** की समस्या कोई स्थायी **समाधान** चाहती थी।
4. कदाचित सूई ने **हृदय** को बेधकर बंद कर दिया।
5. ''आह! मेरा **गोपालक** देश।''

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (c) गाय 2. (a) ग्वाले का दूध बिक सके
3. (b) दुख में 4. (d) गाय करुणा की कविता है

(घ) निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए–

अब ..... आरंभ हुआ।

उत्तर– आशय – गौरा के सुबह-शाम अधिक मात्रा में दूध देने के कारण हमारे घर में सबके (मानव, पशु-पक्षी) लिए पर्याप्त दूध उपलब्ध हो गया।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. गौरा पूर्ण स्वस्थ थी। इसके पुष्ट लचीले पैर, चिकनी भरी हुई पीठ, लंबी सुडौल गरदन, निकलते हुए छोटे-छोटे सींग, भीतर की लालिमा की झलक देते हुए कमल की दो अधखुली पंखुड़ियों जैसे कान, लंबी और अंतिम छोर पर काले सघन चामर का स्मरण दिलाने वाली पूँछ थी उसका सब कुछ साँचे में ढला हुआ-सा था।
2. गाय के नेत्रों में एक आत्मीय विश्वास रहता है। गाय को मनुष्य से यातनाएँ मिलती हैं परंतु उसकी आँखों के विश्वास का स्थान न विस्मय ले पाता है, न आतंक। इसलिए गाय को 'करुणा की कविता' कहा है।
3. इस पंक्ति का अर्थ है कि गौरा की अंतिम विदाई के समय लेखिका बहुत भावुक व दुखी थीं।
4. गौरा के उपचार के लिए लेखिका ने उसे कई सेर सेब का रस पिलवाया, शक्ति के लिए अनेक इंजेक्शन लगवाए, पशु विशेषज्ञों तथा स्थानीय पशु चिकित्सकों से कई बार गौरा की जाँच कराई।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर– स्नेह = **प्रेम, अनुराग** प्रशंसा = **तारीफ, स्तुति**
रोग = **बीमारी, व्याधि** पशु = **जानवर, जंतु**
गाय = **धेनु, गौ** समीर = **पवन, हवा**

(ख) निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द व प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए–

		मूल शब्द	प्रत्यय			मूल शब्द	प्रत्यय
उत्तर– प्रतिक्षित	=	**प्रतीक्षा**	**इत**	निकटता	=	**निकट**	**ता**
नागरिक	=	**नगर**	**इक**	चिकित्सक	=	**चिकित्सा**	**अक**
रंगीन	=	**रंग**	**ईन**	चमकीला	=	**चमक**	**ईला**

(ग) निम्नलिखित द्वित्व व्यंजनों से शब्द बनाइए–

उत्तर– च्च = **बच्चा** त्त = **पत्ता** ल्ल = **बिल्ली**
ट्ट = **मिट्टी** क्क = **पक्का** स्स = **रस्सी**

(घ) रेखांकित शब्दों का कारक पहचानकर सामने लिखिए–

उत्तर– 1. अधिकरण कारक 2. कर्म कारक
3. अधिकरण कारक 4. कर्ता कारक

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **गाय के विषय में पाँच पंक्तियाँ लिखिए–**

उत्तर– 1. गाय एक पालतु पशु है।
2. गाय से हमें दूध प्राप्त होता है।
3. गाय के दूध से घी, दही, मक्खन, पनीर मिठाइयाँ इत्यादि बहुत सारी चीजें बनती हैं।
4. गाय का गोबर एक समृद्ध उर्वरक के रूप में काम आता है।
5. हिंदू धर्म में गाय को माता कहते हैं।

कल्पना की उड़ान

- **यदि ग्वाला पकड़ा जाता तो उसके साथ कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए था? बताइए।**

उत्तर– यदि ग्वाला पकड़ा जाता तो उसे संभवत: गाय को हानि पहुँचाने के आरोप में पुलिस के हवाले कर दिया जाता। लोग उसके यहाँ से दूध खरीदना बंद कर देते क्योंकि गाय को हानि पहुँचाना हमारे भारत में बहुत बुरा माना जाता है। लोग अकसर ऐसे व्यक्तियों का सामाजिक बहिष्कार तक कर देते हैं।

खेलकर सीखें

- **महादेवी जी इस पाठ में कुत्ता, बिल्ली, पशु-पक्षी को मानवीय संवेदना के उकेरने वाली लेखिका के रूप में उभरती हैं। उन्होंने अपने घर में और भी कई पशु-पक्षी पाल रखे थे तथा उन पर रेखाचित्र भी लिखे हैं। शिक्षक की सहायता से उन्हें ढूँढकर पढ़ें। जो मेरा परिवार नाम से प्रकाशित हैं।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

7. एक कुत्ता और एक मैना

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. श्रीनिकेतन में गुरुदेव आश्रम के लोगों के साथ रहते थे।
2. मनुष्य, मनुष्य के अंदर मानव-सत्य नहीं देख पाता।

3. गुरुदेव को मैना की चाल में करुण भाव दिखाई देता था।
4. लेखक के सामने मैना की करुण मूर्ति तब साकार होती है, जब लेखक रबीन्द्रनाथ द्वारा मैना पर लिखी कविता पढ़ते हैं।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. वे सबसे ऊपर की **मंजिल** में रहने लगे।
2. आश्रम के **अधिकांश लोग** बाहर चले गए थे।
3. गुरुदेव यहाँ बड़े **आनंद** में थे।
4. उस समय एक **लँगड़ी मैना** फुदक रही थी।
5. **सायंकाल** कवि ने उसे नहीं देखा।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) श्रीनिकेतन 2. (a) दर्शन
3. (b) मैना में 4. (b) तोतों को

(घ) सही वाक्य के सामने (✓) का तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗)

(ङ) निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

''जब मैं ..... किया है।''

उत्तर– भावार्थ– प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से लेखक बताना चाहता है कि किसी कवि की मर्म भेदी दृष्टि उस भाषा हीन मूक हृदय वाले प्राण अर्थात् कुत्ते के द्वारा किया गया प्राणों से प्रिय आत्म निवेदन देखते हैं। जिसमें वह अपनी दीन को दिखाता है तब वे समझ नहीं पाते हैं कि कुत्ते ने अपनी सहज-सी बुद्धि से मानव के किस स्वरूप की कल्पना की होगी। उस भाषा हीन दृष्टि वाले की करूण व्याकुलता मनुष्य के विषय में जो कुछ समझती है उसे न बोल सकने के कारण समझा नहीं पाती है परंतु कवि यह समझ जाता है कि मानव का सच्चा परिचय क्या है।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. गुरुदेव ने स्वास्थ्य अच्छा न होने के कारण शांतिनिकेतन छोड़कर श्रीनिकेतन में रहने का फैसला किया।
2. गुरुदेव कुत्ते की स्वामिभक्ति का वर्णन करते हुए कहते हैं कि ''प्रतिदिन प्रात:काल यह भक्त कुत्ता स्तब्ध होकर आसन के पास तब तक बैठा रहता है, जब तक अपने हाथों के स्पर्श से मैं इसका संग नहीं स्वीकार करता। इतनी-सी स्वीकृति पाकर ही इसके अंग-अंग में आनंद का प्रवाह बह उठता है। इस वाक्यहीन प्राणीलोक में सिर्फ यही एक जीव अच्छा-बुरा सबको भेदकर संपूर्ण मनुष्य को देख सका है, जिसे प्राण दिया जा सकता है, जिसमें अहैतुक (स्वार्थ-रहित) प्रेम ढाल दिया जा सकता है। जिसकी चेतना असीम चैतन्य लोक में राह दिखा सकती है।

3. जब गुरुदेव की चिताभस्म कोलकाता से आश्रम में लाई गई, उस समय भी न जाने किस सहज बोध के बल पर वह कुत्ता आश्रम के द्वार तक आया और चिताभस्म के साथ अन्य आश्रमवासियों के साथ शांत-गंभीर भाव से उत्तरायण तक गया। आचार्य क्षितिमोहन सबके आगे थे। उन्होंने मुझे बताया कि वह चिताभस्म के कलश के पास थोड़ी देर चुपचाप बैठा भी रहा।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– स्तब्ध = **निश्चेष्ट या सुन्न होना**
रामू शेर को देखकर **स्तब्ध** रह गया।

सर्वव्यापक = **सब जगह व्याप्त**
ईश्वर **सर्वव्यापक** है।

प्रगल्भ = **चतुर या होशियार**
मनीष एक **प्रगल्भ** बालक है।

अस्तगामी = **छिपता हुआ**
वे **अस्तगामी** सूर्य की ओर एकटक देख रहे थे।

(ख) हिंदी में कुछ शब्दों के दो-दो रूप प्रचलित और मान्य हैं। निम्नलिखित शब्दों का दूसरा प्रचलित रूप लिखिए।

उत्तर– गरम = **गर्म** बरफ = **बर्फ** गरदन = **गर्दन**
सरदी = **सर्दी** बरतन = **बर्तन** कुरसी = **कुर्सी**

(ग) निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर– जो-जो = **जो-जो** तुमने कहा मैंने वह सब सुन लिया।
कोई = बाहर **कोई** खड़ा है।
किस = यह दवा **किस** काम आती है?
अपना = वह **अपना** काम स्वयं करता है।
जो कुछ = तुमने **जो कुछ** कहा अच्छा नहीं कहा।

(घ) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए–

उत्तर– कुरसी = **कुर्सियाँ** कविता = **कविताएँ** भाषा = **भाषाएँ**
चिड़िया = **चिड़ियाँ** मंजिल = **मंजिलें** छुट्टी = **छुट्टियाँ**
मुहावरा = **मुहावरे** कमरा = **कमरे**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए–

उत्तर– हँसना = **हँसी** बोलना = **बोल** गुरु = **गुरुत्व**
मुस्कुराना = **मुस्कुराहट** अच्छा = **अच्छाई** एक = **एकत्व**
जीना = **जीवन** देव = **देवत्व**

(च) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– विद्यार्थी = **विद्या + अर्थी** काव्यांश = **काव्य + अंश**

गणेश = **गण + ईश** उद्योग = **उत् + योग**

(छ) निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण छाँटकर लिखिए–

उत्तर– हरी कमीज = **हरी** मीठा आम = **मीठा**

लंबा लड़का = **लंबा** चार पुस्तकें = **चार**

पाँचवीं मंजिल = **पाँचवीं** थोड़ा पानी = **थोड़ा**

(ज) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए–

उत्तर– गुरूदेव = **गुरुदेव** कठिनाइ = **कठिनाई**

अस्तगामि = **अस्तगामी** संपुर्ण = **संपूर्ण**

प्राणिलोक = **प्राणीलोक** उपस्थीत = **उपस्थित**

तृप्ती = **तृप्ति** मनुश्य = **मनुष्य**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **इस संस्मरण के आधार पर गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **यदि आप गुरुदेव के स्थान पर होते तो मैना की व्यथा को किस प्रकार वर्णित करते? चार पंक्तियाँ लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **दिए गए कवियों को पहचानकर उनके नाम लिखिए–**

उत्तर– जयशंकर प्रसाद, रामधारी सिंह 'दिनकर', सुमित्रानंदन पंत, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'।

8. अंडमान-निकोबार द्वीप समूह

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. अंडमान-निकोबार द्वीप अब सैलानियों का आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं।

2. दक्षिण और मध्य अंडमान में जरावा जाति के लोग रहते हैं।

3. वृहद् अंडमान के सबसे ऊँचे शिखर का नाम सैडिल पीक है।
4. निकोबार के द्वीपों में अधिक वर्षा होने के कारण गंदगी नहीं दिखाई देती।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. क्रांतिकारियों को यहाँ भयंकर **यातनाएँ** भोगनी पड़ती थीं।
2. यहाँ के आदिवासियों को **नरभक्षी** बताया गया है।
3. निकोबार द्वीप समूह में **22** द्वीप हैं।
4. निकोबार द्वीप समूह के मूल निवासी प्राय: **मंगोल जैसे** होते हैं।
5. **सामरिक दृष्टि** से इन द्वीपों का बहुत महत्व है।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) आर्कीबाल्ड ब्लेयर 2. (d) 572
3. (b) सुभाषचंद्र बोस ने 4. (c) 8-10

(घ) निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए–
विभिन्नता में ..... होती है।

उत्तर– आशय– संस्कृति, परंपरा, धर्म की विभिन्नता होने पर भी लोग एक-दूसरे के धर्म व भावनाओं को सम्मान देते हैं तथा भाईचारे की भावना से परस्पर जुड़ते हैं जो पूरे राष्ट्र में एकता स्थापित करती है।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. पाठ के अनुसार सेल्युलर जेल के बारे में लिखा है कि—आज भी सेल्युलर जेल की इमारत, जिसमें देश के दीवानों ने अपने रक्त से आजादी का इतिहास लिखा था, समुद्र तटवर्ती एक बहुत ऊँचे टीले पर खड़ी है। इस इमारत की सात भुजाएँ थीं, अब केवल तीन भुजाएँ तथा बीच का टावर रह गया है। इस टावर में राजनीतिक कैदियों के नाम की सूची लगी है। जो भुजाएँ गिरा दी गई थीं, उस भूमि पर अस्पताल की भव्य इमारत बनी हुई है।

2. अंडमान की प्रधान फसल नारियल, सुपारी और रबड़ हैं। आजकल धान की पैदावार बढ़ाने के प्रयत्न किए जा रहे हैं। यहाँ की आय का मुख्य साधन इमारती लकड़ी और मछली है। यहाँ के निवासी खेती के अतिरिक्त मछली पालन, पशु पालन और नारियल के पेड़ उगाने का धंधा करते हैं। यहाँ प्लाईवुड और माचिस के लघु उद्योग भी चलते हैं। फलों में यहाँ आम, कटहल, केले, अमरूद, अनानास, खरबूजा और तरबूज होते हैं।
अब यहाँ पर निरंतर स्कूल खोले जा रहे हैं। इस समय यहाँ पर सात उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, एक डिग्री कॉलेज तथा अनेक माध्यमिक विद्यालय और प्राइमरी विद्यालय हैं।

3. निकोबार के लोग प्राय: मंगोल जैसे होते हैं। ये रोमन लिपि में निकोबारी पढ़ते हैं। अंडमान में हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध सभी हैं। इनकी कामकाज की भाषा हिंदी है।

4. निकोबारियों का घर कुछ-कुछ अंडे जैसा गोल होता है। फर्श जमीन से 6-7 फुट ऊँचाई पर होता है। पूरा घर एक कमरे के रूप में होता है जिसमें कोई खिड़की नहीं होती। हवा फर्श के तख्तों के छेदों से होकर ही आती है। इनके घरों की बनावट बहुत ही सुंदर होती है। एक गाँव में 8-10 घर होते हैं। उनका एक मुखिया होता है, जिसे कैप्टन कहते हैं। यही आपसी झगड़ों का निबटारा करता है। सरल और परिश्रमशील ये लोग झूठ और बेईमानी से दूर रहते हैं। ये अतिथि-सत्कार करना खूब जानते हैं और अपने त्योहार भी अत्यंत उल्लास के साथ मनाते हैं। पहले लेन-देन के रूप में नारियल का इस्तेमाल किया जाता था किंतु अब ये लोग रुपये-पैसे को पहचानने लगे हैं। नारियल, लकड़ी, शंख तथा सीप की बनी सुंदर चीजें बनाकर बेचते हैं।
5. दक्षिण और मध्य अंडमान में 'जरावा' जाति के लोग रहते हैं। निकोबार में 'निकोबारी' और ग्रेट निकोबार में 'शोम्पेन' जाति के लोग रहते हैं।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित वाक्यों में 'है/हैं, थी/थीं' का सही प्रयोग कीजिए-

उत्तर-
1. देशभक्तों को यहाँ फाँसी दी गई **थी**।
2. सेल्युलर जेल में भयंकर यातनाएँ दी जाती **थीं**।
3. प्रकृति का मनोरम रूप हमें लुभाता **है**। ये ऊँचे-ऊँचे पहाड़, हरी-भरी घाटियाँ सभी के मन को अपनी ओर आकर्षित करते **हैं**।
4. इन द्वीपों पर बहुत चहल-पहल हो रही **है**।
5. अब ये द्वीप बहुत सुंदर दिखाई देते **हैं**।
6. सारे सैलानी वहीं घूमते रहते **हैं**।

(ख) निम्नलिखित अव्यय शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर-
यथास्थिति = न्यायालय ने **यथास्थिति** बनाए रखने का आदेश दिया।
यथाशक्ति = पहलवान ने **यथाशक्ति** दूसरे पहलवान का मुकाबला किया
प्रतिदिन = राजीव **प्रतिदिन** स्कूल जाता है।
आमरण = दंगों को रोकने के लिए गांधी जी ने **आमरण** अनशन किया।
आजन्म = कुछ क्रांतिकारियों को **आजन्म** कारावास का दंड मिला।

(ग) निम्नलिखित शब्दों में किस विभक्ति का लोप हुआ है? लिखिए। इनके समास-भेद भी लिखिए

उत्तर-
नरभक्षी = **को कर्म तत्पुरुष समास**
राष्ट्रपति = **का संबंध तत्पुरुष समास**
आकाशवाणी = **से अपादान तत्पुरुष समास**
चरणामृत = **का संबंध तत्पुरुष समास**
भारतवासी = **का संबंध तत्पुरुष समास**
रसोईघर = **के लिए संप्रदान तत्पुरुष समास**

(घ) निम्नलिखित वाक्यों को कारक-चिह्नों द्वारा पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. स्वाधीनता **से** पूर्व यहाँ क्रांतिकारियों **को** रखा जाता था।
2. राजा राजनचोल **ने** इन द्वीपों **को** जीत लिया था।
3. इन द्वीपों **की** कहानी अंधकार **के** गर्त **में** छिपी रही।
4. कुछ लोग यहाँ **की** जलवायु **से** पीड़ित होकर चल बसे।
5. कुछ जातियों **के** लोग अब वनों **से** निकलकर सभ्य संसार **में** आने लगे हैं।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

लकडी	=	**लकड़ी**	दक्षीण	=	**दक्षिण**
प्रशन	=	**प्रश्न**	शभ्य	=	**सभ्य**
हरीयालि	=	**हरियाली**	कमीशनर	=	**कमिश्नर**

(च) रंगीन शब्दों के सर्वनामों का शुद्ध रूप लिखकर वाक्य पुनः लिखिए–

उत्तर– 1. दूसरा नाम **मुझे** मालूम नहीं। 2. कमरे में **किसका** सामान रखा है।
3. तुम **किससे** पूछकर यहाँ आए हो? 4. **उसने** तुम्हें बुलाया है।
5. **तुझे** क्या चाहिए?

(छ) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए–

उत्तर–

अभिनेता	=	**अभिनेत्री**	युवक	=	**युवती**
सम्राट	=	**सम्राज्ञी**	कवि	=	**कवयित्री**
तपस्वी	=	**तपस्विनी**	निर्माता	=	**निर्मात्री**

(ज) निम्नलिखित संबंधबोधक अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

से पहले	—	मेरे आने **से पहले** वह चला गया था।
के बाद	—	खाना खाने **के बाद** रोहन सो गया था।
के ऊपर	—	मोहन छत **के ऊपर** बैठा है।
के कारण	—	बुखार **के कारण** वह विद्यालय नहीं जा सका।
के पीछे	—	वह पेड़ **के पीछे** छिप गया।
की ओर	—	हाथी जंगल **की ओर** जा रहा था।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर आए कुछ क्रांतिकारियों की सूची तैयार कीजिए–**

उत्तर– विनायक दामोदर सावरकर, जोयदेव कपूर, आशुतोष लाहिड़ी, होतीलाल वर्मा, बटुकेश्वर दत्त, बाबू राम हरी, नानी गोपाल, मुखोपाध्याय, सरदार गुरमुख सिंह, पंडित परमानंद, बरिंद्र कुमार घोष, इंदु भूषण राय, पृथ्वी सिंह आजाद, पुलिन दास, त्रिलोकी नाथ चक्रवर्ती, गुरुमुख सिंह मुख्य हैं।

कल्पना की उड़ान

- **नीचे दिए गए चित्र पोर्ट ब्लेयर में स्थित सेल्यूलर जेल के हैं, जो औपनिवेशिक काल में अत्यंत भयावह जेल मानी जाती थी। कल्पना कीजिए कि यहाँ लाए जाने वाले कैदियों को किस प्रकार की अत्यंत दुष्कर परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था और यह कि इस जेल को काला पानी क्यों कहा जाता था?**

उत्तर– पोर्ट ब्लेयर में स्थित जेल को काला पानी इसलिए कहा जाता था, क्योंकि यह जेल एक अत्यंत भयावह यातना गृह से बढ़कर थी। इस जेल की चार दीवारी के बाहर एक हजार मील तक समुद्र के अतिरिक्त कुछ नहीं था। अत: इस जेल से बचकर भागना किसी भी कैदी के लिए असंभव था। यह जेल इस प्रकार से बनाई गई थी कि कोई भी कैदी न तो दूसरे कैदी को देख सके और न ही उससे बात कर सके। कैदियों को रखने के लिए बनाई गई कोठरियाँ बेहद छोटी होती थीं और उसमें मात्र एक दरवाजा होता था जिसमें सीकचे लगे हुए होते थे। यदि कोई कैदी रोगग्रस्त हो जाता तो उसके इलाज की भी वहाँ कोई व्यवस्था नहीं थी। वहाँ लाए जाने वाले कैदियों से कठोर शारीरिक परिश्रम कराया जाता था। बहुत से कैदियों को तेल निकालने का कार्य सौंपा जाता था। जिसमें वे दिन के 18 से 20 घंटे तक कोल्हू चलाते थे और तेल निकालते थे। कैदियों के खाने-पीने की भी कोई सही व्यवस्था नहीं थी। उनको दी जाने वाली रोटियों में कंकड़, पत्थर, कीड़े-मकोड़े मिलना एक आम बात थी। काम में जरा-सी भूल करने पर या काम को समय पर पूरा नहीं करने पर उन्हें कोड़े मारे जाते थे या कई दिनों तक काम में जुते रहने का आदेश दिया जाता था। हम यह कल्पना भी नहीं कर सकते हैं कि वहाँ ले जाए जाने वाले कैदी, किस प्रकार की परिस्थितियों का सामना करते होंगे।

खेलकर सीखें

- **भारत के केंद्रशासित प्रदेशों व उनकी राजधानियों के नाम लिखिए–**

उत्तर–

केंद्रशासित प्रदेश	राजधानी	केंद्रशासित प्रदेश	राजधानी
दिल्ली	नई दिल्ली	लक्षद्वीप	कवरत्ती
चंडीगढ़	चंडीगढ़	पुदुचेरी	पुदुचेरी
जम्मू और कश्मीर	श्री नगर	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	पोर्ट ब्लेयर
लद्दाख	लेह	दादरा और नगर हवेली दमन और दीव	दमन

9. पिंजरा

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. पिंजरे के पंछी ने वन के पंछी से पिंजरे में रहने को कहा।

2. वन के पंछी ने पिंजरे के पंछी से जंगल का गाना गाने को कहा।
3. पिंजरे के पंछी ने वन के पंछी से स्वयं को सुख से भरे एकांत में सीमित करने को कहा।

लिखित प्रश्न

(ख) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. सोने **के पिंजरे में था पिंजरे का पक्षी,**
और वन का पंछी था वन में।
जाने **कैसे एक बार दोनों का मिलन हो गया,**
कौन **जाने उनके मन में क्या था**?

2. वन का पंछी **कहता है**,
''नहीं, **मैं वहाँ उड़ूँगा कैसे**?''
पिंजरे **का पंछी कहता है,**
''हाय, **बादलों में बैठने का ठौर** कहाँ है?''
इस तरह दोनों एक-दूसरे को चाहते तो हैं,
किंतु पास-पास नहीं आ पाते।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (c) सोना 2. (a) आजादी
3. (b) पिंजरे का पंछी 4. (c) रबींद्रनाथ ठाकुर

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–
पिंजरे का ..... कर दो।''

उत्तर– भावार्थ– पिंजरे का पक्षी कहता है कि मैं पिंजरे की चारों ओर से घिरी परिपाटी से बाहर नहीं आ सकता। वन का पक्षी वन में रहने के आदी हो जाते हैं, हम उस वातावरण से अलग वातावरण में रहने का साहस ही नहीं कर पाते।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. पिंजरे का पंछी पिंजर में कैद रहता है, वह स्वयं स्वतंत्रतापूर्वक कहीं आ-जा, खा-पी नहीं सकता। जबकि वन का पंछी स्वतंत्र है वह अपनी इच्छा से कहीं भी आ-जा सकता है, खा-पी सकता है।

2. पिंजरे का पंछी अपनी मजबूरी बताता है कि मैं पिंजरे की चारों ओर से घिरी परिपाटी से बाहर नहीं आ सकता।

3. दोनों पक्षी अपने-अपने वातावरण में ही जीवन जीने के अभ्यस्त थे इसलिए वे मिलकर नहीं रह पाए।

4. इस कविता से हमें यह संदेश मिलता है कि हमें जैसा वातावरण मिलता है हम उसी में रहने के आदी हो जाते हैं, हम उस वातावरण से अलग वातावरण में रहने का साहस ही नहीं कर पाते।

व्याकरण-ज्ञान

(क) इसी तरह दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

उत्तर– इसी तरह दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

गीत गाने वाला = **गायक**

रक्षा करने वाला = **रक्षक**

जिसमें पंछी को कैद किया जाता है = **पिंजरा**

पक्षियों का शिकार करने वाला = **बहेलिया, शिकारी**

जंगल में रहने वाला = **जंगली**

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को उचित कारक-चिह्नों द्वारा पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. एक पंछी सोने **के** पिंजरे **में** था।

2. वन **का** पंछी खुली हवाओं **में** आजाद घूमता था।

3. वन **के** पंछी **ने** पिंजरे **के** पंछी से बातें कीं।

4. वन **के** पंछी **ने** पिंजरे **के** पंछी **को** मधुर गीत सुनाए।

(ग) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर– पक्षी = **विहग** एकांत = **अकेलापन** जंगल = **वन**

बादल = **मेघ** आकाश = **नभ** बाधा = **रुकावट**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर– जीवन = **मृत्यु** उच्च = **निम्न** गगन = **पृथ्वी**

सभ्य = **असभ्य** सबल = **निर्बल** विशाल = **क्षुद्र**

(ङ) निम्नलिखित समुच्चयबोधक शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– और = काजल **और** निशा दोनों अच्छी सहेलियाँ हैं।

या = तुम्हें टेलीविजन चाहिए **या** कंप्यूटर।

किंतु = सौरभ सीधा है **किंतु** उसकी बहन चालाक है।

परंतु = विपुल शहर चला गया **परंतु** राजीव न जा सका।

कि = मैं दूध पीऊँगा न **कि** चाय।

(च) निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय अलग कीजिए–

उत्तर–

उद्देश्य	**विधेय**
1. चंद्रशेखर	महान क्रांतिकारी थे।
2. सुरेश भाई	सब्जी बेचते हैं।
3. अजय	से अनजाने में कप टूट गया।
4. कोयल	बाग में कूक रही है।

(छ) उचित क्रियाविशेषण से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. नरेंद्र **धीरे-धीरे** खिसक गया।

2. मलिक ने **खूब** खाया। 3. सुशील **एकाएक** चला गया।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **दोनों पक्षियों के जीवन में से आपको किसका जीवन अच्छा लगा और क्यों? लिखिए।**

उत्तर– दोनों पक्षियों के जीवन में से हमें वन के पंछी का जीवन अच्छा लगा क्योंकि हम सबको स्वतंत्रता पसंद होती है उसी तरह पक्षियों को भी आजादी पसंद है। चाहे पिंजरे में पक्षियों को सभी सुख-सुविधाएँ मिल जाएँ जो उनके जीवन के लिए जरूरी हैं, लेकिन वे पिंजरे में नहीं रहना चाहते। वे खुले आकाश में स्वतंत्र रूप से उठना चाहते हैं क्योंकि इस प्रकार की उड़ान उनके जीवन में खुशियाँ भर देती हैं।

कल्पना की उड़ान

- **हमें पक्षियों को पिंजरे में कैद करके क्यों नहीं रखना चाहिए? बताइए।**

उत्तर– पक्षी के पास पिंजरे के अंदर वे सारी सुख-सुविधाएँ हैं जो एक सुखी जीवन जीने के लिए आवश्यक होती है, पर हर तरह कि सुख-सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद रहना नहीं चाहते, क्योंकि उन्हें बंधन नहीं अपितु स्वतंत्रता पसंद है।

खेलकर सीखें

- **दी गई कहानी को पूरा कीजिए–**

उत्तर– एक दिन नमन **कहीं** पर जा रहा था। उसे रास्ते में एक **चिड़िया** दिखी। चिड़िया को **चोट** लगी थी। **नमन** उस चिड़िया को अपने साथ घर ले आया। उस चिड़िया को उसने **दवा** लगाई और एक **पिंजरे** में रख दिया। वह चिड़िया को समय से **दाना-पानी** देता था। कुछ दिनों में चिड़िया **ठीक** हो गई। एक दिन नमन ने बहुत-सी **चिड़ियों** को उड़ते हुए देखा। उसने अपनी चिड़िया का पिंजरा **खोल** कर उसको भी उड़ा दिया ताकि वह अपने **साथियों** के साथ खुश रह सके।

10. गिल्लू

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर–
1. सोनजूही में पीली कली को देखकर लेखिका को गिल्लू (गिलहरी) का स्मरण हुआ।
2. लेखिका को गिल्लू को मुक्त करना आवश्यक लगा।
3. गिल्लू ने परिचारिका की भूमिका निभाई।
4. सोनजूही की लता के नीचे गिल्लू की समाधि बनी थी।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर–
1. सोनजूही में आज एक **पीली कली** लगी है।
2. मेरे **काक पुराण** के विवेचन में अचानक बाधा आ पड़ी।

3. वही **दो वर्ष** गिल्लू का घर रहा।

4. फिर गिल्लू के जीवन का **प्रथम बसंत** आया।

5. सोनजूही की लता के नीचे गिल्लू को **समाधि** दी गई।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) सोनजूही में 2. (b) कौवे 3. (c) दो वर्ष का

(घ) सही कथन के सामने (✓) का तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए—

उत्तर– 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✓)

(ङ) निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– आशय– 1. लेखिका ने गिलहरी के बच्चे का विशेष नाम गिल्लू रखकर उसको जातिवाचक संज्ञा को व्यक्तिवाचक संज्ञा का रूप दे दिया अर्थात् उस लघु प्राण को गिलहरी (जातिवाचक) से गिल्लू (व्यक्तिवाचक) बना दिया।

2. लेखिका कहती है कि सुबह की पहली किरण पड़ते ही गिल्लू की मृत्यु हो गई।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. सोनजूही की कली को देखकर लेखिका को 'गिल्लू गिलहरी' की याद आई, क्योंकि वह उससे बहुत स्नेह करती थी।

2. गिल्लू एक समझदार प्राणी था, क्योंकि लेखिका के दुर्घटना में घायल होकर अस्पताल में रहने पर गिल्लू ने दुख में अपना प्रिय खाद्य पदार्थ काजू भी नहीं खाया था।

3. हमारे पूर्वजों को पितरपक्ष में हमसे कुछ पाने के लिए कौआ बनकर ही उपस्थित होना पड़ता है इसलिए कौए को लेखिका ने समादरित कहा। कौए की कर्कश ध्वनि के कारण सब उसे भगाते हैं इसलिए कौए को लेखिका ने अनादरित कहा। कौआ हमारे दूरस्थ प्रियजनों के आने का संदेश देता है इसलिए लेखिका ने उसे अतिसम्मानित कहा। कौए के काँव-काँव करने के कारण लेखिका ने उसे अवमानित कहा।

4. गिल्लू स्वयं खिड़की पर लटकी डलिया को हिलाकर अपने घर में झूलता और अपनी काँच के मनकों-सी आँखों से कमरे के भीतर और खिड़की से बाहर न जाने क्या देखता-समझता रहता था। जब लेखिका लिखने बैठती तब अपनी ओर उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए वह लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता। उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती।

   कभी-कभी घंटों मेज पर दीवार के सहारे खड़ा रहकर वह अपनी चमकीली आँखों से लेखिका का क्रियाकलाप देखता रहता।

   भूख लगने पर चिक्-चिक् करके मानो वह लेखिका को सूचना देता और काजू या बिस्कुट मिल जाने पर उसी स्थिति में लिफाफे से बाहर वाले पंजों से पकड़कर कुतरता रहता।

लेखिका के कमरे से बाहर जाने पर वह खिड़की की खुली जाली की राह से बाहर चला जाता और दिनभर गिलहरियों के झुंड का नेता बना, हर डाल पर उछलता-कूदता रहता और ठीक चार बजे वह खिड़की से भीतर अपने झूले से झूलने लगता। वह लेखिका के साथ बैठकर खाना खाता।

5. गिल्लू लेखिका के साथ उसकी थाली में से खाना खाता था। इसलिए गिल्लू लेखिका के घर के पशु-पक्षियों में अपवाद था।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ समान प्रतीत होते हुए भी प्रयोग में सूक्ष्म अंतर लिए हुए हैं। इसी अंतर को स्पष्ट करते हुए इन शब्द-युग्मों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर-

अवमानित = कौआ मनुष्य से **अवमानित** होता रहा है।

अपमानित = **अपमानित** राजा बदला लेने को आतुर हो रहा था।

आश्वस्त = वह अपनी सफलता के प्रति **आश्वस्त** था।

विश्वस्त = रमन रवि का **विश्वस्त** मित्र था।

आयु = उसकी **आयु** अधिक हो गई है।

अवस्था = वह अब युवा-**अवस्था** में आ गया है।

(ख) निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग, मूल शब्द व प्रत्यय अलग-अलग कीजिए-

उत्तर-

शब्द		उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
दुर्गंधित	=	**दुर्**	**गंध**	**इत**
सुगंधित	=	**सु**	**गंध**	**इत**
सम्मानित	=	**सम्**	**मान**	**इत**
अवमानित	=	**अव**	**मान**	**इत**
अस्वस्थता	=	**अ**	**स्वस्थ**	**ता**
समादरित	=	**सम्**	**आदर**	**इत**

(ग) इसी प्रकार के क्रियाविशेषणों का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य बनाइए-

उत्तर-

1. जब तक मैं न आऊँ तब तक तुम यहीं रहना।
2. वह तब तक लड़ता रहा जब तक उसके प्राण न निकल गए।
3. हमें तब तक परिश्रम करते रहना चाहिए जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।

(घ) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

उत्तर-

सोनजूही = **स् + ओ + न् + अ + ज् + ऊ + ह् + ई**

हरीतिमा = **ह् + अ + र् + ई + त् + इ + म् + आ**

स्वर्णिम = **स् + व् + अ + र् + ण् + इ + म् + अ**

अवमानित = **अ + व् + अ + म् + आ + न् + इ + त् + अ**

विवेचन = **व् + इ + व् + ए + च् + अ + न् + अ**

पीताभ = **प् + ई + त् + आ + भ् + अ**

(ङ) निम्नलिखित प्राणियों की बोलियों के नाम लिखिए–

उत्तर– मोर = **पिहु-पिहु** मुरगा = **कुकडूँ-कूँ** गधा = **ढेंचूँ-ढेंचूँ**
कबूतर = **गुटर-गूँ** कौवा = **काँव-काँव** तोता = **टें-टें**
कोयल = **कुहू-कुहू** कुत्ता = **भौं-भौं**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **महादेवी वर्मा के रेखाचित्र और संस्मरण-संग्रह प्रकाशित हैं। पुस्तकालय से पुस्तकें लेकर पढ़िए और बताइए कि कौन-सा संस्मरण आपको सबसे अच्छा लगा।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **यदि लेखिका घायल गिलहरी के बच्चे का उपचार न करती तो क्या होता? बताइए।**

उत्तर– यदि लेखिका गिलहरी के बच्चे का उपचार न करती तो वह मर जाता।

खेलकर सीखें

- **दी गई वर्ग-पहेली में दस पक्षियों के नाम पर गोला बनाइए–**

पे	तो	सा	रि	मै	ना	या
बा	ता	र	से	ख	बु	जा
ख	हं	स	को	य	ल	गौ
वे	रि	बा	ज	लु	बु	रै
ह	ब	गु	ला	ह	ल	या
सु	त	द	स	न	स्वा	र
क्ष	ख	हा	मी	हं	ट	ने

11. सुभागी

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. हाँ, तुलसी महतो अपनी बेटी सुभागी से बहुत प्रेम करते थे।
2. महतो ने गाँव वालों को इकट्ठा किया।
3. सुभागी घर में सभी कार्य करती थी।
4. सजन सिंह ने सुभागी को अपनी पुत्रवधू के रूप में चुना।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. तुलसी ने सुभागी और **रामू** दोनों की शादी कर दी।

2. उसने **घर** का सारा काम सँभाल लिया।
3. गाँव के मुखिया सजनसिंह बड़े **सज्जन** पुरुष थे।
4. पति के **देहांत** के बाद से ही लक्ष्मी का दाना-पानी छूट गया।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (c) कामचोर
2. (a) वह छोटी उम्र में ही विधवा हो गई थी
3. (a) तीन हजार
4. (b) अपने बेटे से शादी करने के लिए

(घ) किसने, किससे कहा?

उत्तर– 1. **रामू** ने **मुखिया** से
2. **सुभागी** ने **रामू** से
3. **लक्ष्मी** ने **सुभागी** से
4. **मुखिया** ने **सुभागी** से
5. **सुभागी** ने **मुखिया** से

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. रामू तुलसी महतो का बेटा तथा सुभागी का भाई था।
2. सारा गाँव सुभागी की बड़ाई इसलिए करता था क्योंकि एक तो वह दो आदमियों जितना काम करती थी, दूसरे वह माँ-बाप की सेवा भी करती थी।
3. तुलसी ने रामू के जन्मोत्सव में कर्ज लेकर जलसा किया और सुभागी पैदा हुई तो घर में रुपये होते हुए भी एक कौड़ी खर्च नहीं की। अंत समय में तुलसी ने महसूस किया कि पुत्र को रत्न समझा था, पुत्री को पूर्वजन्म के पापों का दंड। वह रत्न कितना कठोर निकला और यह दंड कितना मंगलमय।
4. सजनसिंह ने सुभागी से अपने बेटे की बहू बनने की प्रार्थना की।
5. सुभागी एक सहनशील, मेहनती तथा ईमानदार लड़की थी।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए और संधि का नाम भी लिखिए–

उत्तर–

उद्धार	=	**उत्**	+	**धार**	—	**व्यंजन संधि**
रबींद्र	=	**रबि**	+	**इंद्र**	—	**स्वर संधि**
दुश्शासन	=	**दुः**	+	**शासन**	—	**विसर्ग संधि**

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में काल के उचित भेद पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– 1. iii. भविष्यत् काल
2. i. वर्तमान काल

(ग) पाठ में प्रयुक्त इन मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वरचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– 1. आपे से बाहर हो जाना = **(अत्यधिक क्रोधित होना)**
वाक्य प्रयोग – अपने दुश्मन सोहनलाल को देखकर अशर्फीलाल **आपे से बाहर हो गया**।

2. जीवन पहाड़ लगना = **(जीवन बड़ा लगना)**
वाक्य प्रयोग – छोटी उम्र में ही विधवा हो जाने पर सुभागी को अपना **जीवन पहाड़ लगने लगा**।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **ग्रामीण जीवन के विषय में चार पंक्तियाँ लिखिए–**

उत्तर– 1. भारत मुख्य रूप से कृषि प्रधान देश है।
2. किसान ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।
3. भारत की लगभग 70% जनसंख्या गाँवों में निवास करती है।
4. गाँव भारतीय संस्कृति और विरासत का दर्पण है।

कल्पना की उड़ान

- **'बेटी अनमोल है। इसे बचाइए।' इस विषय पर अपने भाव प्रस्तुत कीजिए–**

उत्तर– आजकल पूरे देश में लड़कियों को बचाने के संदर्भ में बेटी बचाओ बेटी अनमोल है। एक महत्वपूर्ण चर्चा का विषय है। लड़कियों को बचाने के लिए बहुत-से प्रभावशाली उपायों को अपनाया गया है। जिसमें काफी हद तक सफलता भी उपलब्ध हुई है। समाज में बड़े स्तर पर गरीबी का प्रसार है, जो भारतीय समाज में अशिक्षा और लिंग असमानता का एक बहुत बड़ा कारण है। आँकड़ों के अनुसार यह पाया गया है कि उड़ीसा में महिला साक्षरता लगातार गिर रही है। शिक्षा गहराई के साये में रोजगार महिला साक्षरता लगातार गिर रही है। शिक्षा गहराई के साथ रोजगार से जुड़ी हुई है। कम शिक्षा का अर्थ है— कम रोजगार जो समाज में गरीबी और लिंग असमानता का नेतृत्व करता है। बिना महिला साक्षरता के बेटी बचाओ योजना को सफल नहीं बनाया जा सकता है। इनके साथ ही हमें लोगों को अधिक जागरूक करने की आवश्यकता है।

खेलकर सीखें

- **पाठ में दी गई कहानी के आधार पर सुभागी के चरित्र की तीन विशेषताएँ लिखिए–**

उत्तर– सुभागी के चरित्र की तीन विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—
1. सुभागी अपनी सभी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने वाली थी।
2. सुभागी माता-पिता की आज्ञा का पालन करने वाली थी।
3. सुभागी परिश्रमी थी वह वृद्ध माता-पिता की सेवा के साथ घर का सारा काम भी संभालती थी।

12. खिलौना

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. खिलौने को उछाल-उछालकर राजकुमार खेल रहा था।

2. गरीब बच्चे ने स्वर्ण खिलौने से राजकुमार को खेलते देखा।
3. राजकुमार ने गरीब बच्चे को मिट्टी के खिलौने से खेलते हुए देखा।

लिखित प्रश्न

(ख) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. व्यथित **हो उठी माँ बेचारी,**
था **स्वर्ण-निर्मित वह तो**
खेल इसी से लाल, नहीं है,
राजा **के घर भी यह तो**!

2. मैं तो **वही खिलौना लूँगा**
मचल गया शिशु राजकुमार-
वह **बालक पुचकार रहा था**
पथ में जिसको बारंबार।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) सियाराम शरण गुप्त
2. (c) खिलौने के लिए
3. (b) राजपुत्र ने
4. (d) राजकुमार

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. 'दीना का लाल' का अभिप्राय 'गरीब का पुत्र' से है।
2. माँ बच्चे को बहलाती है कि यह मिट्टी का खिलौना तो राजा के घर भी नहीं है इसलिए बेटा तू इसी खिलौने से खेल।
3. राजकुमार के रूठने पर सब दास-दासियाँ उसे मनाने के लिए दौड़ पड़े।
4. इस पंक्ति का अर्थ यह है कि राजकुमार ने मिट्टी के खिलौने लेने की जिद में अपने सारे सोने-चाँदी के खिलौने फेंक दिए।

व्याकरण-ज्ञान

(क) कविता में से सही तुकांत शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर– लाल = **उछाल** पुचकार = **बारंबार** सोने = **रोने**
मचल = **अचल**

(ख) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– मिट्टी = इस **मिट्टी** का रंग पीला है।
लाल = दीनानाथ का **लाल** (बेटा) सोने का खिलौना माँगता है।
स्वर्ण = यह मंदिर **स्वर्ण** निर्मित है।
व्यथित = बेटे का दु:ख देखकर माँ **व्यथित** हो उठी।
राजपुत्र = वह **राजपुत्र** बहुत महान है।

(ग) दिए गए शब्दों से मूल शब्द व प्रत्यय अलग कीजिए–

उत्तर–

		मूल शब्द	**प्रत्यय**
व्यथित	=	**व्यथा**	**इत**
निर्मित	=	**निर्माण**	**इत**
राजहठी	=	**राजहठ**	**ई**
राजकुमार	=	**राज**	**कुमार**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– माँ = **जननी, अंबा** मिट्टी = **मृदा, धूल**

राजा	=	**नृप, नरेश**		शिशु	=	**नवजात, बच्चा**	
स्वर्ण	=	**सोना, कनक**		लाल	=	**पुत्र, सुत**	
कमल	=	**पंकज, जलज**		हवा	=	**वायु, पवन**	
हाथी	=	**गज, हस्ती**		नदी	=	**सरिता, तटिनी**	

(ङ) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तर–

खिलौना	=	**ख् + इ + ल् + औ + न् + आ**
व्यथित	=	**व् + य् + अ + थ् + इ + त् + अ**
राजपुत्र	=	**र् + आ + ज् + अ + प् + उ + त् + र् + अ**
शिशु	=	**श् + इ + श् + उ**
उपहार	=	**उ + प् + अ + ह् + आ + र् + अ**

(च) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर–

राजपुत्र	=	**राजा का पुत्र**		व्यथित	=	**दुःखी**	
तत्काल	=	**तुरंत**		उपहार	=	**भेंट**	
रजत	=	**चाँदी**		स्वर्ण	=	**सोना**	
दासी	=	**सेविका**		हेम	=	**सोना**	

(छ) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

खिलोना	=	**खिलौना**	व्यथीत	=	**व्यथित**	र्निमित	=	**निर्मित**
मिट्टि	=	**मिट्टी**	गुडडा	=	**गुड्डा**	शिशू	=	**शिशु**
बारँबार	=	**बारंबार**	दासियां	=	**दासियाँ**	वेसा	=	**वैसा**
फेकना	=	**फेंकना**	हैम	=	**हेम**	ऊपहार	=	**उपहार**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **नीचे कुछ खिलौनों के चित्र दिए गए हैं। उनमें अपनी इच्छानुसार रंग भरिए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

कल्पना की उड़ान

- **हमें अपने माता-पिता से कोई वस्तु लेने के लिए हठ क्यों नहीं करनी चाहिए। बताइए।**

उत्तर– एक अच्छे बच्चे होने की सबसे जरूरी बात यह होती है कि हम अपने माता-पिता से बिना शर्त के प्यार और सम्मान करें। न कि केवल उसकी उपलब्धियों और व्यवहार के लिए। माता-पिता बच्चों को सामाजिक ज्ञान देते हैं वे अच्छे-बुरे में पहचान करना सीखते हैं। जब बच्चे को कोई चीज चाहिए होती है, तो वह माता-पिता से विनती करने लगता है। वह जिद करता है और कभी-कभी तो सबके सामने माता-पिता का अपमान भी कर देता है। बच्चों को ऐसा कदापि नहीं करना चाहिए। हमारे माता-पिता हमारे गुरु हैं। हमें उनका सम्मान करना चाहिए और हमें सदैव इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारी किसी बात या हमारे व्यवहार से उन्हें तकलीफ तो नहीं हो रही है।

खेलकर सीखें

- **नीचे दिए गए चित्रों को देखकर बताइए कि इनमें से कौन-से खिलौने ऐसे हैं जिनसे हमें खेलना नहीं चाहिए?**

उत्तर–

✓ ✓

माचिस और चाकू।

13. चाय और उसकी लोकप्रियता

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. वर्तमान में दुनिया के सर्वाधिक प्रचलित पेय का नाम चाय है।

2. भारत में चाय की प्रति व्यक्ति औसत खपत 750 ग्राम प्रतिवर्ष है।
3. बोधिधर्म ने क्रोधवश अपनी पलकों को नोंचकर फेंक दिया।
4. चाय की पत्तियों को चुनते समय इस बात का ध्यान रखा जाता है कि पत्तियों, और पौधों को किसी प्रकार की क्षति न पहुँचे।

लिखित प्रश्न

(ख) दिए गए विषयों पर अपने विचार लिखिए–

उत्तर– 1. हमें किसी भी वस्तु का उपयोग एक सीमा के अंदर ही करना चाहिए, क्योंकि किसी भी वस्तु के असीमित प्रयोग से वह वस्तु हमारे लिए हानिकारक हो सकती है। इसलिए हमें अपने विवेक से काम लेते हुए वस्तुओं के उपयोग की सीमा निर्धारित कर लेनी चाहिए।

2. कहा जाता है कि जल मनुष्य के लिए जीवन है क्योंकि जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। लेकिन चाय पीने से तुरंत स्फूर्ति आती है तथा चाय पीने से सिरदर्द तथा सुस्ती दूर होती है। इसलिए इसको जीवन देने वाली एक अचूक बूटी माना जा सकता है।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (a) ब्रिटेन 2. (b) सफेद 3. (b) चीनी 4. (a) हानि

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. भारतवर्ष में चाय की लोकप्रियता इस सीमा तक है कि इसे हमारा राष्ट्रीय पेय भी कहा जा सकता है। उठते-बैठते, सुबह-शाम चाय पीने की तलब साथ नहीं

छोड़ती। लोग इसे स्फूर्तिदायक पेय तो मानते ही हैं, परंतु कुछ लोगों का यह भी मानना है कि गर्मागर्म चाय पीना सिरदर्द का अचूक इलाज है।

2. प्रारंभ में अंग्रेजों ने हिंदुस्तानियों में चाय की ललक जगाई। तब रेलवे स्टेशनों, बस-अड्डों सहित भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर नारे लिखे गए'रोज चाय पियो, ज्यादा दिन जिओ।' और तब से अब तक का चाय का सफर कदम-कदम पर अबाध गति से जारी है।
3. तुर्की में प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति सबसे अधिक कप चाय पी जाती है 3.16 किलोग्राम चाय प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति। दूसरे स्थान पर आयरलैंड है, जहाँ प्रतिवर्ष औसत 2.19 किलोग्राम प्रति व्यक्ति चाय की खपत। तीसरे स्थान पर है ब्रिटेन, जहाँ प्रतिवर्ष औसत 1.94 किलोग्राम प्रति व्यक्ति चाय खपत है।
4. चाय की उत्पत्ति की कहानी भी कम रोचक नहीं है। ऐसा कहा जाता है कि बोधिधर्म नामक एक दाक्षिणात्य बौद्ध भिक्षु धर्म प्रचार के लिए भारत से चीन गया था। एक दिन ध्यान करते समय धर्म को आलस्य ने आ घेरा। आलस्यवश उसके नेत्र निमीलित होने लगे। यह देख उसे क्रोध आ गया और उसने अपनी पलकें नोंचकर फेंक दीं। जहाँ-जहाँ पलकें गिरी, वहाँ पौधे उग आए। उसने उनकी पत्तियों का सेवन किया, जिससे वह पुन: निरलस हो ध्यानमग्न हो गया। ये पौधे ही चाय के पौधे कहलाए।
5. एक बार एक चीनी दूत इंग्लैंड की महारानी के दरबार में गया। वहाँ उसने एक पैकेट चाय भेंट की। कहते हैं, महारानी ने चाय की पत्तियों को उबलवाकर पानी तो फिंकवा दिया और उन्हें मिलाकर रोटी के साथ खाया। इससे समझा जा सकता है कि इंग्लैंडवासी चाय के विषय में कितनी जानकारी रखते थे।

   चीन से चाय जापान पहुँची और वहाँ से यूरोप में कदम रखा। पहले जब चाय का यूरोप में प्रचार हुआ, तब यह बहुत महँगी बिका करती थी। धीरे-धीरे चाय के गुणों का प्रचार हुआ और लोगों में सम्मान पाते देख ईस्ट इंडिया कंपनी इसका व्यापार करने लगी। वह चाय को चीन और जावा से आयात कर इंग्लैंड में बेचने लगी। इस कंपनी ने चाय के व्यापार में बहुत धन बटोरा। सन् 1834 ई० में ईस्ट इंडिया कंपनी की चीन से खटपट हो गई, तब चीन ने ईस्ट इंडिया कंपनी को चाय का निर्यात बंद कर दिया। ऐसी स्थिति में ईस्ट इंडिया कंपनी का ध्यान चाय की खेती की ओर गया।
6. धरती में चाय का बीज बोया जाता है। चाय के बीजों के लिए सख्त मिट्टी और नम वायु की आवश्यकता होती है। जब पौधे तीन वर्ष के हो जाते हैं, तब इनसे पत्तियाँ चुनी जाती हैं।

   तब पत्तियों को कारखाने में भेज दिया जाता है।

   कारखाने में पहुँचने पर पत्तियों को पहले सुखाया जाता है फिर रोलर की सहायता से उनका चूर्ण किया जाता है। तत्पश्चात कई वैज्ञानिक यंत्रों और क्रियाओं की मदद से चाय अपनी वर्तमान आकृति तक पहुँचती है। चाय में सुगंध पैदा करने के लिए पत्तियों के चूर्ण में सुगंधित पदार्थ भी डाल दिए जाते

हैं। इस प्रकार जब चाय बनकर तैयार हो जाती है, तो छोटे-छोटे डिब्बों और बड़ी-बड़ी पेटियों में भरकर देश-विदेश में बिक्री हेतु भेजी जाती है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) दिए गए शब्दों के मूल शब्द लिखिए-

उत्तर-

आवेशित	=	**आवेश**	कल्याणकारी	=	**कल्याण**
लोकप्रियता	=	**लोकप्रिय**	कुदरती	=	**कुदरत**
जापानी	=	**जापान**	गुलामी	=	**गुलाम**
दैनिक	=	**दिन**	रचनात्मक	=	**रचना**
नवीनतम	=	**नवीन**			

(ख) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके लिखिए-

उत्तर-

कृत्रीम	=	**कृत्रिम**	स्फूर्ती	=	**स्फूर्ति**
आंदौलित	=	**आंदोलित**	अनुकुल	=	**अनुकूल**
हानीकारक	=	**हानिकारक**	प्रशीक्षीत	=	**प्रशिक्षित**

(ग) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर-

जगत = यह संपूर्ण **जगत** मिथ्या है।

अनुकूल = आज समय हमारे **अनुकूल** है।

प्रतिकूल = हमें अपने बड़ों के **प्रतिकूल** होकर कार्य नहीं करने चाहिएँ।

निर्यात = हमारे देश से अनेक वस्तुओं का **निर्यात** किया जाता है।

आयात = पानी के जहाज के द्वारा अनेक चीजों का **आयात** किया जाता है।

(घ) रंगीन छपे पदों के कारक बताइए-

उत्तर- 1. संप्रदान कारक 2. कर्म कारक 3. संप्रदान कारक
4. कर्म कारक 5. कर्म कारक

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के उत्तरावस्था तथा उत्तमावस्था के रूप लिखिए-

उत्तर-

उच्च	=	**उच्चतर, उच्चतम**	अधिक	=	**अधिकतर, अधिकतम**
प्रिय	=	**प्रियतर, प्रियतम**	सुंदर	=	**सुंदरतर, सुंदरतम**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **चाय और कॉफी में अंतर स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर- कॉफी में चाय के मुकाबले लगभग दो गुना कैफीन होता है। जहाँ कॉफी में केबल कैफीन होता है। वहीं चाय में कैफीन के साथ निकोटिन भी पाया जाता है। जब चाय को छलनी की मदद से छाना जाता है तो निकोटीन और कैफीन का असर थोड़ा कम हो जाता है।

कल्पना की उड़ान

- **यहाँ चाय के विनिर्माण की प्रक्रिया दी गई है चाय-विनिर्माण की प्रक्रिया के चरणों को लिखकर तीर द्वारा प्रदर्शित कीजिए-**

उत्तर– चरण : 1. कली और ऊपर के दो पत्ते तोड़े जाते हैं।

1.

2.

2. उनके ऊपर गरमहवा गुजारी जाती है।
3. पत्तियों को सुखाया जाता है।
4. पत्तियों को छाँटा जाता है।
5. पत्तियों को ताप नियंत्रित कक्षों में रखा जाता है पैक किया जाता है।

3.

4.

5.

खेलकर सीखें

- **चाय पीने से होने वाले लाभ व हानियाँ लिखिए।**

उत्तर– सीमित मात्रा में चाय पीना शरीर के लिए फायदेमंद हो सकता है, हालांकि इसकी अधिकता कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाली भी हो सकती है। अगर आप रोजाना अधिक मात्रा में चाय पीते हैं तो इसके कारण चिंता नींद की कमी और सिर दर्द जैसे दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

14. नीम का पेड़

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. 'नीम का पेड़' कहानी के लेखक विश्वंभरनाथ शर्मा 'कौशिक' हैं।
2. मनोहर सिंह ठाकुर शिवपाल सिंह का लगान न चुका सका।
3. नीम का पेड़ मनोहर सिंह के पिता ने लगाया था।
4. तेजा अपनी सोने की अँगूठी ठाकुर साहब को देने लगा।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. **ऋण** का पाप तो देने से ही कटेगा।
2. इतना **पुराना पेड़** गाँव भर में दूसरा नहीं।
3. तेजा गाँव के एक **प्रतिष्ठित** किसान का बेटा था।
4. सब लड़के की बात सुनकर **दंग रह गए**।
5. ठाकुर साहब के **चेहरे** का रंग उड़ गया।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (b) नीम का पेड़ 2. (a) तेजा ने
3. (c) फौज में 4. (d) पच्चीस रुपये

(घ) सही कथन के सामने (✓) का तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– 1. (✗) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓)

(ङ) तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए–

उत्तर— 1. (iv) 2. (v)
3. (vi) 4. (iii)
5. (i) 6. (ii)

(च) निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए–

ऋण का ..... कटेगा।

उत्तर– **आशय –** ऋण चुकाने पर ही व्यक्ति को मानसिक व आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है।

(छ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर–

1. मनोहर सिंह को अपने नीम के पेड़ से गहरा लगाव था, क्योंकि वह उसके पिता की निशानी था तथा उसने अपनी छाया देकर उनकी सदा नि:स्वार्थ भाव से सेवा की थी।
2. तेजा ने ठाकुर शिवपाल सिंह को पच्चीस रुपये देकर मनोहर सिंह के गिरवी रखे नीम के पेड़ को मुक्त कराया जिससे मनोहर सिंह का प्रिय नीम का पेड़ कटने से बच गया।
3. ठाकुर शिवपाल सिंह ने सोचा कि मनोहर सिंह मेरे रुपये नहीं दे पाएँगे तो उन्होंने लोगों के सामने वादा कर दिया कि यदि मनोहर सिंह मुझे रुपये दे देंगे तो मैं पेड़ नहीं काटूँगा। जब तेजा के पिता ने उन्हें 25 रुपये देते हुए उनके वादे की याद दिलाई तो उन्हें रुपये स्वीकार करने पड़े। इस प्रकार पेड़ कटने से बच गया और वे अपने ही शब्दों में फँस गए।
4. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि पेड़ हमारी अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। इसलिए हमें न तो पेड़ों को काटना चाहिए और न ही पेड़ों को कटने देना चाहिए।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

1. हम अपने देश की रक्षा करेंगे।
2. तुझे क्या हुआ है?
3. मैं आपको अपना पता दूँगा।
4. तुम मुझे अपना पता दो।

(ख) इसी प्रकार निम्नलिखित के शब्द-परिवार बनाइए–

उत्तर– उपयोग = **उपयोगी, उपयोगिता**

अवश्य = **आवश्यक, आवश्यकता**

कार्य = **कार्यकारी, कार्यरत**

कथन = **कथनीय, कथानक**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

उत्तर– रुपया = **रुपये** गाँववाले = **गाँववाला** बातें = **बात**

निबोली = **निबोलियाँ** झोंपड़ी = **झोंपड़ियाँ** बुड्ढे = **बुड्ढा**

अँगूठियाँ = **अँगूठी** लड़के = **लड़का**

(घ) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए और इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– अंधेर करना = **अन्याय करना।**

वाक्य प्रयोग – रामलाल ने निर्दोष मजदूर को दंड देकर **अंधेर कर दिया।**

नाक कटना = **बेइज्जती होना**

वाक्य प्रयोग – निर्दोष परेश को जेल हो जाने पर उसके परिवार की **नाक कट गई।**

समय का फेर होना = **समय का बदलाव**

वाक्य प्रयोग – पहले मोहन राहुल के यहाँ नौकरी करता था, अब राहुल उसी से रुपये उधार माँगकर जीवन व्यतीत करता है। इसे कहते हैं **समय का फेर होना।**

राह देखना = **इंतजार करना**

वाक्य प्रयोग – शकुंतला कई वर्षों तक दुष्यंत की **राह देखती रही।**

रंग उड़ना = **लज्जा से चेहरे का तेज कम होना**

वाक्य प्रयोग – बच्चे द्वारा मनोहर सिंह की सहायता करने पर शिवपाल सिंह के चेहरे का **रंग उड़ गया।**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों को उचित प्रत्यय लगाकर लिखिए–

उत्तर– ऋण = **ऋणी** उदार = **उदारता** सप्ताह = **साप्ताहिक**

मीठा = **मिठाई** प्रतिष्ठा = **प्रतिष्ठित** जंगल = **जंगली**

बूढ़ा = **बूढ़ापा** मधुर = **मधुरता**

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं, कैसे? अपने विचार लिखिए–**

उत्तर– वातावरण को शुद्ध रखने और संतुलन बनाए रखने में पेड़-पौधे अहम् भूमिका निभाते हैं। ये मिट्टी का कटाव रोकते हैं और नमी बनाए रखते हैं। जहाँ पेड़-पौधों की संख्या ज्यादा होती है। वहाँ अच्छी बारिश होती है। पेड़ हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। जिसके बिना हमारा अस्तित्व असंभव है।

कल्पना की उड़ान

- **तेजा ने मनोहर सिंह की सहायता की, क्या उसने सही किया? यदि हाँ, तो बताइए क्यों?**

उत्तर– तेजा ने मनोहर सिंह की सहायता करके सही किया। यदि वह ऐसा नहीं करता तो ठाकुर मनोहर सिंह के नीम के पेड़ को कटवा देता।

खेलकर सीखें

- **बॉक्स में दिए गए नीम के पेड़ में रंग भरिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

15. परिंदे की फरियाद

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. अपने बीते दिनों को याद करके परिंदे के दिल पर चोट लगती है।
2. कैदी परिंदा घर को तरस रहा है।

लिखित प्रश्न

(ख) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. आता है **याद मुझको गुजरा हुआ जमाना,**
वह बाग की बहारें, वह सबका चहचहाना।
आजादियाँ **कहाँ वह, अपने घोंसले की,**
अपनी खुशी से आना, अपनी खुशी से जाना।
2. वह **प्यारी-प्यारी सूरत, वह कामिनी-सी मूरत,**
आबाद जिसके दम से, था मेरा आशियाना।
आती नहीं **सदाएँ उसकी, मेरी कफस में,**
होती मेरी रिहाई ऐ काश! मेरे बस में।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (c) उसे कैद कर लिया गया है 2. (c) जब पक्षी आजाद हों
3. (a) फूलों की कलियाँ 4. (c) बगीचे के लिए

(घ) निम्नलिखित वाक्यांशों के सही जोड़े बनाइए–

उत्तर– 1. (iii) 2. (v)
3. (i) 4. (vi)
5. (ii) 6. (iv)

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. परिंदे को अपने आजादी के दिन याद आते हैं।
2. परिंदे को पिंजरे में कैद कर लिया गया है।
3. कैदी परिंदे को गुजरे जमाने की सभी बातें याद आ रही हैं। अपने घोंसले की आजादी सब पक्षियों का चहचहाना आदि बातें याद आ रही हैं।
4. कैदी परिंदे को यह डर है कि कहीं वह इस कैद में ही न मर जाए तथा उसको ये दुख है कि उसका घर छूट गया है तब से अकेलेपन उसे खाए जा रहा है।

5. कैदी परिंदे की कैद करने वाले से ये फरियाद है कि ओ कैद करने वाले! मुझ बेजुबान कैदी को आजाद कर दे और मुझे छोड़कर मेरे दिल की दुआएँ लें।
6. 'परिंदे की फरियाद' इस कविता का शीर्षक सार्थक है क्योंकि इस कविता में कैद परिंदा (पक्षी) कैद करने वाले से आजाद करने की फरियाद कर रहा है क्योंकि जिस प्रकार हमें आजादी पसंद है, वैसे ही पशु-पक्षी भी आजाद रहना चाहते हैं इसलिए हमें पक्षियों को कभी भी कैद नहीं करना चाहिए।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– शबनम = **ओस** किस्मत = **भाग्य** घोंसला = **नीड़**
चमन = **बगीचा** आजादी = **स्वतंत्रता** गम = **दुख**

(ख) रिक्त स्थानों में आए विशेषण से भाववाचक संज्ञा तथा भाववाचक संज्ञा से विशेषण शब्द बनाइए–

उत्तर–	**विशेषण**	**भाववाचक संज्ञा**	**विशेषण**	**भाववाचक संज्ञा**
	खुश	**खुशी**	आजाद	**आजादी**
	बदनसीब	बदनसीबी	**प्रसन्न**	प्रसन्नता
	प्यारी	**प्यार**	गरीब	**गरीबी**

(ग) रंगीन शब्दों का लिंग पहचानकर लिखिए–

उत्तर– 1. स्त्रीलिंग 2. पुल्लिंग 3. पुल्लिंग 4. पुल्लिंग 5. स्त्रीलिंग

(घ) रंगीन पदों का कारक-भेद लिखिए–

उत्तर– 1. संबंध कारक 2. करण कारक 3. अधिकरण कारक
4. करण कारक 5. कर्म कारक 6. अधिकरण कारक
7. संप्रदान कारक 8. अधिकरण कारक

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– शबनम = **ओस** इलाही = **प्रभु** चमन = **बगीचा**
आबाद = **बसा हुआ** आशियाना = **घर** सदाएँ = **आवाजें**

(च) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाइए–

उत्तर– घोंसला = **घोंसले** खुशी = **खुशियाँ** कली = **कलियाँ**
दुखड़ा = **दुखड़े** गाना = **गाने** बात = **बातें**
आजादी = **आजादियाँ** सदा = **सदाएँ**

(छ) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– प्यारी-प्यारी = रमेश ने पिंजरे में दाना डाल दिया और उसमें दो **प्यारी-प्यारी** चिड़िया आ गईं।
आशियाना = नीम के पेड़ पर पक्षियों का **आशियाना** था।
साथी = रिया और रोहण **साथी** हैं।
दिल = कैदी परिंदें का **दिल** उदास हो रहा है।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

आइए, कुछ करें

- **भारत के राष्ट्रीय पक्षी पर एक अनुच्छेद लिखिए–**

उत्तर– मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। यह सभी पक्षियों में सबसे सुंदर होता है। मोर एक शांत पक्षी है। जिसके चंद्रमा के आकार का रंग नीला, लाल, हरा और पीला होता है। सावन का महीना मोरों को बेहद प्रिय होता है। वह अपने पंख फैलाकर वर्षा में नाचता है। यह आमतौर पर जंगल में रहता है। वर्ष 1963 में मोर को राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया था। मोर को किसानों का मित्र कहा जाता है।

कल्पना की उड़ान

उत्तर– स्वयं कीजिए।

खेलकर सीखें

- **दिए गए पक्षियों को पहचानकर इनके नाम लिखिए–**

उत्तर–

कबूतर

तोता

गौरैया

बतख

16. देश के प्रति हमारे कर्तव्य

अभ्यास-कार्य

पाठ-ज्ञान

मौखिक प्रश्न

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

उत्तर–
1. प्रस्तुत पाठ के लेखक का नाम कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' है।
2. विद्यार्थी ने पुस्तकालय की पुस्तक से दुर्लभ चित्र चुराया।
3. प्रधानमंत्री नेहरू ने किसान को अपना एक फोटो दस्तखत करके दिया।

लिखित प्रश्न

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर–
1. स्वामी रामतीर्थ एक बार **जापान** गए।
2. एक जापानी युवक **प्लेटफार्म** पर खड़ा था।
3. अपराधी को **दंड** मिलना ही चाहिए।
4. प्रत्येक नागरिक अपने **देश** के साथ बँधा हुआ है।
5. कमालपाशा **विश्राम** के लिए कपड़े बदल चुके थे।

(ग) सही विकल्प चुनिए–

उत्तर– 1. (c) प्लेटफॉर्म पर 2. (b) अपनी पत्नी को
3. (a) तुर्की 4. (a) पावभर शहद

(घ) सही कथन के सामने (✓) का तथा गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)

(ङ) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

- **''प्रत्येक नागरिक अपने देश के साथ बँधा हुआ है और देश की हीनता और गौरव का फल उसे ही नहीं मिलता, बल्कि उसकी हीनता और गौरव का फल भी उसके देश को मिलता है।''**

उत्तर– भाव– हर एक नागरिक अपने देश से जुड़ा हुआ है, जिस प्रकार देश के गलत काम और अच्छे काम का परिणाम उसे मिलता है। उसी प्रकार उसके द्‌वारा किया गया गलत काम और अच्छे काम का फल उसे ही नहीं बल्कि उसके देश को भी भुगतना पड़ता है। इसलिए हमें कोई भी काम सोच-विचारकर करना चाहिए।

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. जापानी युवक के यह कहने पर कि ''आप इनका मूल्य देना ही चाहते हैं तो वह यह है कि आप अपने देश में जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में फल नहीं मिलते।'' इस बात से स्वामी रामतीर्थ मुग्ध हो गए।

2. जापान में शिक्षा लेने वाले विदेशी युवक ने जापान के सरकारी पुस्तकालय से एक पुस्तक ली और उसमें से कुछ दुर्लभ चित्र निकालकर पुस्तक पुस्तकालय में वापस कर दी। किसी के शिकायत करने पर पुलिस ने वे चित्र उसके कमरे से बरामद कर लिए। उस विद्‌यार्थी को जापान से निकाल दिया गया तथा साथ ही उस पुस्तकालय के बाहर बोर्ड पर लिख दिया गया कि उस देश का (जिसका वह विद्‌यार्थी था) कोई निवासी इस पुस्तकालय में प्रवेश नहीं कर सकता। इस प्रकार विदेशी युवक ने इस कार्य से अपने देश को लांछित किया।

3. यदि हम किसी सार्वजनिक स्थल पर अपने देश की बुराई करते हैं। अपने देश की तुलना दूसरे देशों से करके अपने देश को हीन तथा दूसरे देशों को श्रेष्ठ सिद्‌ध करते हैं तो हम अपने देश के शक्तिबोध को चोट पहुचाते हैं और यदि हम देश में किसी भी स्थान पर किसी भी प्रकार की गंदगी फैलाते हैं तथा किसी को समय देकर लेट पहुँचते हैं या किसी को समय देकर घर पर नहीं मिलते हैं तो हम अपने देश के सौंदर्य बोध का अपमान कर रहे होते हैं।

4. अपने देश के प्रति हमारे ये कर्त्तव्य हैं हम अपने मन, वचन और कर्म से कोई भी ऐसा कार्य न करें जिससे देश के शक्ति-बोध और सौंदर्य-बोध को कोई हानि पहुँचे। दूसरे यदि अनुचित कार्य कर रहे हैं तो हमें उनका अनुसरण नहीं करना चाहिए और न ही यह सोचना चाहिए कि केवल हमारे ही अनुचित काम

न करने से स्थिति में कोई सुधार आने वाला नहीं है। यदि आपके किसी गलत कार्य का अनुसरण करने वाले पचास लोग हो सकते हैं तो आपके उचित कार्य का अनुसरण करने वाला भी कोई-न-कोई अवश्य होगा। यदि आपके उचित कार्य का अनुसरण एक व्यक्ति भी कर रहा है तो वह पर्याप्त है।

व्याकरण-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– अजेय = **जेय** अधिकार = **अनाधिकार** उच्च = **निम्न**
विश्वास = **अविश्वास** सुलभ = **दुर्लभ** सघन = **बिरल**
स्पष्ट = **अस्पष्ट** श्रेष्ठ = **निकृष्ट/अधम**

(ख) सही वर्तनी वाले शब्दों पर (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– इंसाफ ✓ कर्त्तव्य ✓ परिस्थिति ✓
निश्चित ✓ अनुशासन ✓

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए—

उत्तर– न्याय करने वाला = **न्यायाधीश**
जिसने ऋण लिया हो = **ऋणी**
ऋण देने वाला = **ऋणदाता**
अपराध करने वाला = **अपराधी**
जिसने अपराध न किया हो = **निरपराध**

(घ) निम्नलिखित शब्दों में 'गण', 'लोग', 'दल' या 'जन' लगाकर बहुवचन बनाइए–

उत्तर– दोस्त = **दोस्त लोग** लेखक = **लेखकगण**
गरीब = **गरीब लोग** विद्वान = **विद्वान लोग**
मित्र = **मित्रगण** गुरु = **गुरुजन**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर– घटना = यह **घटना** बहुत पुरानी है।
शिक्षा = हमें अच्छी **शिक्षा** ग्रहण करनी चाहिए।
भेंट = आपकी यह **भेंट** मुझे स्वीकार है।
मूल्य = मैं इस अहसान का **मूल्य** नहीं चुका सकता।

विषय-संवर्धन गतिविधियाँ

- **किस प्रकार एक आम आदमी का आचरण देश की मर्यादा को गौरवान्वित या कलंकित कर सकता है? इस विषय पर कुछ लाइनें लिखिए–**

उत्तर– एक आम आदमी का आचरण अनेक प्रकार से किसी देश को गौरवान्वित अथवा कलंकित कर सकता है। हम इस संबंध में निम्नांकित दो घटनाओं का उल्लेख कर सकते हैं—

एक समय की बात है भारत के प्रसिद्ध संत स्वामी रामतीर्थ जापान की यात्रा कर

रहे थे वह रेल से किसी दूसरी जगह जा रहे थे। उन दिनों वे केवल फलों को आहार के रूप में लेते थे और उसका ही भोजन करते थे। दोपहर के समय उनकी रेलगाड़ी एक स्टेशन पर रुकी और वहाँ उतरकर उन्होंने फलों की खोज की। पूरे स्टेशन पर उन्हें कही भी अच्छे फल दिखाई नहीं दिए। यह देखकर उनके मुख से निकला कि शायद जापान में अच्छे फल नहीं मिलते। यह बात वहाँ खड़े एक युवक ने सुन ली जो अपनी पत्नी को छोड़ने वहाँ आया हुआ था। यह सुनते ही युवक अपनी पत्नी को वहाँ छोड़कर तुरंत स्टेशन के बाहर की ओर भागा। जहाँ से उसने स्वादिष्ट एवं ताजे फल लिए और उन्हें टोकरी में रखकर स्वामी रामतीर्थ के समक्ष ले आया। फलों को देखकर स्वामी रामतीर्थ बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने उस युवक से फलों की कीमत बताने का आग्रह किया। यह सुनकर युवक ने कहा, ''इन फलों की कोई कीमत नहीं है। यह आपके लिए हमारी ओर से एक छोटा-सा उपहार है। इसके बदले में आप सिर्फ यह कीजिएगा कि अपने देश में जाकर यह बात नहीं कहिएगा कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते इससे मेरे देश के मान को ठेस पहुँचती है। इस प्रकार उस युवक ने अपने कार्य के द्वारा अपने देश के मान को बढ़ाया।

एक बार एक युवक जापान की लाइब्रेरी में किसी पुस्तक को पढ़ने के लिए गया। उसे अपने अनुसंधान के लिए कुछ दुर्लभ चित्रों की आवश्यकता थी। जब उसने वहाँ रखी पुस्तक में वे चित्र दिखाई दिए तो उसने तुरंत ही उन चित्रों को फाड़कर अपनी जेब में छिपा लिया पुस्तक को यथा स्थान पर रख दिया। वह इस बात से अनभिज्ञ था कि वहाँ खड़े एक जापानी युवक ने उसे ऐसा करते हुए देख लिया था। और उसने उसकी सूचना प्रबंधन तक पहुँचाई। जैसे ही प्रबंधन को इसकी सूचना मिली उन्होंने तुरंत ही युवक को बुलाकर उसकी तलाशी ली। जिसमें उन्हें वे दुर्लभ चित्र प्राप्त हो गए। पुस्तकालय ने उस छात्र को वहाँ से निस्काषित कर दिया। और साथ ही साथ वहाँ की सूचना पट्टिका पर यह अंकित कर दिया कि उस देश जिसका वह विद्यार्थी है के छात्रों का वहाँ आना निषेध है। इस प्रकार उस छात्र ने अपने कपटपूर्ण कार्य के द्वारा अपने देश को कलंकित कर दिया।

कल्पना की उड़ान

- **हमें हर स्थान पर व हर व्यक्ति के साथ अच्छा आचरण क्यों करना चाहिए? बताइए।**

उत्तर– जब हम दूसरों से शिष्ट व्यवहार करेंगे तो हमें भी सम्मान मिलेगा। हमारा समाज नैतिकता एवं शिष्टता से बँधा हुआ है। यह डोर कमजोर पड़ती जा रही है। शायद इसीलिए हमारा नैतिक पतन हो रहा है। अच्छा व्यवहार करने से सच्चाई की भावना आती है और हम अपराध बोध और शार्मिंदगी महसूस करने से बच जाते हैं।

खेलकर सीखें

- **भारत के महापुरुषों के चित्र चिपकाकर उनके नाम लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।